सुविचार

भविष्य इस बात पर निर्भर करता है कि आप आज क्या कर रहे हैं।

–महात्मा गांधी

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

Ranchi ● Tuesday, 28 January 2025 ● Year : 03 ● Issue : 15 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

12

Janhvi Kapoor Sidharth...

SHARE

संसेक्स	:	75,366.17
निफ्टी	:	22,829.15

SARAFA

सोना	:	7,720
चांदी	:	104.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

हाईकोर्ट ने सीएस को अवमानना नोटिस जारी करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को झारखंड हाई कोर्ट में भूमि अधिग्रहण विस्थापित और पुनर्वास किसान समिति की ओर से दायर जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की बेंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि क्या पूर्व में दिए गए आदेशों का पालन किया गया है। जब अदालत को बताया गया कि आदेश का अनुपालन अब तक नहीं किया गया है, तो उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए राज्य की मुख्य सचिव को अवमानना का नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा ने अपना पक्ष रखा। मिश्रा ने अदालत को बताया कि पहले दिए गए आदेशों का पालन नहीं किया गया और राज्य सरकार की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। कोर्ट का यह कदम सरकार की ओर से आदेशों की अवहेलना को लेकर एक कड़ा संदेश है। अदालत का कहना है कि यदि सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अदालत के आदेशों का पालन नहीं किया जाता है, तो इसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

भूमि अधिग्रहण विस्थापित व पुनर्वास किसान समिति की पीआईएल पर सुनवाई

- पहले के दिए आदेश का अनुपालन नहीं होने पर कोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी
- एक ही व्यक्ति को दो पदों पर रखने को कोर्ट ने बताया नियम विरुद्ध

विस्थापित किसानों के अधिकारों का सवाल

यह मामला इस समय सुर्खियों में है, क्योंकि इससे न केवल भूमि अधिग्रहण और विस्थापित किसानों के अधिकारों का सवाल जुड़ा हुआ है, बल्कि सरकारी नीतियों के पालन में भी गंभीर सवाल उठते हैं। सरकार के लिए यह अवसर है कि वह अपनी नीतियों और कार्यप्रणालियों पर पुनः विचार करे और अदालत के आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाए। अदालत ने इस मामले में सुनवाई को आगामी तारीख तक स्थगित किया है और उम्मीद जताई है कि सरकार इस मामले में जल्द से जल्द उचित कार्रवाई करेगी।

मनरेगा घोटाला : आईएएस पूजा सिंघल के खिलाफ दायर जनहित याचिका निष्पादित

सोमवार को झारखंड हाईकोर्ट ने खूंटी में हुए मनरेगा घोटाले में तत्कालीन डीसी पूजा सिंघल की भूमिका की जांच के संबंध में स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई पूरी कर सोमवार को जनहित याचिका निष्पादित करते हुए मामला बंद कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अब इसमें कोई मुद्दा शेष नहीं है, पुलिस और एसीबी की ओर से मामले में जांच की गई है। मामले में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की बेंच में इस मामले की सुनवाई हुई। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश ने बहस की। उल्लेखनीय है कि खूंटी में मनरेगा योजनाओं में 200 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय गड़बड़ी का आरोप लगाया गया था। उस दौरान पूजा सिंघल खूंटी की डीसी थी। इस मामले में खूंटी जिला के विभिन्न पुलिस थानों में 16 प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में खूंटी पुलिस से जांच लेकर एसीबी को सौंपा गया। अरुण कुमार दुबे ने आरोप लगाया था कि एसीबी से पूरे मामले की जांच कराई गई, लेकिन उसमें तत्कालीन उपायुक्त पूजा सिंघल की भूमिका की जांच नहीं की गई। उपायुक्त द्वारा ही चेक पर हस्ताक्षर किया जाता था। उनकी भूमिका की ईडी से जांच कराने का आग्रह किया गया। अरुण कुमार दुबे ने जनहित याचिका दायर कर खूंटी की तत्कालीन उपायुक्त पूजा सिंघल की भूमिका की जांच कराने की मांग की थी।

पुलिस व एसीबी ने की जांच, चार्जशीट भी हो चुकी है दाखिल, खूंटी जिला के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज की गई थीं 16 प्राथमिकियां

200 करोड रुपये से अधिक की गड़बड़ी का मामला भूमिका की जांच करने के लिए दाखिल हुई थी पीआईएल

BRIEF NEWS

अफसरों के तबादले के नाम पर ठगी करने वाले का भंडाफोड़

RANCHI : रांची में ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। जिसमें कुछ लोग राज्य के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों का स्थानांतरण और अन्य सरकारी ठेकेदारी कामों को लेकर ठगी का प्रयास कर रहे थे। कोतवाली थाना रांची में इस सम्बन्ध में शिकायत दर्ज की गई। जांच में सज्जाद उर्फ मुन्ना और कैप्टन सिंह सलूजा के अलावा आयन सरकार, चन्दन लाल, सूर्य प्रभात सहित कई अन्य लोग भी शामिल हैं। ये लोग अधिकारियों के स्थानांतरण की प्रक्रिया को प्रभावित करने का दावा करते हुए लोगों से पैसे मांग रहे थे। जांच में अब तक कुछ पीड़ितों की पहचान की गई है। पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है और मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी। ठगी के इस प्रयास से प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

दलितों व पिछड़ों को बनाया जा रहा गुलाम : राहुल

INDORE : सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि मोदी जी जातिगत जनगणना कराने से डरते हैं। वे इसे कभी नहीं कराएंगे, लेकिन 50 फीसदी आरक्षण की दीवार को हम लोकसभा व राज्यसभा में तोड़ देंगे। कोई नहीं रोक सकता। हम पहले कांग्रेस शासित राज्यों में आरक्षण 50 परसेंट से ज्यादा करेंगे। इसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर कानून बनाकर इस दीवार को तोड़ेंगे। महू में आयोजित कांग्रेस की जय भीम, जय बापू, जय संविधान रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि आरएसएस और भाजपा की ओर से समाज के दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों को फिर से गुलाम बनाने की कोशिश की जा रही है।

जसप्रीत बुमराह बने साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर

NEW DELHI : सोमवार को भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का साल का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर चुना गया। उन्होंने 2024 में सिर्फ 13 मैच में 15 से कम की औसत से सर्वाधिक 71 विकेट चटकाए। दुनिया के नंबर एक गेंदबाज बुमराह ने पीठ की चोट से उबरने के बाद 2023 के अंतिम हिस्से में वापसी की। इस 31 वर्षीय तेज गेंदबाज ने 2024 में 14.92 की बेहतरीन औसत से विकेट चटकाए और इस दौरान कई रिकॉर्ड भी अपने नाम किए।

सुरेश जालान ने खरीदा 90 करोड़ का प्राइवेट जेट

GIRIDIH : गिरिडीह के उद्योगपति सुरेश जालान ने अपने लिए 90 करोड़ रुपये का 10 सीटर प्राइवेट जेट खरीदा है। इस जेट ने स्विट्जरलैंड से गिरिडीह के बोडो हवाई अड्डे पर लैंड किया। सुरेश जालान झारखंड के सबसे बड़े उद्योगपतियों में से एक हैं और देश के सबसे अमीर कारोबारियों में 299वें स्थान पर आते हैं। वह कार्बन रिसोर्स अलकतरा कारखाने के मालिक हैं।

बजट सत्र के दौरान सदन के पटल पर रखी जा सकती है रिपोर्ट

वक्फ संशोधन बिल को संयुक्त संसदीय समिति ने दी हरी झंडी

NEW DELHI @ PTI : वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के लिए गठित संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) द्वारा यह प्रस्ताव किए जाने की संभावना है कि मौजूदा उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ संपत्ति, विवाद में नहीं होने या सरकारी सुविधा के अंतर्गत आने की स्थिति में बनी रहेगी। समिति ने सोमवार को हुई एक बैठक में वक्फ बिल में बदलावों को हरी झंडी दे दी। एनडीए के सदस्यों द्वारा प्रस्तावित सभी 14 संशोधनों को स्वीकार कर लिया। विपक्षी सदस्यों के संशोधनों को खारिज कर दिया। द्रमुक के ए राजा ने आरोप लगाया कि समिति की कार्यवाही को मजाक बना दिया गया है और रिपोर्ट इस समय तक तैयार की जा चुकी है। उन्होंने कहा, अगर इसे संसद की मंजूरी मिल जाती है, तो द्रमुक और खुद मेरी तरफ से उच्चतम न्यायालय से नए कानून को निरस्त कराने के लिए अनुरोध किया जाएगा।

सभी 14 संशोधनों को किया गया स्वीकार, विपक्ष के सारे सुझाव खारिज

- अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा, फाइनल मीटिंग में सभी 44 संशोधनों पर हुई चर्चा
- संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान समिति का बढ़ा दिया गया था कार्यकाल
- द्रमुक के ए राजा ने लगाया आरोप, समिति की कार्यवाही को बना दिया गया मजाक

कानून को और बेहतर बनाएंगे ये संशोधन

जगदंबिका पाल ने बैठक के बाद कहा कि समिति द्वारा अपनाए गए संशोधन कानून को बेहतर और अधिक प्रभावी बनाएंगे। हालांकि, विपक्षी सांसदों ने बैठक की कार्यवाही की निंदा की और पाल पर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को नष्ट करने का आरोप लगाया। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि बैठकों का यह दौर हास्यास्पद था। हमारी बात नहीं सुनी गई। पाल ने तानाशाही तरीके से काम किया है।

हंगामे के बाद सस्पेंड हुए थे 10 सदस्य

जेपीसी की 24 जनवरी को दिल्ली में हुई बैठक में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया था दावा किया कि उन्हें ड्राफ्ट में प्रस्तावित बदलावों पर रिसर्च के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। आरोप लगाया कि बीजेपी दिल्ली चुनावों के कारण ध्यान में रखते हुए वक्फ संशोधन विधेयक पर रिपोर्ट को संसद में जल्दी पेश करने पर जोर दे रही है। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि समिति की कार्यवाही एक तमाशा बन गई है।

8 अगस्त 2024 को लोकसभा में पेश किया गया था विधेयक

संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे मुस्लिम विरोधी बताया था। विपक्ष की आपत्ति और भारी विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के जेपीसी को भेज दिया गया था। वक्फ बिल संशोधन पर बनी 31 सदस्यीय जेपीसी की पहली बैठक 22 अगस्त को हुई थी। अब तक इसकी 34 बैठकें हो चुकी हैं। सूत्रों ने बताया कि समिति बुधवार को रिपोर्ट स्वीकार करेगी, जिसमें कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और एआईएमआईएम जैसे विपक्षी दलों के सदस्य अपनी असहमति जता सकते हैं। उन्होंने कहा कि संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से शुरू होने जा रहा है और सत्तारूढ़ भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सत्र के पहले चरण में विधेयक पारित करा सकता है क्योंकि उसके पास लोकसभा और राज्यसभा दोनों में बहुमत है।

आज महिलाओं के बैंक खातों में सरकार डाल सकती है 2500 रुपये

PHOTON NEWS RANCHI : नए साल में झारखंड की महिलाओं को जल्द बड़ी खुशी मिलने जा रही है। मंईयां सम्मान योजना की ₹2500 की राशि आज यानी 28 जनवरी को उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जा सकती है। यह भी संभव है कि यह राशि 29 जनवरी को ट्रांसफर की जाए। बता दें कि कुछ दिन पहले ही दिसंबर 2024 की राशि हेमंत सरकार ने एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं के खाते में ट्रांसफर की थी। गौरतलब है कि इसके पहले विधानसभा चुनाव के दौरान 1500 से इस राशि को 2500 करने की घोषणा हेमंत सोरेन ने की थी। चुनाव में बंपर जीत के बाद ₹2500 रेगुलर देने के लिए आवश्यक बजट पर सरकार ने जमकर मशक्कत की थी। विधानसभा के विशेष सत्र में अनुपूरक बजट में इस राशि का प्रावधान किया गया था। इसके बाद दिसंबर महीने की राशि महिलाओं को दी गई थी।

मईयां सम्मान योजना

- 18 से 50 साल की महिलाएं इस योजना का उठाती हैं लाभ
- जनवरी महीने की राशि पात्र महिलाओं को देने की हेमंत सरकार ने की तैयारी
- विधानसभा चुनाव के दौरान इस योजना में दी जा रही राशि बढ़ाने की हुई थी घोषणा
- जीत के बाद बढ़ी हुई राशि का इंतजाम करने के लिए सरकार ने की थी कड़ी मशक्कत

हर माह 15 तारीख को दी जानी है राशि

जैसा कि हम जानते हैं, 18 साल से 50 साल तक की युवतियों और महिलाओं को हर माह की 15 तारीख को 2500 रुपये दिए जाने हैं। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, इस योजना के तहत दिसंबर में 56,61,791 खातों में 2500 रुपये प्रति लाभुक के हिसाब से 1415 करोड़, 44 लाख 77 हजार 500 रुपये ट्रांसफर किए गए थे। अब तक जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार, जनवरी महीने में अभी तक डेढ़ लाख से ज्यादा नए लाभुकों का सत्यापन हो चुका है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि अब इस योजना से जुड़े लाभुकों की संख्या 58 लाख से अधिक हो चुकी है। इसमें और वृद्धि की संभावना है। अतः अब सरकार को इस योजना पर अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी।

उत्तर भारत में पड़ रही कड़ाके की ठंड का यहां भी दिखने लगा है असर

झारखंड में फिर गिरने लगा पारा, बढ़ी कनकनी

रांची का मिनिमम टेंपरेचर गिरकर पहुंचा 9 डिग्री सेल्सियस पर, गुमला 4.2 डिग्री के साथ सबसे सर्द

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तर भारत में पढ़ रही कड़ाके की ठंड का असर एक बार फिर झारखंड में दिखने लगा है। राज्य का पारा गिरने लगा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कनकनी काफी बढ़ गई है। इसके और बढ़ाने की संभावना जताई जा रही है। दिन में धूप के बावजूद लोगों को ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, गुमला में सबसे ज्यादा ठंड रही। यहां न्यूनतम तापमान 4.2 डिग्री दर्ज किया गया है। सरायकेला में अधिकतम तापमान 29.8 डिग्री रहा।

सुबह में कोहरा से राहत मिलने की अभी नहीं है कोई उम्मीद

जमशेदपुर में सबसे कम विजिबिलिटी

झारखंड में सबसे कम विजिबिलिटी पूर्वी सिंहभूम के जमशेदपुर में रही। विभाग के अनुसार, सुबह में कोहरा से राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। दिन में आसमान में बादल छाए रहेंगे। इससे लोगों को ठंड का एहसास होगा। आज के बाद न्यूनतम तापमान में थोड़ी वृद्धि दर्ज की जाएगी।

तीन से चार डिग्री तक की गिरावट

मौसम विज्ञान विभाग की रिपोर्ट पर नजर डालें तो झारखंड के तापमान में रविवार से ही गिरावट आने लगी। रांची, जमशेदपुर, डाल्टेनगंज, बोकारो और चाईबासा के न्यूनतम तापमान में महज 24 घंटे के अंदर तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक की बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इससे लोगों को फिर से कनकनी वाली ठंड का एहसास हो रहा है। सोमवार को रांची के न्यूनतम तापमान में मामूली वृद्धि हुई है। लेकिन, जमशेदपुर, डाल्टनगंज और चाईबासा के न्यूनतम तापमान में बड़ी गिरावट आई है। अगर पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में अधिकतम तापमान की बात करें तो सरायकेला का पारा सबसे अधिक रहा। सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 4.2 डिग्री दर्ज किया गया।

गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी ने संगम में लगाई डुबकी

- स्नान के बाद संगम स्थल पर ही किया विशेष पूजन और आरती में लिया हिस्सा

PRAYAGRAJ : सोमवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संतों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संगम में पवित्र डुबकी लगाई। संत समाज ने उन्हें वैदिक विधि से स्नान करवाया और मां गंगा का पावन जल गृहमंत्री पर छिड़क कर पूजा-अर्चना कराई। स्नान के बाद गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने संगम पर ही विशेष पूजा-अर्चना की और संगम आरती में भी हिस्सा लिया। इस दौरान गृहमंत्री शाह के साथ उनकी पत्नी सोनल शाह, बेटे जय शाह और पुत्र वधू एवं पोतियों ने भी स्नान और पूजा-पाठ में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने गृहमंत्री को कुंभ कलश भी भेंट में दिया, जबकि साधु-संतों ने उन्हें माला पहनाई और चंदन व टीका लगाया। भगवा वस्त्रों में गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ने जूना पीठाधीश्वर अवधेशानंद गिरि, निरंजनी पीठाधीश्वर कैलाशानंद और अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी, बाबा रामदेव समेत अन्य संतों के साथ संगम में डुबकी लगाई। संतों ने गृहमंत्री को वैदिक विधि से स्नान कराया और उन पर संगम का जल छिड़का।

बदलाव की दिशा नेशनल एजुकेशन पॉलिसी में कई प्रकार के परिवर्तन का प्रावधान

डिप्लोमा धारकों को भी मेडिकल कॉलेजों में बनाया जाएगा शिक्षक

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK: नेशनल एजुकेशन पॉलिसी यानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद मोदी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में पिछले कुछ वर्षों में अनेक बुनियादी परिवर्तन के संकेत दिए हैं। पाठ्यक्रमों में परिवर्तन के साथ ही इस क्षेत्र में विभिन्न पदों पर नियुक्तियों के मापदंड में भी परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। अभी कुछ दिन पहले ही यूनिवर्सिटी ग्रांट कमीशन यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर की नियुक्ति के लिए नया ड्राफ्ट प्रस्तुत किया गया है। इस पर जोर-शोर से बहस चल रही है। इसके मूल में यह है कि अब कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए नेट, स्लेट या पीएचडी की डिग्री की अनिवार्यता समाप्त कर दी जाएगी। सिर्फ पोस्ट ग्रेजुएशन करने वाले स्टूडेंट भी इसके साक्षात्कार में भाग ले सकेंगे। इसके ठीक पहले सरकार ने मेडिकल कॉलेजों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए नए नियम बनाए गए हैं। इसमें डिप्लोमा धारकों को भी मेडिकल कॉलेजों में शिक्षक बनाने का नियम बनाया गया है।

नए प्रस्ताव के अनुसार, इस पद के लिए सीनियर रेजिडेंट का अनुभव जरूरी

चिकित्सा शिक्षा की नींव को कमजोर करने का लगाया जा रहा आरोप

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने शिक्षक पात्रता योग्यता के दिशा-निर्देशों का जारी किया नया मसौदा

चिकित्सा महाविद्यालयों और संस्थाओं के डॉक्टरों ने जताया है कड़ा विरोध

देश में स्वास्थ्य सेवा वितरण की गुणवत्ता पर असर पड़ने की कही जा रही बात

यूजीसी ने सामान्य कॉलेजों-विश्वविद्यालयों में भी सरल तरीके से नियुक्ति का दिया संकेत नेट, स्लेट या पीएचडी की डिग्री की अनिवार्यता को किया जा रहा खत्म

साल 2017 से काम करने वालों को फायदा

नए प्रस्ताव में यह प्रावधान किया गया है कि चिकित्सा संस्थानों में संकाय की नियुक्ति के लिए सामान्य मानदंड के अनुसार, सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 2017 से सीनियर रेजिडेंट के रूप में काम कर रहे डिप्लोमा धारक सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र हो सकते हैं। इसी तरह एनाटॉमी, बायोकेमिस्ट्री और फिजियोलॉजी विषयों के लिए गैर चिकित्सक सीनियर रेजिडेंट और सहायक शिक्षक बन सकते हैं। तीन विषयों के लिए पीएचडी की उपाधि अनिवार्य है। यह नियम माध्यमिक अवधि के लिए लागू होंगे। इसका मतलब यह है कि किसी विषय के लिए पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध न होने पर यह नियुक्तियां की जा सकती हैं।

एमडी डॉक्टर को लगते हैं तीन साल

नई दिल्ली स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल के वरिष्ठ डॉक्टर कबीर का मानना है कि एनएमसी उस डिप्लोमा धारक को नियुक्त करने की मंजूरी दे रहा है, जिसने कभी थीसिस नहीं की है। इसके लिए एक एमडी डॉक्टर को कम से कम तीन वर्ष लगते हैं और उसके साथ सीनियर रेजिडेंट की जिम्मेदारी संभालता है। इन सबमें एक लंबा वक्त लगता है। इसके बाद ही वह शिक्षक वर्ग में आ सकता है। लेकिन, सिर्फ अनुभव के आधार पर डिप्लोमा धारक को शिक्षक बनाना चिकित्सा शिक्षा के लिए नुकसान भरा होगा।

ढाई लाख लोगों को ठग चुके 6 शातिर चढ़े पुलिस के हत्थे

आरोपियों के पास से मिलीं दो लग्जरी गाड़ियां, कैमरे व 1,08,800 रुपये कैश

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा जिला की पुलिस ने करीब महीनेभर की पड़ताल के बाद छह शातिरों के एक ऐसे गिरोह को दबोचा, जो साइबर अपराध के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का सहारा लेते थे। इन शातिरों ने देश भर के करीब ढाई लाख लोगों को ठगी का शिकार बनाया है। जांच से पता चला है कि इन शातिरों ने अब तक इन तरीकों से करीब 11 करोड़ रुपये की ठगी की है। ठगी के लिए ये अपराधी पीएम किसान योजना एपिक, पीएम फसल बीमा योजना एपिक, कई बैंकों के एपिक व एनपीसीआई इंटरनेशनल आदि के नाम से फर्जी मोबाइल एपिक बनाकर लोगों के मोबाइल नंबरों पर विभिन्न सोशल साइट्स पर डालकर ठगी का शिकार बनाया है। सभी शातिरों के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद इन्हें जेल भेज दिया गया है। प्रेस कांफ्रेंस में

गिरफ्त में आरोपी व मामले की जानकारी देते एसपी एहतेशाम वकारिब

2700 ठगी के मिल चुके साक्ष्य

पुलिस की जांच में पता चला है कि ये शातिर चैट जीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विशेषज्ञ हैं। इनके मोबाइल से मोबाइल से 2700 ठगी के शिकार हो चुके लोगों का साक्ष्य मिला है। इसके साथ ही ठगी के लिए 25 लाख से ज्यादा बार मैसेज आदान-प्रदान करने के साक्ष्य मिले हैं। इनके पास से 2000 पंजाब नेशनल बैंक और 500 कैनरा बैंक खाताधारकों का डाटा भी बरमाद हुआ है। पुलिस की टेक्निकल सेल की टीम गहनता से इनकी जांच में जुटी है।

जामताड़ा के एसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि काफी दिनों से पुलिस टीम इन शातिरों को दबोचने में जुटी थी। ये शातिर जामताड़ा के नारायणपुर थाना क्षेत्र में एक सुनसान जगह पर साइबर ठगी को अंजाम देने जुटे थे। पुलिस के हत्थे चढ़े ये मास्टरमाइंड अपराधी गिरिडीह के अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के बांकीकला गांव का मेहबूब आलम उर्फ डीके बोस, सफाउद्दीन अंसारी, आरिफ अंसारी उर्फ डीके, इसी थाना क्षेत्र के लखनपुर गांव का जसीम अंसारी, गिरिडीह के गांडेय थाना क्षेत्र के महजारी का शेख बेलाल उर्फ डीके और जामताड़ा के करमाटाड़ थाना क्षेत्र के सियाटांड़ का रहने वाला अजय मंडल है।

ट्रेनी आईपीएस राघवेंद्र शर्मा, डीएसपी चंद्रशेखर और इंस्पेक्टर जयंत तिर्की की अगुवाई में छापेमारी के दौरान इन शातिरों के पास से पुलिस टीम ने 14 मोबाइल, 23 फर्जी आईडी पर लिए गए सिम कार्ड, दो लग्जरी गाड़ियां, एक डीएसएलआर कैमरा, एक ड्रोन कैमरा व 1,08,800 रुपये कैश बरामद किए हैं।

आठवीं पास शातिर चैट जीपीटी व जावा प्रोग्रामिंग के एक्सपर्ट, ठगी के दौरान करते थे ड्रोन से निगरानी

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा पुलिस के हत्थे चढ़े शातिर साइबर ठगों से जो साक्ष्य मिले हैं, वह आम लोगों के लिए तो चौंकाने वाले हैं ही, पुलिस महकमे के लिए भी नई चुनौती है। पुलिस के हाथ लगा साइबर ठगी का मास्टरमाइंड मेहबूब आलम उर्फ डीके बोस, आरिफ अंसारी उर्फ डीके और शेख बेलाल उर्फ डीके आठवीं से दसवीं पास है। लेकिन ये शातिर चैट जीपीटी और कंप्यूटर प्रोग्रामिंग लैंग्वेंज जावा समेत अन्य लैंग्वेज के साथ तकनीकी रूप से इतना दक्ष हैं कि ये खुद ही कई तरह की एपिक फाइल डेवलप कर रहे थे। इन शातिरों ने पुलिस से बचने का जो तरीका अपनाया, वह और भी नायाब है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, जब ये ठगी की घटनाओं को अंजाम देते थे, उस दौरान पुलिस की निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे का इस्तेमाल करते थे। ताकि इन्हें पुलिस के आने की भनक दूर से ही मिलती रहे।

न करते थे कॉल, न मांगते थे ओटीपी

जांच में जो बात सामने आई है, वह चौंकाने वाले और सुरक्षा के लिहाज से बेहद ही खतरनाक हैं। इन शातिरों ने ऐसे एपीके फाइल डेवलप कर रखी थी, जिसके सहारे ना तो इन्हें किसी को कॉल करने की जरूरत पड़ती थी और ना ही ओटीपी मांगने की। जो भी व्यक्ति इनके एपीके फाइल को अपने मोबाइल पर धोखे से भी अपलोड कर लेता था, उसी से सारे डिटेल्स देख लेते थे। ऐसे में लोगों को इस बात का तनिक भी अंदेशा नहीं होता था कि वह ठगी का शिकार हो रहा है।

डीके बोस नाम से बना रखा था ग्रुप

जामताड़ा एसपी एहतेशाम वकारिब ने बताया कि गिरफ्त में आए तीन शातिर डीके बास के छद्म नाम से काम कर रहे थे। इनके द्वारा डेवलप फर्जी एपीके अन्य साइबर अपराधियों के बीच काफी लोकप्रिय थे। इन एपीके एप के जरिए ठगी के लिए इन शातिरों ने हजारों जो एपीके आधारित धोखाधड़ी करने वाले गुर्गे बना रखे थे। जिन्हें ये अपने द्वारा डवलप किए एपीके 25-30 रुपये प्रति एपीके की दर से बेचते भी थे। इनमें से चार शातिर पहले भी साइबर ठगी के मामले में जेल जा चुके हैं।

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र व गृह मंत्रालय से मांगनी पड़ रही मदद : तकनीकी रूप से दक्ष इन शातिरों का दायरा इतना व्यापक था कि चैट जीपीटी और आर्टिफिशियल इंटीलेंस के विशेषज्ञ इन शातिरों के बारे में गहन पड़ताल के लिए पुलिस को कई तरह की मदद मांगनी पड़ रही है। इस मामले में पुलिस ने भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र और गृह मंत्रालय से मदद मांगी है, ताकि इसमें शामिल अन्य लोगों तक पहुंच कर पड़ताल पूरी की जा सके। आई-फोर सी के समन्वय पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार गिरफ्तार अपराधी देश भर में 415 से अधिक साइबर अपराध के मामलों से जुड़े हैं। इन पर करीब 11 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले हैं।

BRIEF NEWS

रोजगार मेला में 217 युवाओं को मिली नौकरी

KHUNTI : नगर भवन, खूंटी में चौथे जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर सोमवार को जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला का आयोजन किया गया। पलाश, झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, ग्रामीण विकास विभाग, झारखंड सरकार के तत्वावधान में आयोजित इस मेले का उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को बेहतर भविष्य प्रदान करना और उन्हें रोजगार के विभिन्न अवसरों से जोड़ना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खूंटी के विद्यायक राम सूर्या मुण्डा, सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि तोरपा और विधायक प्रतिनिधि तमाड़ के अलावा राज्य कार्यक्रम प्रबंधक, स्किल्स एंड जॉब्स हसनैन वारसी उपस्थित थे। कार्यक्रम में उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने जिला स्तरीय रोजगार सृजन मेला के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को रोजगार से जुड़ने में सहायता मिलेगी। यह रोजगार मेला युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इससे युवाओं को उनकी क्षमताओं के अनुरूप रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। डीसी ने कहा कि सिर्फ शिक्षा ही नहीं, कौशल विकास भी आज के समय में बेहद जरूरी है।

सांस्कृतिक संध्या के श्रेष्ठ प्रतिभागी बच्चे पुरस्कृत

HAZARIBAG : 76वें गणतंत्र दिवस पर सोमवार को नगर भवन में सांस्कृतिक संध्या हुई, जिसमें स्कूली बच्चों ने गीत, संगीत व नृत्य की प्रस्तुति से सबको मुग्ध कर दिया। इसमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को उपायुक्त नैन्सी सहाय ने पुरस्कृत किया। इस दौरान 15 कार्यक्रम हुए, जिसमें मुख्य रूप से रागेश्री संगीत अकादमी द्वारा देशभक्ति समूह गीत, श्री मां संगीतायन हजारीबाग द्वारा देशभक्ति समूह गीत, रोजबड स्कूल द्वारा नागपुरी लोकनृत्य, डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा सामूहिक नृत्य, इंदिरा गांधी बालिका विद्यालय द्वारा देशभक्ति समूह नृत्य, संत कोलंबस कॉलेज द्वारा समूह नृत्य (संथाली), हेमंत ग्रुप द्वारा सर्वधर्म सद्भावना नृत्य नाटिका, तरंग ग्रुप लोक बाल नृत्य, पुष्पदीप संगीत एवं नृत्य संस्था द्वारा देशभक्ति समूह नृत्य, सीएम बालिका उच्च विद्यालय द्वारा देशभक्ति नृत्य, नृत्य वाटिका डांस अकादमी द्वारा दक्षिण भारतीय लोकनृत्य, स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन द्वारा झांसी की रानी नृत्य नाटिका, लोकांगन नृत्य विद्यालय द्वारा मराठी समूह नृत्य की प्रस्तुति की गई। इसके अलावा एन.ए. चौधरी ने जादू के खेल दिखाए। कार्यक्रम का संचालन मनोज सिन्हा ने किया। मंच कार्यक्रम प्रबंधन प्रह्लाद सिंह द्वारा किया गया।

गिरिडीह में ट्रक ने चार को कुचला, दो की हो गई मौत

AGENCY GIRIDIH : जिले देवरी थाना इलाके के मंडरो और चितरोकुरो में सीमेंट लोडेड एक ट्रक ने चार लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में एक बच्चें सहित दो लोगों की मौत हो गयी। आक्रोशित लोगों ने ट्रक का पीछा कर उसमें आग लगा दी। हालांकि ट्रक का चालक मौके से भाग निकला।

घटना सोमवार दोपहर की है। ट्रक में आग लगाने की घटना जमुआ के मिर्जागंज की है। जानकारी के अनुसार सीमेंट लदे ट्रक ने देवरी प्रखंड अंतर्गत हीरोडीह थाना के मंडरो में एक 4 वर्ष के बच्चे को धक्का मार दिया। इस घटना में बच्चे की मौत हो गई। मृतक तिसरी थाना इलाके के बेलवाना निवासी शहबाज अंसारी का चार वर्षीय पुत्र था। घटना उस वक्त

- देवरी थाना इलाके के चितरोकुरो में बेकाबू हुआ सीमेंट लदा वाहन

धू-धू कर जलता ट्रक

घटी जब पिता-पुत्र दुकान से सामान खरीद कर निकल रहे थे। घटना के बाद ट्रक को लेकर चालक भागने लगा। भागने के क्रम ट्रक ने देवरी थाना इलाके के चितरोकुरो में सुखदेव यादव नामक व्यक्ति को कुचल दिया।

दुर्घटना की जानकारी के बाद दोनों स्थानों पर पुलिस पहुंची और ट्रक में लगी आग को बुझाने के प्रयास किया। दूसरी तरफ लोगों ने मंडरो में सड़क को घंटो जाम कर दिया। मौके पर पहुंचे एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया है कि ट्रक के धक्के से एक बच्चे और एक व्यक्ति की मौत हुई है। दो लोग घायल है। आक्रोशित लोगों ने ट्रक में आग लगा दी थी। आग पर काबू पा लिया गया है। आक्रोशित लोगों को समझाने के बाद सड़क जाम भी हटा लिया गया है। चालक की तलाश की जा रही है।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को धमकी देने का आरोपी हिरासत में

JAMTARA : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी को सोशल मीडिया पर अपशब्द कहने और धमकी देने के आरोपी कैलाश स्वर्णकार को पुलिस ने हिरासत में लिया है। नारायणपुर थाना क्षेत्र के हरलाटांड़ निवासी से सोमवार देर शाम तक नारायणपुर थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस कैलाश का पूरा ब्योरा खंगाल रही है। पूरा मामला मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के कुंभ स्नान को प्रयागराज जाने को लेकर उनके बयान को लेकर है, जिस पर कैलाश स्वर्णकार द्वारा सोशल मीडिया पर डॉ. इरफान के बारे में गलत कमेंट करने का आरोप है। इस संबंध में आरोपी को हिरासत में लिया गया है।

मंत्री डॉ. इरफान अंसारी

पूर्व एसडीओ की गिरफ्तारी को लेकर थाना पहुंचे परिजन

HAZARIBAG : हजारीबाग के पूर्व एसडीओ अशोक कुमार पर पत्नी अनीता देवी की हत्या का गंभीर आरोप लगा है। मृतका के भाई राजू कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सोमवार को महिलाओं ने लोहसिंघना थाना में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने विरोध स्वरूप सिर पर लाल रिबन बांधा था।

घटना पिछले महीने की है। जब सरकारी एसडीओ आवास में आग लगने से अनीता देवी गंभीर रूप से झुलस गईं। उन्हें रांची के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतका के भाई ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें एसडीओ अशोक कुमार पर अपनी बहन को जलाकर मारने का आरोप लगाया है। राजू कुमार गुप्ता ने

थाने में प्रदर्शन करतीं महिलाएं

पूर्व में भी गंभीर आरोप लगाते हुए कहा था कि एसडीओ के अवैध संबंध इस घटना का मुख्य कारण है।

प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग है कि इतनी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज होने के बावजूद अभी तक आरोपित की गिरफ्तारी क्यों नहीं की गई। उनका कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

कुष्ठ रोगियों के लिए चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

AGENCY LOHARDAGA : लोहरदगा जिला मे कुष्ठ रोगियों की पहचान और कुष्ठ रोग के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए 30 जनवरी से 13 फरवरी 2025 तक जिला में अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी की अध्यक्षा में आयोजित हुई। बैठक में अभियान के स्टेट कॉर्डिनेटर डॉ गौतम ने बताया कि यह अभियान उक्त तिथि में जिला के सभी प्रखण्डों में ग्राम स्तर पर चलाया जाएगा। इसमें सहिया, आंगनवाड़ी सेविका-सहायिकाओं की मदद से घर-घर जाकर कुष्ठ रोगियों की पहचान की जाएगी। ग्राम सभाएं भी होंगी। डॉ गौतम ने कुष्ठ रोग के फैलने के कारण, ईलाज, अभियान के लिए बनाये गये कार्यक्रम के स्वरूप की जानकारी दी। बैठक में उप विकास आयुक्त ने कहा कि जिला में कुष्ठ रोगियों की पहचान के लिए जो अभियान चलाया जाएगा। उसे सफल बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर कार्य करें। जहां पहले से कुष्ठ रोगियों की पहचान होती रही है वहां विशेष ध्यान देने की जरूरत है। रोगियों के लिए पहचान के लिए सही से उसकी रूपरेखा तैयार करें। जिन रोगियों के बाद ईलाज चलेगा उन पर निरंतर नजर बनाये रखना जरूरी है। स्कूलों में जो बैठक अभिभावकों के साथ होती है। उसमें भी बच्चों के माता-पिता को जागरूक किया जाए। किसी भी संभावित मामले को नजरअंदाज नहीं किया जाए।

सरकारी आवास में हुई प्रधान सहायक की मौत

CHATRA : जिले के मयूरहंड प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय में पदस्थापित प्रधान सहायक मदन तिवारी की मौत दिल का दौरा पड़ने से हो गई है। वे जिले के सिमरिया प्रखण्ड के ईंद बिरहु गांव को निवासी थे। सोमवार को मयुरहंड सरकारी आवास में उनकी मौत की पुष्टि उनके एकलौता पुत्र अंकित कुमार तिवारी ने की। दिवंगत ईटखोरी, सिमरिया, चतरा मुख्यालय समेत कई प्रखंडों में बतौर प्रधान सहायक (बड़ाबाबू) के रूप में अपना योगदान दे चुके थे। विभागीय प्रक्रिया के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। इनके निधन पर सोमवार को पत्थलगडा प्रखंड कार्यालय समेत अन्य प्रखंड में शोकसभा आयोजित कर दिवंगत को श्रद्धांजलि दी गई।

राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला 11 फरवरी से

AGENCY PALAMU : जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के सदर प्रखंड के दुबियाखाड़ में राजकीय आदिवासी विकास महाकुंभ मेला का आयोजन प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 एवं 12 फरवरी को होगा। मेले के सफल आयोजन को लेकर सोमवार को उपायुक्त शशि रंजन की अध्यक्षता में समाहरणालय में बैठक आयोजित की गयी।

बैठक में विभागों के स्टॉल लगाने, परिसंपत्तियों का वितरण करने, सरकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने एवं विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से लाभुकों को लाभान्वित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में उपायुक्त ने मेले में आने वाली भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रण करने को लेकर योजना बनाने की

समाहरणालय में बैठक करते उपायुक्त शशिरंजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

बात कही। उन्होंने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर सीओ व संबंधित को इस विषय पर प्लान बनाने की बात कही।

उन्होंने मेला समिति के प्रतिनिधियों को आवश्यकतानुसार वॉलिंटियर्स की नियुक्ति करने और उनके बीच आई कार्ड का भी वितरण करने की बात कही। उन्होंने फायर एक्सटिंग्विशर पर्याप्त मात्रा में रखने पर बल दिया। नगर आयुक्त को आयोजन स्थल पर समुचित साफ-सफाई रखने पर बल दिया। रंग-रोगन और सुंदरीकरण पर भी चर्चा की गयी।

यातायात व्यवस्था एवं चिकित्सा व्यवस्था के लिये अलग से योजना बनाकर कार्य करने की बात कही। बैठक में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार को सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के माध्यम से मेले में होने वाली गतिविधियों का प्रचार-प्रसार कराने पर बल दिया।

एक्सएलआरआई में नॉन इंजीनियर के एडमिशन का कटऑफ बढ़ा

जैट का कटऑफ मार्क्स जारी, महिलाओं के लिए घटाया

PHOTON NEWS JSR : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट ने जैट (जेवियर एप्टीट्यूड टेस्ट) 2025 के लिए कटऑफ मार्क्स की घोषणा कर दी है। संस्थान की वेबसाइट पर ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट व बिजनेस मैनेजमेंट के पोस्ट ग्रेजुएशन लेवल के दोनों कोर्स की जानकारी साझा की है। एक्सएलआरआइ प्रबंधन के अनुसार इस बार जैट 2025 में बिजनेस मैनेजमेंट (बीएम) में इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के पुरुष उम्मीदवारों के लिए कटऑफ 96 पर्सेंटाइल तय किया गया है, वहीं इंजीनियरिंग बैकग्राउंड की महिला उम्मीदवारों के लिए यह 91 पर्सेंटाइल तय किया गया है। इस बार बीएम में इंजीनियरिंग व नॉन इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के पुरुष व महिला उम्मीदवारों में किसी प्रकार का कोई अंतर नहीं रखा गया है। नॉन इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के

पुरुष उम्मीदवारों का भी 96 पर्सेंटाइल जबकि नॉन इंजीनियरिंग महिला उम्मीदवारों को 91 पसेर्टाइल हासिल करना अनिवार्य किया गया है, जबकि पिछले साल इस केटेगरी में पुरुषों के लिए 95 पर्सेंटाइल, जबकि नॉन इंजीनियरिंग केटेगरी में महिला उम्मीदवारों के लिए 90 पर्सेंटाइल तय किए गए थे। इस बार दोनों में बढ़ोतरी कर दी गई है।

इधर, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में इंजीनियरिंग बैकग्राउंड वाले पुरुष उम्मीदवारों के लिए कटऑफ मार्क्स 95 पर्सेंटाइल, जबकि इंजीनियरिंग बैकग्राउंड की महिला उम्मीदवारों के लिए 90 पर्सेंटाइल अंक तय किये गये हैं। नॉन इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि के पुरुष आवेदकों को ह्यूमन रिसोर्स प्रोग्राम के लिए 93 पर्सेंटाइल, जबकि नॉन इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि की महिलाओं के लिए सिर्फ 87 पर्सेंटाइल तय किया गया है। पिछले साल की तुलना में कटऑफ में अपेक्षाकृत कमी की गयी है। पिछले साल नॉन इंजीनियरिंग बैकग्राउंड की महिला उम्मीदवारों का कटऑफ 91 पर्सेंटाइल था, जो इस बार 90 पर्सेंटाइल किया गया है।

शिक्षा में महिलाओं को प्रोत्साहित करने का प्रयास : प्रो. राहुल शुक्ला

जैट 2025 के संयोजक प्रो. राहुल शुक्ला ने कहा कि एक्सएलआरआइ द्वारा महिलाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने की अपनी परंपरा रही है। इस परंपरा को जारी रखते हुए इस साल भी पुरुष उम्मीदवारों की तुलना में महिला उम्मीदवारों का कटऑफ मार्क्स कम रखा गया है। कहा कि विविधता बढ़ाने के लिए, बीएम और एचआरएम दोनों कार्यक्रमों के लिए गैर-इंजीनियरिंग उम्मीदवारों और महिला उम्मीदवारों का कटऑफ कम किया जाता है। एक्सएलआरआई एक सामाजिक रूप से जिम्मेदार संस्थान होने के नाते, वंचित समुदायों को भी कम कटऑफ आवंटित किया गया है।

उम्मीदवारों को भेजा जाएगा इंटरव्यू का कॉल लेटर

एक्सएलआरआइ जमशेदपुर व दिल्ली दोनों ही ब्रांच में एडमिशन के लिए उम्मीदवारों को कॉल लेटर भेजा जाएगा। एक्सएलआरआइ के दोनों परिसरों के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए 2025-2027 में एडमिशन के लिए करीब 4000-4500 उम्मीदवारों का इंटरव्यू होगा। पीजीडीएम (जीएम) कार्यक्रम के लिए तीन चरण में इंटरव्यू पूरा हो चुका है। एक चरण फरवरी माह में होगा। आईईवी और डबल मास्टर प्रोग्राम जैसे कार्यक्रमों के लिए कटऑफ बाद में कार्यक्रम की विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने वाले कार्यक्रम के परामर्श से तय किया जाएगा।

छापेमारी में कट्टा के साथ धराया आरोपी

GODDA : पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि ग्राम शीतल में अवैध हथियार होने की सूचना है, जो किसी को बेचने के फिराक में है। थाना प्रभारी महागामा सशस्त्र बल के साथ उक्त ग्राम पहुंचे। गांव की निमार्णाधीन पानी टंकी के पास कच्ची सड़क पर पहुंचे तो पुलिस गाड़ी को देख कर कुछ लोग भागने लगे। जवानों ने एक व्यक्ति को पकड़ा। उसकी बाइक की डिक्की से एक लोडेड देसी कट्टा मिला।

कट्टा जब्त करते हुए व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद भागे हुए अन्य अपराधियों के विरूद्ध छापेमारी की जा रही है।

विद्यालय स्तर पर बांटे जाएंगे सहायक आचार्य के 345 पद

बैठक करते डीसी चंदन कुमार ● फोटोन न्यूज

RAMGARH : रामगढ़ जिले में प्रारंभिक शिक्षा को और मजबूती प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन ने कार्य प्रारंभ कर दिया है। सोमवार को डीसी चंदन कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रारंभिक शिक्षा समिति की बैठक हुई। इस दौरान डीएसई संजीत कुमार के द्वारा जानकारी दी गई कि विभागीय निदेर्शानुसार रामगढ़ जिला के लिए सहायक आचार्य के वर्ग एक से पांच के लिए 345 एवं वर्ग छह से आठ के लिए 429 पदों का सृजन किया गया है। जिसके विरुद्ध पूर्व में वर्ग एक से पांच तक के लिए सृजित कुल 345 पदों का प्रत्यर्पण किया जाना है। बैठक के दौरान उपायुक्त के जरिये समिति के अन्य सदस्यों के साथ पूर्व में सृजित कुल 345 पदों के विद्यालय स्तर पर प्रत्यर्पण को लेकर चर्चा के क्रम में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इन सब के अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने मर्जर के उपरांत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खाली पड़े स्कूल के भवनों के सकारात्मक उपयोग को लेकर भी सभी के साथ चर्चा की। जिला शिक्षा अधीक्षक को 15 फरवरी तक इस संबंध में योजना बनाने का निर्देश दिया।

BRIEF NEWS

न्यूरोसर्जन डॉ. सीबी सहाय फिर चुने गए एबीकेएम के प्रदेश अध्यक्ष

RANCHI : न्यूरोसर्जन डॉ सीबी सहाय का अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (एबीकेएम) का प्रदेश अध्यक्ष पद पर पुनः चयन होने पर स्वागत किया गया। इसे लेकर शनिवार को महासभा कार्यालय में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में डॉ सहाय का स्वागत किया गया। बता दें कि डॉ सहाय रिम्स के न्यूरोसर्जन और न्यूरोसर्जरी विभाग के एचओडी थे। वे रिम्स से पिछले साल ही रिटायर हुए थे। वे रिम्स में लंबे समय तक अपना योगदान दिये। वहीं इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय कायस्थ महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सह झारखंड प्रभारी मुकेश कुमार एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अखौरी विवेक किशोर, सुशील कुमार लाल, मनीष कुमार, संदीप सहाय पवन किशोर बिट्टू, विशाल, अंकित, रजत सौरभ एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

5000 किमी ग्रामीण सड़कों की होगी मरम्मत

RANCHI : राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री ग्राम सड़क सुदृढीकरण योजना के क्रियान्वयन के लिए 40 करोड़ से अधिक की राशि का आवंटन कर दिया गया है। रांची सहित सभी ग्रामीण कार्य पथ प्रमंडल को राशि दी गयी है। इस योजना का शुभारंभ 2023-24 से ही किया गया है। इसके अंतर्गत पांच वर्ष अथवा उससे पूर्व निर्मित ग्रामीण सड़कों को सुदृढीकरण करते हुए प्रखंड मुख्यालय एवं अन्य सरकारी संसथाओं तक आवागमन को सुगम बनाया जाना है। इंजीनियरों ने बताया कि 15000 किमी रोड को चरणबद्ध तरीके से मरम्मत करते हुए सुदृढ़ किया जायेगा। जिसमें अब तक 11840 किमी रोड के मरम्मत के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। वहीं, इस वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1612 किमी पथों की स्वीकृति दी गयी है, जिसे बनाने का कार्य शुरू किया जाना है। इसी के लिए राशि आवंटन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है।

राजभवन के कार्यक्रम में शामिल हुए हेमंत व बाबूलाल

RANCHI : सोमवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार की उपस्थिति में राजभवन में बैंड डिस्प्ले और एट होम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें 11वीं बटालियन राजपूताना राइफल्स, प्रथम बटालियन जम्मू एवं कश्मीर लाइट इन्फैंट्री, जैप-1, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, रांची एवं विवेकानंद विद्या मंदिर, रांची की टीमों ने मनमोहक बैंड डिस्प्ले प्रस्तुत किया। मौके पर राज्यपाल ने मोरहाबादी में आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में झांकी, परेड एवं बैंड प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। 1 को द्वितीय, डीएपी(महिला) को तृतीय, बैंड में जैप-1 को प्रथम, जैप-(महिला बटालियन) 10 को द्वितीय एवं सेना को विशेष पुरस्कार मिलइस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, राज्य सरकार के मंत्री, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, सांसद, विधायकों के साथ मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, पुलिस महानिदेशक, पद्म पुरस्कार से सम्मानित व्यक्ति, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने मीटिंग में विभागों को दिया निर्देश

संसाधनों और जरूरतों के मुताबिक तय करें सहकारिता संबंधी योजनाएं

PHOTON NEWS RANCHI : सोमवार को राज्य सहकारिता विकास समिति की बैठक मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें उन्होंने कहा कि राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में केवल वही योजनाएं बनानी चाहिए, जो राज्य के हित में हों। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिया कि राज्य के संसाधनों और जरूरतों के अनुसार ही सहकारिता विकास की योजनाओं को तय किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सहकारिता बैंकों के विस्तार से जुड़ी योजनाओं पर विचार करते हुए कहा कि बैंकों को पहले अपनी स्थिति मजबूत करनी चाहिए, उसके बाद ही विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाए जाएं। यह भी कहा कि ऐसी विकास योजनाओं से बचना चाहिए, जो बाद में राज्य पर आर्थिक बोझ डाल सकें।

राज्यहित में विकास योजनाओं की प्राथमिकता को तय करना जरूरी, सहकारिता बैंकों के विस्तार से जुड़ीं स्कीम पर किया विचार

अधिकारियों के साथ बैठक करतीं मुख्य सचिव अलका तिवारी। ● फोटोन न्यूज

मत्स्य उत्पादन में हुई वृद्धि

मीटिंग में बताया गया कि राज्य में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 3 लाख टन मछली उत्पादन का लक्ष्य था,जिसमें अब तक 2.57 लाख टन उत्पादन हो चुका है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह आंकड़ा 2.80 लाख टन था। इसके अलावा अमृत सरोवर मिशन के तहत प्रत्येक जिले में निर्मित और विकसित सरोवरों में मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के गठन के लिए सहकारिता एवं मत्स्य प्रभाग में समन्वय स्थापित कर अभियान चलाया जा रहा है। इस वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 50 प्राथमिक मत्स्य सहकारी समितियों के गठन का लक्ष्य है।

सहकारिता समितियां होगी ऑनलाइन

बैठक में यह भी बताया गया कि राज्य के चयनित 1500 लैम्पस-पैक्स में से 1270 समितियों का कंप्यूटरीकरण कर ऑनलाइन किया जा चुका है। शेष 230 समितियों को 31 मार्च 2025 तक कंप्यूटरीकृत कर ऑनलाइन करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके अलावा शेष 2949 लैम्पस-पैक्स के कंप्यूटरीकरण के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। जिन समितियों को ऑनलाइन किया गया है, उन्हें अब प्रज्ञा केंद्र के रूप में सेवा प्रदान करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए इन समितियों को झारसेवा लॉगिन आइडी देने का निर्णय लिया गया है।

दूध खरीद के लिए समितियों का निबंधन

यह भी जानकारी दी गई कि राज्य के 724 धान अधिप्राप्ति केंद्रों से 25 जनवरी 2025 तक कुल 13,06,356.33 क्विंटल धान की खरीद हो चुकी है। इस दौरान शेष 75 क्रय केंद्रों को कार्यशील बनाने और लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 100 प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियों के निबंधन का लक्ष्य रखा गया था, जिसमें अब तक 65 समितियों का निबंधन किया जा चुका है जबकि 37 समितियों के निबंधन प्रस्ताव प्रक्रियाधीन हैं।

अन्य सहकारी योजनाओं पर खास चर्चा : बैठक में अन्य सहकारी योजनाओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिनमें गोदाम निर्माण, लैम्पस-पैक्स को कमरे उपलब्ध कराना, रसोई गैस डिस्ट्रीब्यूटरशिप, रिटेल पेट्रोल-डीजल आउटलेट खोलने, जन औषधि केंद्र खोलने, उर्वरक लाइसेंस, लैम्पस-पैक्स को पीएम किसान समृद्धि केंद्र के रूप में विकसित करना और झारखंड में नवनिर्मित सहकारी प्रशिक्षण संस्थान को इंस्टीट्यूट ऑफ कोआपरेटिव मैनेजमेंट के रूप में विकसित करने के मुद्दे शामिल थे। **इनकी रही मौजूदगी :** मीटिंग में कृषि सचिव अबु बक्कर सिद्दीक, वित्त सचिव प्रशांत कुमार, राजस्व सचिव चंद्रशेखर, ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन और निबंधक सहकारी समितियां सूरज कुमार समेत अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

सिरमटोली सरना स्थल को बचाने के लिए उलगुलान करने का किया फैसला

RANCHI : सिरमटोली चौक स्थित केंद्रीय सरना स्थल पर सोमवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों और समाजिक नेताओं ने बैठक की। इसमें आदिवासी समुदाय ने सरना स्थल पर विकास के नाम पर हो रहे सरकारी अतिक्रमण पर विरोध जताया। संगठन के प्रतिनिधियों ने कहा कि पथ निर्माण विभाग द्वारा फ्लाइओवर निर्माण के बहाने धार्मिक स्थल की पवित्रता को नष्ट किया जा रहा है। वहीं अध्यक्षता कर रहे सोनू खलखो ने कहा कि आजाद भारत से आदिवासी समुदाय की जल, जंगल, जमीन और धार्मिक पहचान लगातार संकट में है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब फ्लाइओवर के निर्माण के लिए नक्शा तैयार किया गया था तो यह बताया गया था कि यह आदिवासियों का मुख्य सरना स्थल है। इसके बावजूद अधिकारियों ने आदिवासियों की भावनाओं की अनदेखी की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे का समाधान नहीं हुआ तो आदिवासी समुदाय भगवान बिरसा मुंडा के तर्ज पर उलगुलान के लिए तैयार है।

सांस्कृतिक और धार्मिक विभाजन को बढ़ावा दे रहे स्वास्थ्य मंत्री : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि इरफान अंसारी जैसे लोगों को रिम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान की जिम्मेदारी दी गई है। उनकी सांप्रदायिक विचारधारा और फैसले सांस्कृतिक और धार्मिक विभाजन को बढ़ावा दे रहे हैं। ताजा मामला सरस्वती पूजा को लेकर उठाए गए सवालों का है। पोस्ट में आगे लिखा है कि सरस्वती पूजा कोई साधारण धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, यह हमारी शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति की आत्मा है। यह वह परंपरा है जो पीढ़ियों से हमारे समाज को एक सूत्र में पिरोती आयी है। लेकिन आज इसे रोकने की

कोशिशें हो रही हैं। सवाल यह है कि अगर आज सरस्वती पूजा पर आपत्ति की जा रही है, तो क्या कल हमारी संस्कृति और देवी-देवताओं के अस्तित्व पर भी सवाल उठाए जाएंगे? मुख्यमंत्री से अनुरोध है कि वे इस बेहद संवेदनशील मामले का खुद से संज्ञान लें। हालांकि बाद में रिम्स प्रशासन द्वारा पूजा की परमिशन मिलने की जानकारी मिलने पर एक अन्य पोस्ट में लिखा, रिम्स प्रशासन ने रिम्स के डाक्टरों, छात्रों एवं वहां के जनभावना का सम्मान करते हुए सरस्वती पूजा का आयोजन नहीं करने देने का अपना आदेश अब वापस ले लिया है। अब वहां पहले से चली आ रही परम्परा का निर्वहन करते हुए विधिवत सरस्वती पूजा का आयोजन होगा। शासन का यह कदम स्वागत योग्य है। वहीं दूसरी ओर मरांडी ने सोशल मीडिया पर कहा है कि गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर, जब पूरा देश संविधान और लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर रहा था, तब पंजाब के अमृतसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की सबसे बड़ी मूर्ति तोड़े जाने की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस कायराना हरकत ने न केवल बाबा साहब के सम्मान को ठेस पहुंचाई, बल्कि भारतीय संविधान और दलित समाज का भी अपमान किया है।

महावीर नायक को पद्म अलंकरण पर प्रदेश भाजपा ने दी बधाई

RANCHI : प्रदेश भाजपा ने झारखंड की प्रतिभाओं को लगातार पद्म अलंकरण से सम्मानित किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है। तथा झारखंड के लोक गायक महावीर नायक को बधाई और शुभकामनाएं दी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, सांसद दीपक प्रकाश, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र राय ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। मरांडी ने सोमवार को कहा कि भिनसरिया राग के लिए विख्यात महावीर जी ने नागपुरी गीतों के माध्यम से झारखंड की कला और संस्कृति की समृद्धि एवं संरक्षण में अतुल्य योगदान दिया है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रविंद्र कुमार राय ने कहा कि मोदी सरकार लगातार झारखंड की प्रतिभाओं को पद्म अलंकरण से सम्मानित कर रही है। यह झारखंड की कला संस्कृति और साढ़े तीन करोड़ जनता का सम्मान है।

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराने वाले कराटे खिलाड़ी सम्मानित

प्रमाण पत्र के साथ खिलाड़ी व मौजूद अतिथि। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तत्वाधान में कराटे खिलाड़ियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन बहु बाजार स्थित बिशप स्कूल में किया गया। इसमें 2024 में उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित राष्ट्रीय ओपन कराटे प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले खिलाड़ी राकेश तिर्की, आदित्य राज, मिष्ठी कुमारी को सम्मानित किया गया। गणतंत्र दिवस पर कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन के ट्राइबल एंड माइनॉरिटी डेवलपमेंट कमीशन के चेयरमैन सह ईस्ट इंडिया कराटे एसोसिएशन के संयुक्त सचिव शिहान सुनील किस्पोट्टा ने सभी खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया। पिछले दिनों कराटे ग्रेडिंग में सफल रहे 80 कराटे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष सेंसई अनिल किस्पोट्टा ने बेल्ट और प्रमाण पत्र प्रदान किया। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि राज्य के कराटे खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत है उसे निखारने की। राज्य के कराटे खिलाड़ी अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी परचम लहरा रहे हैं। मौके पर उमाशंकर महतो, स्वस्तिका तरफदार, स्कूल के शिक्षक, खेल प्रेमी और अभिभावक मौजूद थे।

आईपीआरडी को प्रथम, मंईयां सम्मान योजना पर बनी झांकी को दूसरा स्थान

PHOTON NEWS RANCHI : गणतंत्र दिवस 2025 के राज्य स्तरीय समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार द्वारा ध्वजारोहण के बाद अलग-अलग विभागों की कुल 11 झांकियां प्रदर्शित की गईं। अलग-अलग विभागों की ओर से एक से बढ़कर एक झांकी निकाली गयी। इन सभी झांकियों में से एक झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। इनमें 11 आकर्षक और अलग-अलग थीम पर बनी झांकियों में से सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि द्वितीय स्थान महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग और तीसरा स्थान स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की झांकी को मिला है सूचना एवं जनसंपर्क

विभाग की झांकी द्वारा स्वर्णिम झारखंड की विरासत और विकास को प्रदर्शित किया गया। इस झांकी का प्रारूप बिल्कुल उसी तरह का था जैसा आज दिल्ली में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान कर्तव्य पथ पर झारखंड की झांकी थी। इस झांकी का उद्देश्य झारखंड की अपनी संस्कृति और विरासत के विकास और विविध क्षेत्रों में सरकारी प्रयासों को प्रदर्शित करने पर था। झांकी के माध्यम से राज्य के औद्योगिक विकास में रतन टाटा के योगदान को भी नमन किया गया था। झारखंड की महिला-बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की ओर से आज गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान प्रदर्शित की गई। इस झांकी में महिलाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार, महिला सशक्तिकरण, उन्हें आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने को प्रदर्शित किया गया।

कुख्यात अपराधी सुरेंद्र बंगाली के प्रीमेच्योर रिलीज मामले में हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : कुख्यात अपराधी सुरेंद्र सिंह रौतेला उर्फ सुरेंद्र सिंह बंगाली द्वारा राज्य सजा पुनरीक्षण बोर्ड से वर्ष 2023 में उनके प्रीमेच्योर रिलीज के आग्रह को राज्य सरकार द्वारा खारिज किए जाने को चुनौती देने वाली क्रिमिनल रिट की सुनवाई झारखंड हाई कोर्ट में हुई। मामले में प्रार्थी सुरेंद्र बंगाली की ओर से दो सप्ताह का समय मांगा गया। कहा गया कि राज्य सजा पुनरीक्षण बोर्ड से वर्ष 2024 में भी सुरेंद्र बंगाली के प्रीमेच्योर रिलीज के मामले को खारिज कर दिया गया है। इसे लेकर वह संशोधन पिटीशन दाखिल करेंगे। इसलिए समय दिया जाए। दरअसल, प्रार्थी सुरेंद्र बंगाली की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वर्ष

2024 के जोसेफ बनाम स्टेट ऑफ केरला एवं अन्य का हवाला देते हुए सुरेंद्र बंगाली के प्रीमेच्योर रिलीज का आग्रह किया है। कहा गया है कि सजा सुनाए जाने के बाद वह 25 साल 4 माह का समय जेल में बिता चुके हैं। वही रिमिशन के साथ वे 31 साल जेल में सजा भुगत चुके हैं। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत उन्हें जेल से रिहा किया जाए। दरअसल, सुरेंद्र बंगाली ने लालपुर थाना से जुड़े मामले में मिली आजीवन कारावास की सजा में 25 साल 4 माह से अधिक समय जेल में रहने को ध्यान में रखते हुए प्रीमेच्योर रिलीज के तहत रिहा करने का आग्रह किया है।

खान विभाग के सचिव हाईकोर्ट में हुए हाजिर

RANCHI : पैनम कोल माइंस के अवैध खनन की सीबीआई जांच कराने को लेकर दाखिल जनहित याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान कोर्ट के आदेश के आलोक में खनन विभाग के सचिव सशरीर हाजिर हुए। मामले में राज्य सरकार की ओर से जवाब दाखिल किया गया जिस पर कोर्ट ने प्रार्थी को इसपर प्रतिउत्तर देने का निर्देश दिया। कोर्ट ने अगली सुनवाई में खान विभाग के सचिव के सशरीर उपस्थित पर छूट प्रदान की। पिछले सुनवाई में कोर्ट ने राज्य सरकार के जवाब पर असंतोष जताया था। बता दें कि पैनम माइंस पर लीज से ज्यादा खनन का आरोप है।

बच्चों का भविष्य : मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में नामांकन के लिए आवेदन शुरू

क्वालिटी एजुकेशन की ओर झारखंड ने बढ़ाया कदम

10 फरवरी तक एडमिशन के लिए कर सकते हैं आवेदन

80 विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न पर किया जा रहा संचालित

आने वाले वर्षों में इनकी संख्या 4496 तक बढ़ाने की है योजना

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों की स्थापना की है। क्वालिटी एजुकेशन के लिए यह एक कारगर कदम साबित हो रहा है। इस महत्वपूर्ण कदम से राज्य के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल होगा। पहले चरण में 80 मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों को सीबीएसई पैटर्न पर संचालित किया जा रहा है और आने वाले वर्षों में इनकी संख्या 4,496 तक बढ़ाने की योजना है। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में

नामांकन की प्रक्रिया इस वर्ष भी जारी है। अभिभावकों के लिए आवेदन करने की दोनों व्यवस्था ऑनलाइन और ऑफलाइन प्रदान की गई है। ऑनलाइन आवेदन के लिए एक लिंक प्रदान किया गया है, जहां अभिभावक आसानी से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं।

20 जनवरी से शुरू है नामांकन प्रक्रिया

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में शैक्षिक सत्र 2025-26 के लिए नामांकन की प्रक्रिया 20 जनवरी से शुरू हो चुकी है और यह 10 फरवरी 2025 तक जारी रहेगी। इस सूचना के बाद अभिभावकों में उत्साह है। झारखंड सरकार का यह प्रयास गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इतना ही नहीं इससे राज्य में शिक्षा के स्तर में सुधार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

उच्चतम मानक का रखा गया ख्याल

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों को पूरी तरह से सीबीएसई पैटर्न पर संचालित किया जाता है। इन स्कूलों में शिक्षा विभाग द्वारा विशेष ध्यान दिया गया है ताकि छात्रों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा मिल सके। इन विद्यालयों में शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। प्रत्येक स्कूल में लैंग्वेज लैब, कंप्यूटर लैब, साइंस लैब, मैथ्स लैब, पुस्तकालय और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

सचिवालय घेराव केस : सांसद निशिकांत दुबे समेत अन्य को सुप्रीम कोर्ट से राहत बरकरार

RANCHI : भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास और संजय सेठ समेत अन्य नेताओं के खिलाफ वर्ष 2023 में सचिवालय घेराव के दौरान धुर्वा थाना में दर्ज प्राथमिकी को निरस्त करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सोमवार की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट के आदेश को बरकरार रखते हुए राज्य सरकार की याचिका खारिज कर दी है।सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस अभय ओका और जस्टिस भुइयां की बेंच ने इस मामले में सुनवाई की। दरअसल वर्ष 2023 में भाजपा के सचिवालय घेराव कार्यक्रम में हुए उपद्रव के बाद तीन पूर्व सीएम, 5 सांसद समेत 41 लोगों पर धुर्वा थाना में केस दर्ज किया गया था।

फैशन पॉइंट का विवाह स्पेशल ट्रंक शो 29 और 30 जनवरी को

PHOTON NEWS RANCHI : फैशन पॉइंट द्वारा 29 और 30 जनवरी को होटल कैपिटल हिल में दो दिवसीय विवाह स्पेशल ट्रंक शो आयोजित किया जा रहा है। इस शो का उद्घाटन राज्यसभा सांसद डॉ. महुआ माजी करेंगी। डायरेक्टर रीना अग्रवाल ने बताया कि इस एग्जीबिशन में परंपरा और लग्जरी का बेहतरीन संगम देखने को मिलेगा। जिसमें मशहूर फिल्म डायरेक्टर करण जौहर के कलेक्शन, हल्की ग्लैमरस ज्वेलरी, बनारसी साड़ियां, एथनिक और इंडो-वेस्टर्न फेस्टिव कलेक्शन शामिल होंगे। प्रसिद्ध डिजाइनर अभिषेक रे की हैंड क्राफ्टेड साड़ियां और डॉली जैन के डिजाइनर ड्रेपिंग कलेक्शन सेलेब्रिटी लुक देंगे। इस आयोजन में स्टाइलिंग एक्सपर्ट्स से व्यक्तिगत सलाह भी ली जा सकती है। रीना अग्रवाल ने इसे कला, परंपरा और आधुनिकता का उत्सव बताया। वहीं लोगों से विशेष छूट का लाभ उठाने की अपील की।

समाचार सार

आईटी के दो बैडमिंटन खिलाड़ी सम्मानित

JAMSHEDPUR : 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयकर विभाग के दो बैडमिंटन खिलाड़ी सम्मानित किए गए। एसबी शर्मा (उप आयकर आयुक्त) और राजेश चौधरी (आयकर अधिकारी) को पटना में प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड) ने बैडमिंटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों और शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

सरस्वती पूजा के लिए एबीवीपी ने सौंपा ज्ञापन

GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में सरस्वती पूजा के आयोजन को लेकर सोमवार को एबीवीपी ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। कॉलेज में कई वर्ष बाद 2024 में सरस्वती पूजा शुरू हुई थी। पिछले वर्ष, जिला पार्षद कर्ण सिंह, पूर्व छात्र नेता विवेक महापात्र, अमित हाजरा व दिनेश बाल्मीकि ने कॉलेज प्रशासन से पूजा करने की अनुमति प्राप्त की थी। इस अवसर पर एबीवीपी के नगर मंत्री हर्ष राय, रोहित शर्मा, अजय सिंह, प्रिंस कुमार, सुमन दास, अमन दास, प्रीति कुमारी, मोमिना कुमार, स्नेहा सिंह, प्रियंका कुमारी, नेहा कुमारी, कविता कुमारी, अजय शाह, फैसल सिद्दीकी, प्रियांशु चौधरी, राहुल दास, राकेश कुमार, रोहित शर्मा, निहाल सिंह आदि भी मौजूद थे। सभी छात्रों और शिक्षकों को 3 फरवरी को कॉलेज में आयोजित पूजा में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया है।

मंत्री को संविदा शिक्षकों ने सौंपा मांगपत्र

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य विश्वविद्यालय संविदा शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल सोमवार को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार से मिला, जिसमें उन्हें मांगपत्र सौंपा गया। प्रदेश अध्यक्ष राकेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी के साथ मुलाकात के दौरान मंत्री को समस्या से अवगत कराया गया। मांग पत्र में कहा गया है कि झारखंड में कार्यरत लगभग 600 आवश्यकता आधारित शिक्षकों की सेवा को उनके पिछले 7 वर्षों के कार्यानुभव को देखते उन्हें नियमित करने, जब-तक सेवा नियमित नहीं होती तब तक यूजीसी के अनुसार ग्रॉस सैलरी के साथ 65 वर्ष तक सेवा सुनिश्चित करने तथा झारखंड के विभिन्न विश्वविद्यालयों में लगभग 2808 स्वीकृत पद को संविदा शिक्षकों से समायोजित किया जाए। राकेश पांडेय ने बताया कि मंत्री ने आश्वस्त किया कि हम आपकी बातों पर सहानुभूति विचार करेंगे तथा बेहतर रास्ता निकालने का प्रयास करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. कमलेश कुमार कमलेंदू व प्रो. प्रेमा नूतन गाड़ी भी शामिल थीं।

बंदगांव में अफीम की फसल को ट्रैक्टर से रौंदा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव में सोमवार को पुलिस ने करीब 8.5 एकड़ में लगी अफीम की फसल को ट्रैक्टर चलाकर रौंद दिया। अफीम की खेती के खिलाफ बंदगांव थाना क्षेत्र के ग्राम लुंबई पश्चिम टोला में अभियान चलाया गया, जिसमें करीब 3.5 एकड़ तथा टेबो थाना अंतर्गत ग्राम सारूबेड़ा में करीब 5 एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया गया।

झारखंड के पहले रिट्रीट सेंटर का हुआ उद्घाटन

JAMSHEDPUR : प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से मेरीन ड्राइव में नए भवन यूनिवर्सल पीस पैलेस-ए रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन हुआ, जो झारखंड का पहला रिट्रीट सेंटर है। 25 से 27 जनवरी तक चले तीन दिवसीय कार्यक्रम में सोमवार शाम को अलौकिक समर्पण समारोह एक्सएलआरआई के टाटा ऑडिटोरियम में हुआ। इसमें मुंबई के गायक हरीश मोयल ने संगीत संध्या प्रस्तुत किया। दुल्हन की तरह सजी बहनें आकर्षक लग रही थीं। इस दौरान शीलू दीदी (सीनियर राजयोग टीचर, माउंट आबू) ने अपने आशीर्वचन दिए।

सरयू ने नगर निगम से मांगा सफाई का ब्योरा

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने मानगो नगर निगम के उप नगर आयुक्त से निगम क्षेत्र में कार्यरत सफाईकर्मियों और सफाई ठेकेदारों के नाम सहित पूर्ण ब्योरा मांगा है। उन्हें यह बताने को कहा है कि सफाई कार्य में लगे कर्मियों के पीएफ और ईएसआई कटौती एवं परिपूर्ति की क्या स्थिति है। उन्होंने उप नगर आयुक्त से जानना चाहा कि नगर निगम ने विभिन्न क्षेत्रों में नालों और नालियों की सफाई के लिए, सड़कों पर झाड़ू लगाने और सड़कों से कचरा उठाने के लिए कितने ठेकेदार बहाल किए हैं। इन ठेकेदारों को कितने मजदूर सफाई कार्य के लिए आवंटित किए गए हैं।

मर गए पशुधन योजना में बांटे गए बकरे, सप्लायर पर होगी कार्रवाई

सांसद की अध्यक्षता में हुई 'दिशा' की मीटिंग, विकास कार्यों का खींचा गया खाका

PHOTON NEWS JSR : सांसद बिद्युत बरण महतो की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत बांटे गए बकरों की मौत का मामला छाया रहा। मीटिंग में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि इस योजना में ग्रामीणों को बांटे गए बकरे मर गए हैं। कई बकरों की मौत से लाभुकों को काफी नुकसान हुआ है। इस पर बकरों के सप्लायर पर कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही लाभुकों को इस मामले में इंश्योरेंस क्लेम दिलाया जाएगा। यह क्लेम जिला प्रशासन दिलाएगा, ताकि लाभुकों के नुकसान की भरपाई हो सके। सप्लायर से जवाब भी तलब किया गया है कि किन हालात में बकरों की मौत हुई है। इस मामले की जांच के आदेश भी दिए गए हैं। इस बैठक में जमशेदपुर और आसपास के क्षेत्रों की विभिन्न विकास योजनाओं और जनहित की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक में विधायकगण, जिला प्रशासन और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में प्रमुख रूप से पेयजलापूर्ति, विद्युत, शिक्षक प्रतिनियुक्ति, विद्यालयों में बीपीएल छात्रों का नामांकन, बाउंड्रीवॉल निर्माण, सड़क-नाली निर्माण और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। सांसद ने इस अवसर पर सभी विभागीय अधिकारियों से जनहित की योजनाओं को शीघ्र और गुणवत्तापूर्वक पूरा करने की अपील की।

समाहरणालय सभागार में उपस्थित (दाएं से) विधायक सरयू राय, सांसद बिद्युत बरण महतो, डीसी अनन्य मित्तल व अन्य

स्कूलों में शिक्षकों की कमी से पढ़ाई प्रभावित

शिक्षक प्रतिनियुक्ति के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों ने बताया कि कई ग्रामीण विद्यालयों में छात्र-शिक्षक अनुपात असंतुलित है, जिससे बच्चों को शिक्षा में परेशानी हो रही है। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने आश्वासन दिया कि जल्द ही रेशनलाइजेशन की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी और जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहां पदस्थापन किया जाएगा। आयुष्मान योजना के तहत इलाज न मिलने की शिकायतों पर सिविल सर्जन ने बताया कि राज्य स्तर पर बकाया भुगतान के लिए पत्राचार किया गया है और पात्र मरीजों का इलाज जारी रखा जा रहा है। इसके अलावा, चिकित्सकों की कमी को लेकर भी विज्ञापन जारी कर अस्थाई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मीटर रीडिंग लेने नहीं पहुंच रहे बिजली कर्मी

बैठक में पेयजलापूर्ति की योजनाओं पर गहरी चर्चा हुई। सांसद महतो ने निर्देशित किया कि पाइपलाइन जलापूर्ति, सोलर जलमीनार और चापाकल जैसे जलसंसाधन की योजनाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए एक व्यापक सर्वेक्षण किया जाए, ताकि इन योजनाओं का लाभ सभी लोगों तक निर्बाध रूप से पहुंचे। जलापूर्ति में किसी भी प्रकार की रुकावट को तत्काल दूर करने का निर्देश भी दिया गया। विद्युत समस्याओं पर भी चर्चा की गई, जहां जनप्रतिनिधियों ने अनियमित मीटर रीडिंग और जर्जर पोल के मुद्दे उठाए। कार्यपालक अभियंता ने बताया कि इन समस्याओं का समाधान किया जा रहा है। जिन उपभोक्ताओं को तकनीकी कारणों से बिल नहीं मिल पा रहा था, उन्हें जल्द ही बिल उपलब्ध कराए जाएंगे। मीटिंग में सांसद ने कहा कि बिजली विभाग के कर्मचारी घरों में मीटर रीडिंग लेने समय पर नहीं पहुंच पा रहे हैं। मीटर रीडिंग अनियमित तौर से हो रही है। इससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। शिकायत आ रही है कि मीटर रीडिंग लेने जाने वाले कर्मचारी लोगों से झगड़ा भी कर रहे हैं। यह मुद्दा सांसद ने दिशा की मीटिंग में उठाया और बिजली विभाग के अधिकारियों से हालात सुधारने को कहा है।

सीओ ने कहा-डाकबंगला में लगाएं दुकान, वरना होगी कड़ी कार्रवाई

PHOTON NEWS GHATSILA : अनुमंडल प्रशासन की ओर से घाटशिला मुख्य शहर को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर सख्त हो गया है। प्रशासन द्वारा सड़क किनारे फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले दुकानदारों को 25 जनवरी तक का अल्टीमेटम दिया गया था। इस बीच कुछ दुकानदारों ने फुटपाथ पर से दुकान हटा लिया था, तो कुछ ने नहीं हटाया। कुछ दुकानदारों ने सोमवार को पुनः मुख्य सड़क के किनारे दुकान लगा दिया था। इसकी जानकारी मिलने पर सीओ निशात अंबर दल-बल के साथ पहुंचीं। उन्होंने दुकानदारों से कहा कि प्रशासन किसी भी हाल में फुटपाथ पर अब दुकान नहीं लगाने देगा। गोपालपुर फाटक से राम मंदिर तक जो भी सड़क किनारे दुकान लगाते हैं, चाहे वह सब्जी की हो या किसी अन्य खानपान की, सभी के लिए डाक बंगला मैदान अलॉट किया गया है। वहीं जाकर दुकान लगाएं। आज उन्हें चेतावनी देने आए हैं। अगली बार दुकान लगाते पकड़े गए तो उन पर सीधी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि दुकानदार अपनी दुकान लगाकर समान बेचते हैं और ग्राहक अपने वाहन सड़क पर ही लगा देते हैं। इससे हमेशा सड़क जाम की स्थिति बन जाती है, इसलिए सभी लोग जाकर डाकबंगला में दुकान लगाएं।

दुकानदारों को चेतावनी देतीं सीओ निशात अंबर ● फोटोन न्यूज

टाटा लीज नवीकरण कमेटी में विस्थापितों ने मांगी भागीदारी

JAMSHEDPUR : झारखंड मूलवासी अधिकार मंच ने सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा, जिसमें उनसे टाटा लीज नवीकरण के लिए गठित कमेटी में विस्थापितों को भागीदार बनाने की मांग रखी। मंच के मुख्य संयोजक हरमोहन महतो ने कहा कि प्लीज नवीकरण कमेटी को पहले भंग किया जाए। इसके बाद उसमें विस्थापितों का भी जोड़ा जाए, ताकि कंपनी, एयरपोर्ट और डिमना डैम से विस्थापित भी अपनी मांग सरकार व कंपनी के समक्ष इस दौरान प्रहलाद गोप, उत्तम प्रधान, नरसिंह गौड़, सुनील हेंब्रम, हिमांशु सिंह आदि भी उपस्थित थे।

मानगो से किशोरी लापता, पुलिस बोली- कुंभ नहा रही आपकी बेटी

JAMSHEDPUR : मानगो के अपना बसेरा सोसाइटी से शनिवार की रात करीब 2 बजे 13 वर्षीय किशोरी अचानक लापता हो गई। घटना के बाद परिजनों ने उलीडीह थाना में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने 12 घंटे बाद कहा कि यह मामला उलीडीह नहीं, मानगो थाना क्षेत्र का है। परिजनों ने इसके बाद मानगो थाना में शिकायत दी, जहां पुलिस ने उन्हें बताया कि थानेदार शाम 7 बजे आएंगे और फिर मामले की जांच शुरू करेंगे। शाम 7 बजे जब परिजन थाना गए, तो पुलिस ने बताया कि लड़की का लोकेशन घाटशिला में है। हालांकि, काफी खोजबीन करने के बाद भी लड़की का कोई पता नहीं चला। अगले दिन जब लड़की के पिता मानगो थाना गए, तो थाना में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि उनकी बेटी कुंभ नहा रही है। यह सुनकर परिजन खुद को ठगा हुआ महसूस करने लगे और पुलिस के बर्ताव से निराश हो गए। बता दें कि शनिवार की रात को जब बच्ची की बड़ी बहन सो रही थी, तो उसने देखा कि छोटी बहन का दरवाजा बाहर से बंद था। उसने यह सोचकर अपने पिता नीरज पाठक को फोन किया कि शायद उसकी छोटी बहन दरवाजा बंद करके पिताजी के साथ सोने चली गई होगी। लेकिन जब नीरज पाठक ने अपनी बेटी को ढूंढा, तो वह घर में नहीं मिली।

पत्रकारों को जानकारी देते माता-पिता

गोविंदपुर की दयाल सिटी में चार फ्लैटों में लाखों की चोरी

घर में बिखरे सामान ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र की दयाल सिटी कॉलोनी में रविवार की रात चोरों ने चार फ्लैटों को निशाना बनाया। चोरों ने इन फ्लैट्स से लाखों रुपये के जेवरात और नकदी चुराई। स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस की लापरवाही से अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद घटनास्थल का जायजा लिया और चोरों की तलाश में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज से पता चला कि चोर बाउंड्री फांद कर कॉलोनी में घुसे थे। दयाल सिटी के हरिकिशन ब्लॉक के डी-1 फ्लैट के मालिक जीतन कुमार सिंह ने बताया कि वह अपने फ्लैट का ताला बंद कर टेल्को गए थे। सुबह उनके पड़ोसियों ने फोन कर चोरी की सूचना दी। पंकज कुमार तिवारी और विमल कुमार के फ्लैट्स को भी चोरों ने निशाना बनाया। पंकज कुमार तिवारी अपने रिश्तेदार की शादी में बाहर गए हैं। विमल कुमार भी मुंबई गए हैं। दोनों को फोन से घटना की सूचना दे दी गई है।

आवासीय विद्यालय से कक्षा तीन का छात्र 7 दिन से लापता

GHATSILA : राजकीय अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय ऊपरपावड़ा, घाटशिला, पूर्वी सिंहभूम से 20 जनवरी को कक्षा तीन का छात्र सुशील मुर्मू (10 वर्ष) दाहीगोड़ा गांव निवासी लापता है। इस संबंध में 25 जनवरी को छात्र की मां रायमनी मुर्मू को बेटे के लापता होने की जानकारी मिलने पर विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत को बताया। विधायक प्रतिनिधि व झामुमो नेता रविवार को दोपहर साढ़े 12 बजे स्कूल पहुंचे और घटना की जानकारी लेते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य काली चरण स्वांसी व वार्डन एस सरवन कुमार से पूछताछ की। उन्होंने वार्डन को फटकार लगाते हुए घटना की जानकारी घाटशिला थाना को दी। सूचना पर पहुंचे थाना प्रभारी मधुसूदन दे ने जांच-पड़ताल करने की बात कही। छात्रावास में रहने वाले बच्चों से भी अलग-अलग पूछताछ की गई। विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि यह स्कूल प्रबंधन की पूरी तरह लापरवाही को दर्शाता है।

मानगो शहरी जलापूर्ति योजना के लिए जलमीनार का उद्घाटन

सतनाला से लाइए मानगो तक पानी, सौ साल तक नहीं होगी कमी : सरयू

PHOTON NEWS JSR : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने सोमवार को मानगो शहरी जलापूर्ति योजना पुनर्गठन कार्य फेज-2 के तहत जलमीनार का उद्घाटन किया। इस दौरान सरयू राय ने कहा कि वह पहले भी कहते रहे हैं कि सतनाला डैम से पानी लाकर मानगो में जलापूर्ति करने में बहुत ज्यादा खर्च नहीं है। यह खर्च न के बराबर ही होगा। सिर्फ एक टंकी बनानी होगी। सरकार अगर प्रस्ताव को हरी झंडी दे दे, तो दो माह में ही पाइपलाइन बिछाने का कार्य हो जाएगा और पेयजलापूर्ति छह माह के भीतर ही शुरू हो जाएगी। विधायक ने कहा कि अगर सतनाला डैम से मानगो के लिए पानी की व्यवस्था कर दी जाए, तो मानगो से लेकर घाटशिला तक अगले सौ साल तक के लिए पेयजल की समस्या खत्म हो जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सतनाला से जो पानी मानगो में आएगा, वह पर्याप्त मात्रा में आएगा और उसकी शुद्धता भी ज्यादा होगी। श्री राय ने घोषणा की कि अगर सरकार उनके इस प्रस्ताव को नहीं मानती है तो वह मानगो की जनता को साथ में लेकर सरकार पर दबाव बनाएंगे। सरयू राय ने कहा कि आज जिस पानी टंकी का उद्घाटन हुआ है, वह दरअसल एक महत्वाकांक्षी योजना का छोटा हिस्सा था। हम लोगों ने 2018 में इसका शिलान्यास किया था और उम्मीद की थी कि वन विभाग से एनओसी लेने के बाद निर्माण कार्य दो साल के भीतर पूर्ण हो जाएगा।

जलमीनार के पास उपस्थित विधायक सरयू राय व अन्य ● फोटोन न्यूज

सभी सरकारी विभागों-कंपनियों व संस्थानों में भी दी गई राष्ट्रीय ध्वज को सलामी

गोपाल मैदान में मंत्री रामदास सोरेन ने किया झंडोत्तोलन

PHOTON NEWS JSR : 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में हुआ। समारोह में स्कूली शिक्षा, साक्षरता विभाग तथा निबंधन विभाग के मंत्री रामदास सोरेन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया एवं परेड की सलामी ली।

समारोह में उपायुक्त अनन्य मित्तल, वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, परियोजना निदेशक-आईटीडीए दीपांकर चौधरी, एडीएम अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, पुलिस अधीक्षक-ग्रामीण ऋषभ गर्ग, पुलिस अधीक्षक नगर कुमार शिवाशीष, प्रोबेशनर आईपीएस ऋषभ त्रिवेदी समेत जिलास्तरीय पदाधिकारी शामिल हुए।

जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय को सम्मानित करते मंत्री रामदास सोरेन

मंत्री ने राष्ट्र की सेवा में वीरता पुरस्कार प्राप्त छह सैनिकों एवं उनके परिजनों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इनमें एयर कमोडोर बीएस मारवा, वायु पदक (वीरता), कर्नल अरूप रतन बसु, युद्ध सेवा पदक (वीरता), कर्नल राजेश सिंह, शौर्य चक्र, सेना पदक (वीरता), जूनियर वारंट ऑफिसर मोहम्मद जावेद, शौर्य चक्र तथा सिपाही गणेश हांसदा, सेना पदक (मरणोपरांत), सिपाही दिलीप बेसरा, सेना पदक (मरणोपरांत) के परिजन शामिल थे। झारखंड आंदोलनकारियों व उनके परिजनों को भी मंत्री ने सम्मानित किया।

परेड में एनसीसी (बालिका) व झांकी में परिवहन विभाग प्रथम

परेड का प्रदर्शन एवं झांकी मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। परेड में 8 टुकड़ियां शामिल हुईं, जिसमें एनसीसी बालिका को प्रथम, जिला सशस्त्र पुलिस (पुरुष) को द्वितीय तथा जिला सशस्त्र पुलिस (महिला) को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। वहीं झांकी में प्रथम स्थान परिवहन विभाग, द्वितीय स्थान सिविल डिफेंस तथा तृतीय स्थान कल्याण विभाग की झांकी को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर विजेताओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

घाटशिला में दी गई राष्ट्रीय ध्वज को सलामी

GHATSILA : प्रखंड क्षेत्र के शहरी तथा ग्रामीण इलाके में रविवार को धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया। घाटशिला प्रखंड का मुख्य समारोह राज इस्टेट मैदान में हुआ, जहां अनुमंडल पदाधिकारी सुनील चंद्र ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मऊभंडार ताम्र प्रतिभा मंच मैदान में आईसीसी कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्याम सुंदर सेठी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस मौके पर विभिन्न स्कूलों के बच्चों तथा पुलिस जवानों ने परेड के साथ राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। स्कूली बच्चों ने मनमोहक झांकी प्रस्तुत की। लोगों को संबोधित करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी ने अनुमंडल में चल रही सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वहीं आईसीसी के ईडी ने एचसीएल-ईसीसी कंपनी की उपलब्धि पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सांसद व मंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इनके प्रयास से बंद पड़ी सुरदा माइंस खोली गई तथा अन्य बंद माइंस को खोलने की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके अलावा सोना देवी विश्वविद्यालय में कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, एसडीपीओ कार्यालय में एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर ने ध्वज फहराया। सभी सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों में गणतंत्र दिवस धूमधाम से मनाया गया।

गम्हरिया में वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, मौत

JAMSHEDPUR : सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना क्षेत्र के उदयपुर गांव के पास सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है। व्यक्ति परमानंद टुडू गम्हरिया के मातकमडीह का रहने वाला था। उसकी उम्र 45 साल के आसपास बताई जा रही है। परमानंद टुडू कपड़ा सिलाई करता था। वह घर से मेला जाने के लिए निकला था। रास्ते में उसे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस सड़क हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। काफी देर बाद राहगीरों ने उसे अस्पताल भेजा। यहां उसे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। घटनास्थल से मृतक की क्षतिग्रस्त बाइक भी बरामद हो गई है। मृतक के दो बच्चे हैं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

टोल ब्रिज के पास मिला युवक का शव

JAMSHEDPUR : कदमा थाना क्षेत्र में टोल ब्रिज के पास खरकई नदी से रविवार की रात मनोज पात्रो नामक युवक का शव मिला था। सोमवार को पुलिस ने शीत गृह से शव निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कदमा पुलिस ने सोमवार को बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद पता चलेगा कि व्यक्ति की हत्या की गई है या फिर कोई अन्य मामला है। मनोज पात्रो सोनारी के खूंटाडीह का रहने वाला था। पुलिस ने शव को एमजीएम अस्पताल के शीत गृह में रखवा दिया था।

BRIEF NEWS

स्कूल में जलेबी नहीं बंटने पर नाराज अभिभावकों ने एचएम का किया घेराव

BANKA : बिहार के बांका में जलेबी को लेकर बवाल देखने को मिला। जिले के अमरपुर प्रखंड क्षेत्र के सलेमपुर गांव स्थित सरकारी विद्यालय में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर जलेबी नहीं बांटी गई। जिससे नाराज ग्रामीणों ने आज यानी 27 जनवरी को स्कूल पहुंचकर हेड मास्टर का घेराव किया। लोगों का आरोप है कि हेडमास्टर ने सरकार की ओर से आवंटित पैसे से जलेबी नहीं खरीदकर अपने पॉकेट में पैसे रख लिए। विरोध कर रहे ग्रामीणों ने हेडमास्टर से तल्ख लहजे में पूछा कि जब 26 जनवरी को सरकार की ओर से बच्चों को जलेबी बांटने के लिए राशि का आवंटन होता है तो फिर जलेबी क्यों नहीं बांटी गई? नाराज लोगों ने हेडमास्टर और अन्य शिक्षकों पर बच्चों के साथ सही बर्ताव नहीं करने का भी आरोप लगाया है।

यूनिवर्सिटी में सरस्वती पूजा के चंदे पर बवाल

MUZAFFARPUR : मुजफ्फरपुर के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विवि (बिहार यूनिवर्सिटी) में सोमवार को सरस्वती पूजा के चंदे को लेकर जमकर बवाल हो गया। असामाजिक तत्वों ने सोशल साइंस विभाग परिसर में जमकर तोड़फोड़ की गई। इससे ब्लॉक के शीशे टूट गए। छात्रों ने कई गाड़ियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। छात्रों के बीच जमकर मारपीट और पत्थरबाजी हुई। इस दौरान एक छात्र घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद हंगामा कर रहे छात्र वहां से भाग गए। घायल छात्र राजू को अस्पताल में ले जाकर उपचार कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बाहरी छात्रों ने विश्वविद्यालय परिसर में पत्थरबाजी की। कुछ देर के लिए विश्वविद्यालय परिसर रणक्षेत्र बन गया। सोशल साइंस विभाग में भगदड़ सा माहौल बन गया। इस मामले पर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

महाकुंभ से लौट रहा था मोतिहारी का एक परिवार

आगरा में भीषण सड़क हादसा, दो बच्चों सहित चार लोगों की गई जान

तेज धमाके के साथ कार के उड़ गए परखच्चे, घटना से गांव में मातम, परिजनों में मचा कोहराम

AGENCY MOTIHARI : महाकुंभ से लौट रहे लोगों के साथ आगरा में भीषण हादसा हुआ है। तेज रफ्तार कार डिवाइडर को पार करते हुए दूसरी लेन से आ रही मिनी ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार मिनी ट्रक के अंदर घुस गई। इससे कार सवार एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गयी। इनमें दो बच्चे शामिल हैं। हादसा फतेहाबाद क्षेत्र में सोमवार भोर में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दिल्ली निवासी परिवार के साथ हुआ। हादसे का शिकार परिवार मूल रूप से बिहार के मोतिहारी का निवासी था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि यह परिवार प्रयागराज से कुंभ स्नान के बाद कार से वापस लौट रहा था।

सड़क हादसे में मृत परिवार के सदस्यों की फाइल फोटो।

एक्सप्रेस वे पर उनकी कार मिनी ट्रक (डीसीएम) से टकरा गई। हादसे में दिल्ली के उत्तमनगर निवासी ओमप्रकाश आर्या (41), उनकी पत्नी पूर्णिमा सिंह (34), पुत्री अहाना (12) और पुत्र विनायक (4) की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार ट्रक के अंदर पूरी तरह घुस चुकी थी। कार में दंपत्ति और उनके बच्चों के फंसे शवों को निकालने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। ओमप्रकाश आर्या मूल रूप से बिहार के मोतिहारी जिले के निवासी थे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के 31 किमी माइल स्टोन के पास हुआ। बताया गया है कि कार पहले डिवाइडर से टकराई। इसके बाद कार उछलकर एक्सप्रेस-वे की दूसरी लाइन में पहुंच गई। इस दौरान सामने से आ रहे ट्रक में ये कार तेजी से जा घुसी। टक्कर इतनी भीषण थी कि तेज धमाके के साथ कार के परखचे उड़ गए। इधर, घटना की जानकारी मोतिहारी में मिलते ही उनके परिजनों में कोहराम मच गया। उनके पिता वीर श्मसेर सिंह सेवानिवृत शिक्षक हैं। वे सेवानिवृत होने के बाद घोड़ासहन में रहते हैं। जबकि बड़ा पुत्र अरविंद सिंह आदापुर में रहते हैं। जबकि मंझला भाई आनंद कुमार मोतिहारी शहर के मठिया में रहते हैं। तीन भाई में ओम प्रकाश आर्य सबसे छोटे थे। मां का देहांत हो चुका है। वहीं, चिरैया स्थित गांव पिरारी में परिवार का कोई सदस्य नहीं रहता है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पिता अपने मंझले पुत्र के घर पर मोतिहारी पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि पुत्र से रात 12 बजे तक बात हुई। रात ढाई बजे पुलिस का घटना को लेकर फोन आया था। पूरा परिवार शोकाकुल है। शव पोस्टमार्टम के बाद मोतिहारी लाया जाएगा।

व्यापारी से 19 लाख की लूट कार चालक को मारी गोली

घटनास्थल पर जांच करती पुलिस।

AGENCY NAWADA : बिहार के नवादा लूट की घटना सामने आयी है। बेखौफ अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करते हुए 19 लाख रुपये लूट लिए। इस घटना में एक पशु व्यवसायी गंभीर रूप से जख्मी हो गया है। जिसे इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल अस्पताल भेजा गया है। यह घटना नवादा जिले के शाहपुर ग्राम के पास घटी है। गोलीबारी में जख्मी युवक की पहचान खगड़िया जिला के मानसी निवासी पशु व्यवसायी सरवर मास्टर के रूप में की गई है। घटना के बारे में पशु व्यवसायी ने बताया कि शाहपुर ग्राम के पास अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर पहले दहशत फैलाया फिर बोलेरो में से 19 लाख रुपये लूट ली। व्यवसायी के मुताबिक सभी लोगों के पैसे एक बैग में ही थे। बताया कि वे लोग हटिया आए थे और चाय पीने के बाद खरीद बिक्री कर रहे थे। इसी दौरान अपराधी फायरिंग करने लगे। फायरिंग से लोग इधर-उधर भागने लगे। इसी बीच मौके का फायदा उठाकर रुपए लेकर फरार हो गए।

पहले पड़काया था नकली आईपीएस, अब फर्जी आईएएस साथियों के साथ गिरफ्तार

AGENCY DARBHANGA : बिहार में जब एक फर्जी कस्टम अफसर को पकड़ा गया था तब उसकी काफी चर्चा हो रही थी। अब बिहार पुलिस ने एक फर्जी आईएएस को पकड़ा है जो खुद को एडीएम बता रहा था। आरोप है कि यह एडीएम एक रिसॉर्ट में धौंस जमा रहा था। इस फर्जी एडीएम को पकड़ने के बाद अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। पुलिस ने दरभंगा जिले से इस फर्जी एडीएम को पकड़ा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, सोनकी थाना क्षेत्र के दलान रिसॉर्ट में यह शख्स फर्जी एडीएम बनकर धौंस जमा रहा था। पुलिस ने फर्जी एडीएम समेत चार लोगों को पकड़ा है और तीन लोग मौके से फरार हो गए हैं। यह सभी देर रात नशे की हालत में एक रेस्टोरेंट में आए थे। पकड़े गए लोगों में से

एक शख्स खुद को समस्तीपुर का एडीएम बता रहा था। लेकिन रेस्टोरेंट के मालिक को उसपर शक हो गया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने फर्जी एडीएम और उसके कुछ साथियों को वहीं धर दबोचा। बताया जा रहा है कि आरोपी हथियार के साथ पहुंचे थे। सोनकी थाना क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट में आने के बाद इन सभी ने धौंस जमाने की कोशिश की थी। फर्जी एडीएम और उसके साथियों के धौंस दिखाने का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। पुलिस ने बताया कि एक शख्स दलान रिसॉर्ट में अपने साथियों के साथ आया था। वो खुद को आईएएस अधिकारी बता रहा था और कहा रहा था कि उसकी पोस्टिंग अभी समस्तीपुर में है। शक होने पर पुलिस को सूचना दी गई और फिर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर फर्जी एडीएम और उसके साथियों को पकड़ा। खुद को एडीएम बता रहे शख्स का नाम अभिनव कुमार बताया जा रहा है।

सरकारी कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने का दिया गया निर्देश

NALANDA : भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए जिला प्रशासन कड़े कदम उठा रहा है। इसी कड़ी में नालंदा जिला प्रशासन ने सभी विभागों को निर्देश जारी कर आदेश दिया है। निर्देश में सरकारी कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा देना अनिवार्य किया गया है। साथ ही निर्देश में कहा गया है कि जो भी सरकारी कर्मी 31 जनवरी तक संपत्ति का विवरण नहीं देगा, उसकी वेतन पर रोक लगा दी जाएगी। इस आदेश के बाद सरकारी कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। विभाग के इस कदम का उद्देश्य सरकारी कर्मचारियों की आय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के साथ भ्रष्टाचार पर नकेल कसना है। इससे यह स्पष्ट होगा कि सरकारी कर्मियों की आय का स्रोत वैध है। आपको बता कि जिले में लगभग 600 अधिकारी व 9400 सरकारी कर्मी शामिल हैं।

दलित होने के कारण विधायक को उद्घाटन करने से रोका, जाति सूचक गाली देने का आरोप

एमएलए ने थाने में दर्ज कराई एफआईआर

AGENCY PATNA : गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को बिहार में एक दलित विधायक को जाति की वजह से अपमानित होना पड़ा है। ये आरोप खुद उन्होंने ही लगाया है। इसको लेकर उन्होंने थाने में शिकायत भी दर्ज कराई है। मामला पटना जिले के फुलवारी शरीफ विधानसभा क्षेत्र का है। सीपीआई माले विधायक गोपाल रविदास ने आरोप लगाया है कि रविवार को वह स्कूल की नई बिल्डिंग का उदघाटन करने गए थे लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने उनको उद्घाटन करने से रोक दिया। उनके लिए जाति सूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया। दरअसल माले विधायक परसा बाजार थाने के कुरथौल में एक स्कूल की नई बिल्डिंग का उदघाटन करने गए थे। उसी दौरान कुछ स्थानीय लोगों ने उनका विरोध शुरू कर दिया। भारी हंगामे के कारण स्थिति ऐसी उत्पन्न हो गई कि उनको वापस लौटना पड़ा। गोपाल रविदास

आरोप है कि इस दौरान न केवल उनके साथ धक्का-मुक्की की गई, बल्कि उनको जाति सूचक शब्द बोलकर अपमानित भी किया गया। अपने साथ हुई बदतमीजी से दुखी होकर विधायक गोपाल रविवाद ने परसा बाजार थाने में 4 नामजद और 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। अपने आवेदन में गोपाल रविदास ने लिखा, 'मैं अपने कार्यकर्ताओ के साथ निर्धारित कार्यक्रम उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन करने के लिए जैसे ही स्कूल परिसर में पहुंचा। वहां पहले से स्कूल परिसर के अंदर बैठे पुन्नू सिंह, मिथिलेश सिंह और हंस राज हंस समेत अन्य 10 अज्ञात लोगों ने जाति शब्दों का उच्चारण चमार कहते हुए उद्घाटन कार्य करने नहीं दिया।

हाईवे पर अचानक टूटकर गिरा पेड़, स्कूल जा रही शिक्षिका की दर्दनाक मौत

MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में स्कूल जा रहीं शिक्षिका की मौत हो गई। शिवहर स्टेट हाइवे पर गंगासागर पुल से पीछे सड़क किनारे एक ट्रक ने पेड़ पर टक्कर मार दी। इससे पेड़ की एक डाली अचानक सड़क पर आ गिरी। हाइवे से गुजर रही एक बाइक इसकी चपेट में आ गई। बाइक पर सवार शिक्षिका विशाखा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि हेडमास्टर फूल कुमार घायल हो गए। यह घटना पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह करीब 9 बजे हुआ। हेडमास्टर औ शिक्षिका बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरपुर से तालीमपुर मद्य विद्यालय जा रहे थे। स्कूल के शिक्षक शंभू कुमार ने बताया कि मुजफ्फरपुर की ओर से आ रहे ट्रक ने सड़क किनारे पेड़ में ठोकर मार दी। पेड़ की एक डाली शिक्षकों पर गिर गई। हादसे के बाद ट्रक तो आगे की ओर बढ़ता चला गया।

सीतामढ़ी में दबोचा गया रिश्वतखोर राजस्व कर्मी

निगरानी की गिरफ्त में आरोपी राजस्व कर्मचारी।

AGENCY SITAMARHI : निगरानी विभाग की टीम ने बिहार के सीतामढ़ी जिला अन्तर्गत पुपरी अंचल के राजस्व कर्मचारी सह प्रभारी अंचल निरीक्षक भोगेन्द झा को 51,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। उसके विरुद्ध निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई गयी थी। बताया था कि दाखिल खारिज करने के नाम पर रिश्वत की मांग की जा रही है। विभाग ने अपने स्तर से इसका पता किया। इसमें रिश्वत मांगने का आरोप सही पाया गया। इसी आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई। सोमवार की सुबह निगरानी की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही पीड़ित ने राजस्व कर्मी को रिश्वत दी, तभी टीम ने उसे दबोच लिया। उसे गिरफ्तार कर अपने साथ पटना लेकर रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि राजस्व कर्मी से पटना में पूछताछ की जायेगी। विदित हो कि कुछ माह पूर्व निगरानी विभाग ने मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी अंचल के तत्कालीन सीओ पंकज कुमार को भी 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

जमीन विवाद में दबंगों ने पत्नी के सामने पति को हथियार से काट डाला

PURNIYA : बिहार के पूर्णिया में जमीन विवाद में एक व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गयी। घटना जिले के सरसी थाना क्षेत्र के कुशहा गांव की है। मृतक की पहचान कुशहा गांव निवासी बुच्चाई मुर्मू के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस छानबीन कर रही है। परिजन बताते हैं कि बुच्चाई मुर्मू की हत्या जमीन विवाद में की गयी है। शव का पोस्टमार्म कराने के लिए पहुंचे भगवान मुर्मू ने बताया कि किस तरह बेरहमी से बुच्चाई मुर्मू की हत्या गांव के ही दबंगों ने कर दी। हालांकि भगवान मुर्मू ने घटना के कराण का पता नहीं होने की बात कही। उसने बताया कि गांव के ही रवीश और शंकर घर में घुसकर मारपीट की। धारदार दबिया से बुच्चाई मुर्मू के सिर पर ताबड़तोड़ वार किया, जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गया। सिर में काफी जगह जख्म होने के कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बिगड़ी तबीयत

गवर्नर के गणतंत्र दिवस भोज में नहीं हुए शामिल

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तबीयत खराब हो गई है। गणतंत्र दिवस के मौके पर राजभवन में आयोजित राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान के भोज में सीएम रविवार को शामिल नहीं हुए। इस वजह से उनकी प्रगति यात्रा भी स्थगित कर दी गई है। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार सेहत पूरी तरह ठीक नहीं होने के बाद भी नीतीश कुमार गणतंत्र दिवस समारोह में शामिल होने गांधी मैदान गए थे, लेकिन वहां उन्हें तबीयत में ज्यादा खराबी और काफी कमजोरी महसूस होने लगी। उसके बाद सीएम आवास में लौटने के बाद वे डॉक्टरों की देख-रेख में आराम कर रहे हैं। जेडीयू के एक सूत्र ने दावा किया है कि सीएम नीतीश कुमार मौसमी बुखार से पीड़ित हैं। उम्मीद है कि कुछ दिन आराम करने के बाद उनकी सेहत ठीक हो जाएगी। सीएम नीतीश रविवार

राज्यपाल से मुलाकात करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। (फाइल फोटो)

को गणतंत्र दिवस समारोह के मौके पर महादलित टोला में आयोजित समारोह में भी नहीं गए थे। सीएम नीतीश सोमवार को प्रगति यात्रा के तहत पूर्णिया जिले का दौरा करने वाले थे। सेहत ठीक नहीं होने के चलते इस कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया गया है। कैबिनेट सचिवालय विभाग ने एक पत्र जारी किया जिसमें कहा गया कि सोमवार से शुरू होने वाली मुख्यमंत्री की राज्यव्यापी ह्यप्रगति यात्राह्ल का अगला चरण अपरिहार्य कारणों से पुनःनिर्धारित किया गया है। सीएम नीतीश अब 28 जनवरी को पूर्णिया का दौरा करेंगे। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार वे 29 को कटिहार और 30 जनवरी को मधेपुरा जाएंगे।

पटना के गांधी मैदान में राज्यपाल आरिफ खान ने फहराया तिरंगा

PATNA : 76वें गणतंत्र दिवस के मौके पर रविवार को गांधी मैदान पटना गांधी मैदान में बिहार के रज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने झंडोत्तोलन किया जाएगा। मुख्य राजकीय कार्यक्रम गांधी मैदान में आयोजित किया गया जहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गये थे। गांधी मैदान में सुबह 8।45 बजे के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अतिविशिष्ट अतिथियों के आगमन हुआ। 8।47 बजे महामहिम राज्यपाल गांधी मदान पहुंचे। परेड के समापन के बाद झांकियों का प्रदर्शन हुआ। 15 विभागों की ओर से झांकियां प्रदर्शित की गईं। 35 मिनट तक झांकियां दिखाई गईं। इसके बाद राष्ट्रीय धुन के साथ ही कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल ने गांधी मैदान से राज्य की जनता को गणतंत्र दिवस की बधाई दी और संबोधित किया। राज्यपाल ने आजादी की लड़ाई में अपनी अहम भूमिका निभाने वाले स्वतंत्र सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के बाद प्रदेश में विकास की योजनाओं की जानकारी दी।

खुशखबरी : लंबे समय से चली आ रही मांग को मिली मंजूरी, जाम से मिलेगी निजात

गया में जल्द होगा ओवरब्रिज का निर्माण

AGENCY GAYA : गया जिले के लोगों के लिए एक बड़ी खुशखबरी आई है। जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग बेलागंज प्रखंड के रिसौंध में रेलवे ओवरब्रिज निर्माण को मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। जीतन राम मांझी ने कहा कि केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के सहयोग से इस परियोजना को मंजूरी मिली है। जीतन राम मांझी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ह्यगया जी के लिए एक और खुशखबरी। हमारे गया जी के बेलागंज प्रखंड की जनता के आदेश के आलोक में रिसौंध में रेलवे ओवरब्रिज

निर्माण की स्वीकृति मिल गई है। मेरे लोकसभा चुनाव के दौरान यहां की जनता ने ओवरब्रिज नहीं बनने के कारण वोट का बहिष्कार किया था, तब मैंने वहां पहुंचकर स्थानीय लोगों से वादा किया था कि मेरे चुनाव जीतने के एक साल के अंदर ओवरब्रिज निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। अश्विनी वैष्णव जी आपका धन्यवाद। गया जी की जनता आपकी आभारी रहेगी।ह्ल इस पोस्ट के साथ केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा उन्हें लिखे गए पत्र की कॉपी शेयर की है। इस पत्र में अश्विनी वैष्णव ने लिखा है, ह्यजीतन राम मांझी जी, कृपया अपने पत्र दिनांक 02।07।2024 का संदर्भ लें, जो गया के रिसौंध गांव में जन सुविधा के लिए ओवरब्रिज निर्माण के संबंध में है। आपको यह जानकर खुशी होगी कि उक्त स्थान पर एफओबी के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है।ह्ल इस ओवरब्रिज के निर्माण से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा रेलवे क्रॉसिंग से होने वाली परेशानी से निजात मिलेगी। बेलागंज प्रखंड के लोग लंबे समय से इस परियोजना की मांग कर रहे थे।

पटना में एफसीआई कर्मी की गोली मारकर हत्या

PATNA : बिहार की राजधानी पटना में अपराधियों ने एक और बड़ी घटना को अंजाम देकर इलाके में दहशत फैला दी है और पुलिस को खुली चुनौती देते दिख रहे हैं। ताजा मामला पटना के मनेर थाना क्षेत्र का है, जहां को एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि मनेर थाना क्षेत्र छितनावा गांव के खेत के बधार में रविवार की देर रात एक व्यक्ति का शव ग्रामीणों ने देखा। शव की सूचना आग की तरह पूरे इलाके में फैल गई। लोगो की भारी भीड़ मौके पर इकट्ठा हो गई। स्थानीय लोगों ने इस बात की जानकारी मनेर थाना को दी। सूचना पाकर मनेर थानाध्यक्ष दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। मृतक की पहचान शाहपुर थाना क्षेत्र के दाउदपुर बगीचा निवासी 45 वर्षीय राजदेव राय के रूप में हुई है।

नशे की हालत में थे एचएम, आए थे झंडा फहराने, उठा ले गई पुलिस

AGENCY MUZAFFARPUR : बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से गणतंत्र दिवस पर एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जिसने शराबबंदी की हकीकत को बेनकाब कर दिया। जिले की एक सरकारी स्कूल में हेडमास्टर खुद शराब के नशे में धुत होकर स्कूल में झंडा फहराने चले गए। हेडमास्टर साहब की स्थिति ये रही कि ठीक से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे और बोलने में परेशानी हो रही थी। उसके बाद जब ग्रामीणों ने ये हालत देखी तो पुलिस को इसकी सूचना दे दी। पुलिस पहुंची और गिरफ्तार कर लिया। पूरा मामला मुजफ्फरपुर जिले के मीनापुर प्रखंड के राजकीय मध्य विद्यालय धर्मपुर पूर्वी का बताया जा रहा है। इस स्कूल के हेडमास्टर संजय कुमार सिंह को पुलिस ने शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार किया है। चार सालों से संजय कुमार सिंह इस स्कूल के हेडमास्टर हैं। 26 जनवरी के दिन

स्कूल में झंडा फहराने के लिए पहुंचे थे। शराब के नशे में हेडमास्टर साहब की इस स्थिति को देखकर स्कूल के शिक्षक और छात्र चौंक गए। स्थानीय लोगों ने जब नशे में लड़खड़ाते देखा तो हेडमास्टर के नशे की जानकारी स्थानीय थाना रामपुर हरि थाना को सूचना दिए। पुलिस कार्रवाई करते हुए राजकीय मध्य विद्यालय धर्मपुर पूर्वी मीनापुर मुजफ्फरपुर के प्रिंसिपल संजय कुमार सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में विधायक मुन्ना यादव ने भी इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि इस घटना ने शराबबंदी के मुद्दे को एक बार फिर से लोगों के सामने लाकर रख दिया है।

आत्मनिर्भरता के साथ रक्षा क्षेत्र में भारत की मजबूती

हमारा राष्ट्र पाकिस्तान, बांग्लादेश और चीन जैसे दुश्मनों से घिरा हुआ है, जो सीमाओं और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर संचालन के विभिन्न तरीकों का उपयोग करके हमारे महान राष्ट्र को कमजोर करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। साथ ही विभिन्न राज्यों में उग्रवादी नक्सलियों को विकसित कर रहे हैं, विभिन्न राज्यों में अशांति पैदा करने के लिए बौद्धिक शहरी नक्सलियों को भी विकसित कर रहे हैं। हम पहले से जानते हैं कि यदि कोई देश सैन्य रूप से कमजोर है और उसके पास मजबूत हथियार, आयुध और गोला-बारूद की कमी है तो अन्य देश स्थिति का लाभ उठाएंगे, जैसा कि हमने 2014 से पहले देखा है। मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में स्थिति बदल गई है। आइए देखें कि हमारी रक्षा स्थिति सैन्य और वित्तीय दोनों रूप से कैसे बदल गई। रक्षा में आत्मनिर्भरता के प्रति भारत का समर्पण एक प्रमुख हथियार आयातक से स्वदेशी निर्माण के उभरते केंद्र में इसके परिवर्तन से प्रदर्शित होता है। वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा मंत्रालय ने रणनीतिक सरकारी नीतियों द्वारा संचालित घरेलू रक्षा उत्पादन में रिकॉर्ड 1.27 लाख करोड़ की वृद्धि दर्ज की। पहले अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकताओं पर निर्भर रहने वाला भारत अब अपनी सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर विनिर्माण को प्राथमिकता देता है, जो राष्ट्रीय लचीलापन सुधारने और बाहरी स्रोतों पर निर्भरता कम करने की उसकी महत्वाकांक्षा की पुष्टि करता है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान मूल्य के संदर्भ में स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की, जिसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन को जाता है। डीपीएसयू, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और निजी कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, रक्षा उत्पादन 2014-15 में 46,429 करोड़ रुपये से 174% बढ़कर 1,27,265 करोड़ रुपये के नए उच्च स्तर पर पहुंच गया है। ऐतिहासिक रूप से भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर दूसरे देशों पर निर्भर रहा है, जिसमें लगभग 65-70% रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। हालांकि माहौल काफी बदल गया है। अब 65% से अधिक रक्षा उपकरण भारत में बनाए जाते हैं। यह परिवर्तन इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए देश की प्रतिबद्धता को दशार्ता है और इसके रक्षा औद्योगिक आधार की ताकत को उजागर करता है, जिसमें 16 रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां, 430 से अधिक लाइसेंस प्राप्त कंपनियां और लगभग 16,000 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम शामिल हैं। उल्लेखनीय रूप से इस उत्पादन का 21% निजी क्षेत्र से आता है, जो भारत के आत्मनिर्भरता के मार्ग को बढ़ावा देता है। धनुष आर्टिलरी गन सिस्टम, एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस), मुख्य युद्धक टैंक (एमबीटी) अर्जुन, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस, पनडुब्बियां, फ्रिगेट, कोरवेट और हाल ही में कमीशन किए गए आईएनएस विक्रांत जैसे प्रमुख रक्षा प्लेटफॉर्म मेक इन इंडिया पहल के हिस्से के रूप में विकसित किए गए हैं, जो भारत की बढ़ती रक्षा क्षेत्र की क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं। वार्षिक रक्षा उत्पादन 1.27 लाख करोड़ से अधिक हो गया है और चालू वित्त वर्ष में 1.75 लाख करोड़ को पार करने की उम्मीद है। भारत का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को बढ़ाकर 3 लाख करोड़ करना है, जिससे वह खुद को दुनिया भर में विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर सके। भारत का रक्षा निर्यात वित्त वर्ष 2013-14 में ?686 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 21,083 करोड़ हो गया है। यह उपलब्धि सरकार द्वारा किए गए प्रभावी नीतिगत सुधारों, पहलों और व्यापार करने में आसानी में सुधार का परिणाम है, जिसका लक्ष्य रक्षा में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में रक्षा निर्यात में 32.5% की वृद्धि हुई, जो 15,920 करोड़ थी। भारत के निर्यात पोर्टफोलियो में उन्नत रक्षात्मक उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, जैसे बुलेटप्रूफ जैकेट और हेलमेट, डोर्नियर (डीओ-228) विमान, चेतक हेलीकॉप्टर, त्वरित इंटरसेप्टर नौकाएं और हल्के टॉरपीडो। एक उल्लेखनीय विशेषता रूसी सेना के उपकरणों में मेड इन बिहार बूटों को शामिल करना है, जो वैश्विक रक्षा बाजार में भारतीय उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर का प्रतिनिधित्व करता है, साथ ही देश के मजबूत विनिर्माण मानकों को भी प्रदर्शित करता है। भारत वर्तमान में 100 से अधिक देशों को निर्यात करता है, जिसमें 2023-24 में रक्षा निर्यात के मामले में संयुक्त राज्य अमेरिका, फ्रांस और आर्मेनिया पहले से तीसरे स्थान पर हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का लक्ष्य 2029 तक रक्षा निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना है। प्रमुख सरकारी पहल हाल के वर्षों में, भारत सरकार ने देश की रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के उद्देश्य से कई परिवर्तनकारी परियोजनाएं शुरू की हैं। इन नीतियों का उद्देश्य निवेश आकर्षित करना, घरेलू विनिर्माण में सुधार करना और खरीद प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमाओं को उदार बनाने से लेकर स्वदेशी विनिर्माण को बढ़ावा देने तक ये कदम भारत के रक्षा औद्योगिक आधार को मजबूत करने के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हैं। निम्नलिखित बिंदु उन महत्वपूर्ण सरकारी प्रयासों का सारांश देते हैं, जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में विकास और नवाचार को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती संख्या

ANALYSIS

डॉ. सत्यवान सौरभ

अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा नही उतर पाने वाले, परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों को घर पर पिटना पड़ता है। परीक्षा और नतीजों के दबाव में छात्रों की आत्महत्याएँ आम होती जा रही हैं। छात्र आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि के पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारक बन चुका है। तनावग्रस्त छात्रों की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आते हैं, छात्रों का तनाव हद से गुजरने लगता है। पूरी युवा पीढ़ी का परीक्षा के दिनों में ऐसे हालात से दो-चार होना देश और समाज, अभिभावकों और शिक्षाविदों, सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा क्षेत्र में दशकों से व्याप्त कई बुनियादी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों पर अभी तक पार पाने में कामयाबी नहीं मिली है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को अनिवार्य कर दिए जाने के बाद से छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रदर्शन करने के लिए भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन के दबाव को संभालने, माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा करने और आकांक्षाओं को प्राप्त करने में असमर्थता मनोवैज्ञानिक संकट और बाद में अवसाद का कारण बन सकती है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अकादमिक उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अनजाने में छात्रों के बीच तीव्र दबाव और प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा कर दिया है।

वैसे तो इस दौर में पूरी युवा पीढ़ी ही भयावह मानसिक व्याधि से विचलित है, इनमें विशेषतः छात्र विचलन गंभीर चिंता का विषय है। हमारे देश में प्रति 100 में 15 से अधिक छात्र अवसाद, चिंता और आत्मघात से पीड़ित पाए जा रहे हैं। कठिन प्रतिस्पर्धा और पढ़ाई-लिखाई में अनुशासन आदि को लेकर तनाव बढ़ रहा है, उससे न सिर्फ शिक्षा व्यवस्था से जुड़े लोगों बल्कि पूरे समाज की चिंता बढ़ती गई है। पारिवारिक दबाव, शैक्षिक तनाव और पढ़ाई में अव्वल आने की महत्वाकांक्षा ने छात्रों के एक बड़े वर्ग को गहरे मानसिक अवसाद में डाल दिया है। अभिभावकों की उम्मीदों पर खरा नही उतर पाने वाले, परीक्षा में खराब प्रदर्शन करने वाले बच्चों को घर पर पिटना पड़ता है। परीक्षा और नतीजों के दबाव में छात्रों की आत्महत्याएँ आम होती जा रही हैं। छात्र आत्महत्याओं में बेतहाशा वृद्धि के पीछे मानसिक तनाव सबसे आम कारक बन चुका है। तनावग्रस्त छात्रों की आत्महत्याओं का ग्राफ बढ़ रहा है। जैसे-जैसे परीक्षा के दिन निकट आते हैं, छात्रों का तनाव हद से गुजरने लगता है। पूरी युवा पीढ़ी का परीक्षा के दिनों में ऐसे हालात से दो-चार होना देश और समाज, अभिभावकों और शिक्षाविदों, सभी के लिए गंभीर चिंता का विषय है। शिक्षा क्षेत्र में दशकों से व्याप्त कई बुनियादी गंभीर समस्याओं और चुनौतियों पर अभी तक पार पाने में कामयाबी नहीं मिली है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं को अनिवार्य कर दिए जाने के बाद से छात्रों को प्रतिस्पर्धा करने और प्रदर्शन करने के लिए भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। प्रदर्शन के दबाव को संभालने, माता-पिता की अपेक्षाओं को पूरा करने और आकांक्षाओं को प्राप्त करने में असमर्थता मनोवैज्ञानिक संकट और बाद में अवसाद का कारण बन सकती है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली में अकादमिक उत्कृष्टता की निरंतर खोज ने अनजाने में छात्रों के बीच तीव्र दबाव और प्रतिस्पर्धा का माहौल पैदा कर दिया है। शैक्षणिक उपलब्धियों पर अत्यधिक ध्यान देने के साथ-साथ सामाजिक अपेक्षाओं और असफलता के डर ने छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इसने चिंता, अवसाद और तनाव

की वृद्धि में योगदान दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा को देखते हुए कई बार छात्रों पर अच्छा प्रदर्शन करने का लगातार दबाव रहता है। वे अपनी तुलना दूसरों से करते हैं। यह अंतर्निहित दबाव मानसिक परेशानी के विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जिसमें चिंता, विफलता का डर और कम आत्मसम्मान शामिल है। गंभीर मामलों में, मानसिक स्वास्थ्य सम्बंधी समस्याएँ आत्म-नुकसान का कारण बन सकती हैं और यहां तक कि आत्महत्या के प्रयासों के विचार को भी जन्म दे सकती हैं। प्रतियोगी पाठ्यक्रम के भारी-भरकम बोझ से बच्चों का मानसिक विकास अवरुद्ध हो रहा है। इससे बच्चों को भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है। बच्चों के जीवन में तनाव के पौध की बड़ी वजह यह भी है कि लंबे समय तक स्कूल के घंटों के बाद बच्चे घर लौटते ही होमवर्क निपटाने में जुट जाते हैं। इसके बाद ट्यूशन के लिए दौड़ पड़ते हैं। खाना-पीना, सोना, खेलकूद, सब हराम हो जाता है। आराम करने और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ करने का उन्हें समय ही नहीं मिलता है। ऐसे में छात्रों के लिए कम नींद और अवसाद की स्थिति या गंभीर तनाव का सबब बनी रहती है। वर्तमान प्रतियोगी दौर में छात्रों की आत्महत्या के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। परीक्षा केंद्रित शिक्षा से भारत में छात्रों की आत्महत्याओं में अंक, अध्ययन और प्रदर्शन के दबाव के साथ अकादमिक उत्कृष्टता की तुलना करना इस अवसाद के पीछे महत्त्वपूर्ण कारक हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे किसी भी छात्र के साथ एक साधारण साक्षात्कार, चाहे वह जेईई, एनईईटी या सीएलएटी हो, यह प्रकट करेगा कि छात्रों के बीच मानसिक संकट का प्रमुख स्रोत उन पर दबाव की असहनीय मात्रा है जो लगभग हर एक द्वारा डाला जाता है। हर शिक्षक, हर रिश्तेदार कठिन अध्ययन और एक अच्छे कॉलेज में प्रवेश पाने के महत्त्व को दोहराते हैं, जबकि छात्र स्नातक होने के बाद क्या करने की आकांक्षा रखता है या जहाँ उसकी रुचियां हैं, उसके बारे में सहज पूछताछ बहुत कम की जाती है। इन सभी परीक्षाओं की अत्यधिक जटिल प्रकृति (सभी नहीं) का अनिवार्य रूप से मतलब है कि उन्हें पास करने के लिए माता-पिता को अपने बच्चों को प्रतिष्ठित कोचिंग सेंटरों में दाखिला दिलाने का सपना पूरा करना होगा, इससे छात्र के लिए एक से अधिक तरीकों से समस्या बढ़ जाती है, क्योंकि वह कोचिंग पर माता-पिता द्वारा खर्च किए गए पैसे को चुकाने के लिए अब परीक्षा को पास करने का दबाव बढ़ गया है और उसे कोचिंग संस्थान के अतिरिक्त दबावों का भी सामना करना पड़ता है। जब तक देश की परीक्षा संस्कृति से इस कुत्सित व्यवस्था को समाप्त नहीं किया जाता है, तब तक छात्रों में आत्महत्या की दर को रोकने के मामले में कोई प्रत्यक्ष परिवर्तन नहीं देखा जाएगा। सरकार को इस मुद्दे पर संज्ञान लेना चाहिए, अगर वास्तव में हम सोचते है कि आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। जबरन करियर विकल्प देने से कई छात्र बहुत अधिक मात्रा में दबाव के आगे झुक जाते हैं, खासकर उनके परिवार और शिक्षकों से उनके करियर विकल्पों और पढ़ाई के मामले में। शैक्षिक संस्थानों से समर्थन की कमी के चलते बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों से निपटने के लिए सुसज्जित नहीं है और मार्गदर्शन और परामर्श के लिए केंद्रों और प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी है। ऐसे कठिन दौर में आज छात्रों में आत्महत्या की प्रकृति और प्रवृत्ति का नए सिरे से अध्ययन करने की भी बहुत जरूरत है, क्योंकि देश की पूरी युवा बौद्धिक संपदा दांव पर लगी हुई है, जिसके दूरगामी गंभीर नतीजे पूरे राष्ट्र के माथे पर गहरा शिकन ला सकते हैं। युवाओं के कंधे पर स्थापित विकासशील प्रगति का पूरा ढांचा ही भरभरा कर गिर सकता है। छात्रों को इसे चुनौती के रूप में लेते हुए पूरी क्षमता के साथ इसका सामना करना चाहिए। परीक्षा जीवन-मृत्यु का प्रश्न नहीं है। परीक्षा परिणामों को जीवन का अंतिम आधार न मानकर अपनी सफलता की राह स्वयं बनानी होती है। बिना श्रम के जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता नहीं मिलती। अभिभावकों को यह समझना है कि उन्हें अपने बच्चों के साथ कैसा बर्ताव करना है। छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों की बढ़ती व्यापकता से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें व्यक्ति, संस्थान और समग्र रूप से समाज शामिल हो। सफलता को फिर से परिभाषित करना और छात्रों को अपने जुनून और रुचियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना उनके मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक है। केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर आधारित सफलता की संकीर्ण परिभाषा से आगे बढ़ने से छात्रों को अपनी अद्वितीय प्रतिभा का पता लगाने और अपने चुने हुए रास्ते में पूर्णता पाने का मौका मिलता है। आत्महत्या के जोखिम कारकों को कम करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना और परीक्षा के नवीन तरीकों को अपनाया जाना चाहिए। छात्रों की सराहना करने की आवश्यकता है और यह बदलना महत्त्वपूर्ण है कि भारतीय समाज शिक्षा को कैसे देखता है। प्रयासों का उत्सव होना चाहिए न कि अंकों का। छात्रों की चिंताओं, अवसाद और अन्य मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों को दूर करने के लिए सभी स्कूलों, कॉलेजों और कोचिंग केंद्रों में प्रभावी परामर्श केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। बढ़ते संकट को दूर करने के लिए अतीत की विफलताओं से सीखना और छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, संस्थानों और नीति निमार्ताओं सभी हितधारकों को शामिल करने वाले तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

नकली दुनिया की पोल खोलता 'आईआईटी बाबा'

एक दिन जब आईआईटी बाबा अभय सिंह का वीडियो देखा तो मेरा नजरिया बदल गया। मान लीजिए आपके पास सब कुछ है- मसलन आईआईटी बॉम्बे की डिग्री, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग करियर और एक ऐसा जीवन, जिसकी ज्यादातर लोग सिर्फ कल्पना कर सकते हैं। लेकिन, हमेशा की तरह चलने के बजाय उन्होंने ऐसा चुनाव किया जिसने सभी को चौंका दिया। उन्होंने ज्यादा आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए सब कुछ त्याग दिया। पहले यकीन नहीं हुआ कि कोई इतना उज्ज्वल भविष्य क्यों छोड़ेगा। लेकिन, जैसे-जैसे उन्हें बात करते सुना, सब कुछ समझ में आने लगा। उन्होंने जीवन में वास्तविक उद्देश्य, शांति और अर्थ खोजने के महत्व पर चर्चा की, ऐसी चीजें जिन्हें कोई भी धन या सफलता खरीद नहीं सकती। यह एक प्रेरक कहानी थी। इसने मुझे यह एहसास दिलाया कि जीवन सिर्फ समाज की अपेक्षाओं को पूरा करने या भीड़ का अनुसरण करने के बारे में नहीं है, बल्कि अपना रास्ता खोजने के बारे में है। मैंने पहले सोचा,एक आईआईटीयन इतना मूर्ख कैसे हो सकता है कि अपनी उच्च-भुगतान वाली आलीशान नौकरी छोड़ दे। वह अपनी दो डिग्रियां कैसे बर्बाद कर सकता है। फिर मुझे समझ में आया कि बचपन का सदमा शब्द बहुत सारे नकारात्मक अर्थ रखता है। उनके साक्षात्कार वीडियो पर टिप्पणियां पढ़कर मुझे और भी बुरा लगा। जहां कई लोग उनकी प्रशंसा कर रहे थे, वहीं दूसरे लोग उन्हें नजरअंदाज कर रहे थे। यहां मेरा उद्देश्य किसी भी तरह से उनका बचाव करना नहीं है। बहुत शोर मचाया जा रहा है कि आईआईटी बाबा ने सरकारी फंड वाली सीट बरबाद कर दी। मेरी राय में जो लोग ऐसा कहते हैं, उन्हें कुछ बुनियादी बातों को समझने की जरूरत है। बहुत ज्यादा पढ़ाई करने के बाद अभय सिंह को आईआईटी में दाखिला मिल गया और उन्होंने अपनी डिग्री हासिल की। उन्होंने कोर्स में कोई बाधा नहीं डाली। फिर, इस तर्क से आईआईटी के बाद एमबीए और यूपीएससी करने वालों ने सीटें बरबाद कर दी। तो फिर, मुझे बताइए कि उन्होंने सीटें कैसे बर्बाद की। अगर उन्होंने कोर्स पूरा नहीं किया होता तो भी यह तर्क कुछ हद तक सही होता, लेकिन चूंकि उन्होंने एयरोस्पेस इंजीनियरिंग पूरी की है, इसलिए किसी को यह दावा नहीं करना चाहिए कि उन्होंने अपनी सीट बर्बाद कर दी। देखिए कि उनका नजरिया कितना बेहतरीन है। उनके पास सब कुछ था- सबसे अच्छी औपचारिक शिक्षा, सबसे अच्छी नौकरी, विदेश यात्रा, गर्लफ्रेंड और रिश्ते। फिर उन्होंने अपने अंदर खालीपन महसूस किया और संन्यास की राह पर चलने का फैसला किया। मुझे कहना होगा कि वे एक ईमानदार व्यक्ति लगते हैं। वे हरियाणा के मूल निवासी हैं। झज्जर, हरियाणा में ही उनका जन्म हुआ। उनकी मां घर पर रहती हैं, जबकि उनके पिता वकालत करते हैं। उन्होंने झज्जर में पढ़ाई की। वे कम उम्र से ही असाधारण छात्र थे। आईआईटी बॉम्बे से एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की। फिर उन्हें तीन लाख रुपये का पैकेज मिला और वे अपनी नौकरी के लिए कनाडा चले गए। लॉकडाउन के कारण वे कनाडा में ही फंस गए। इस दौरान उन्होंने अपने जीवन पर अधिक चिंतन करना शुरू किया। भारत आने के बाद वे एक नए आध्यात्मिक मार्ग पर चल पड़े। वे बहुत-सी तीर्थयात्राओं पर गए। वे अपनी वर्तमान जीवनशैली से संतुष्ट नहीं थे। इसलिए वे बहुत आध्यात्मिक हो गए। वे हमेशा अपना घर छोड़ना चाहते थे। आध्यात्मिक शब्दावली में वह चीज जो सब कुछ पार कर जाती है, उसे सत्य कहा जाता है। उन्होंने यहां तक कहा कि हर कोई मेरी आईआईटी डिग्री को ही दशार्ता है। मैं उस पर ध्यान आकर्षित नहीं करना चाहता। व्यक्तिगत रूप से मैं उससे कहीं ज्यादा हूं। उन्होंने सत्य की खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। चूंकि उन्होंने होशपूर्वक जीवन जिया और चले गए इसलिए उनके विचार बहुत शुद्ध हैं। इसलिए, कृपया उन्हें पाखंडी कहना बंद करें। अपनी आध्यात्मिक यात्रा में वे ईमानदार और प्रतिबद्ध हैं। सत्य और जीवन के उद्देश्य की निरंतर खोज के माध्यम से ही औसत व्यक्ति आध्यात्मिकता से प्रबुद्ध होता है। यू-ट्यूबर ने बाबा अभय सिंह का साक्षात्कार लिया। इसके बाद उन्होंने खुलासा किया कि आध्यात्मिकता को आगे बढ़ाने के लिए सब कुछ छोड़ने से पहले वे आईआईटी में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल कर रहे थे। अभय सिंह चाहते तो अपने आईआईटी के नाम का इस्तेमाल एक सफल व्यवसाय शुरू करने और बाबा बनने के लिए कर सकते थे। हमने बहुत से आध्यात्मिक गुरुओं को देखा होगा जो खुद को मार्केट करने के लिए आईआईटी, आईआईएम टैग का इस्तेमाल करते हैं। इंटरव्यू के दौरान अभय सिंह ने पहले रिपोर्टर को यह भी नहीं बताया कि वह एक आईआईटीयन हैं। अपनी शैक्षिक पृष्ठभूमि के बारे में रिपोर्टर के सवाल के जवाब में अभय सिंह ने जवाब दिया, हां, मैं आईआईटी बॉम्बे से हूं। अभय सिंह ने सच की तलाश करके वाकई मिसाल कायम की है। आप उनके इंस्टाग्राम पर जाकर देख सकते हैं कि वह कितने ज्ञानी हैं। प्रशंसा वास्तव में उस व्यक्ति की है, जिसने सब कुछ त्याग दिया है और आध्यात्मिक मार्ग पर चल रहा है। उसने सत्य की खोज में सभी सांसारिक सुखों से मुंह मोड़ लिया। उन्होंने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए आध्यात्मिकता की ओर अपनी यात्रा शुरू की। जो शून्य हैं, वही शिव से मिल सकते हैं उनके दो उद्धरणों में से एक है जिसे हमेशा याद रखूंगा- कहां जाओगे चलते चलते, यहीं आओगे।

Social Media Corner

सच के हक में...

मेरे प्रिय मित्र, राष्ट्रपति! इमैनुएल मैक्रॉन, भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आपकी हार्दिक शुभकामनाएँ अत्यंत सराहनीय हैं। पिछले वर्ष इसी दिन आपकी गरिमामयी उपस्थिति वास्तव में हमारी रणनीतिक साझेदारी और स्थायी मित्रता में एक उच्च बिंदु थी। जल्द ही पेरिस में एआई एक्शन समिट में आपसे मुलाकात होगी क्योंकि हम मानवता के बेहतर भविष्य के लिए मिलकर काम करेंगे।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर, जब पूरा देश संविधान और लोकतंत्र के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर रहा था, तब पंजाब के अमृतसर में बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की सबसे बड़ी मूर्ति तोड़े जाने की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इस कायराना हरकत ने न केवल बाबा साहब के सम्मान को ठेस पहुंचाई, बल्कि भारतीय संविधान और दलित समाज का भी अपमान किया है। यह घटना सीधे-सीधे आम आदमी पार्टी और इंडिया गठबंधन की नीयत और बाबा साहब के प्रति उनकी कथित निष्ठा पर गंभीर सवाल खड़े करती है। हाथ में संविधान लेकर हर जगह घूमने वाले राहुल गांधी और हर मंच पर दलितों के अधिकारों की बात करने वाले इंडिया गठबंधन के नेताओं की चुप्पी इस मामले में शर्मनाक है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कृषि सुधारों में व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक

1965 की एमएसपी व्यवस्था, जिसने मूल्य स्थिरता की गारंटी दी थी, तब से लेकर आज बाजार एकीकरण, स्थिरता और कल्याण की जटिल समस्याओं से निपटने तक भारत के कृषि सुधारों में नाटकीय रूप से बदलाव आया है। एमएसपी में बदलाव और पीएम-किसान जैसे कार्यक्रमों के बारे में हाल की चचार्एं कल्याण और अर्थशास्त्र के बीच संतुलन बनाने के प्रयासों को दशार्ती हैं। फिर भी विकसित भारत 2047 को प्राप्त करने के लिए टिकाऊ कृषि को आगे बढ़ाना आवश्यक है। चावल और गेहूं के उत्पादन के लिए प्रोत्साहन प्रदान कर खाद्यान्न की कमी को कम करने के लिए एमएसपी प्रणाली लागू की गई थी। उदाहरण के लिए, 1966 में मैक्सिकन गेहूं की किस्मों का आयात करके, भारत ने हरित क्रांति की शुरूआत की, जो चावल और गेहूं के लिए गारंटीकृत एमएसपी पर निर्भर थी। राजनीतिक दबावों के कारण अंततः अधिक फसलों को कवर करने के लिए एमएसपी का विस्तार किया गया, जिसके परिणामस्वरूप क्षेत्रीय असंतुलन हुआ। एमएसपी और मुफ्त बिजली ने पंजाब और हरियाणा को चावल पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर किया है, जिससे पर्यावरण को नुकसान पहुंचा है और भूजल कम हो गया है। विशेष रूप से चावल और गेहूं के लिए प्रणाली खुली खरीद में बदल गई, जिसके कारण अक्षमताएं और अधिशेष सूची बन गई। भारतीय खाद्य निगम के पास चावल का भंडार बफर आवश्यकताओं से लगभग तीन गुना अधिक है, जिससे बबार्दी और भंडारण की समस्याएं पैदा होती हैं। बिजली, उर्वरक और सिंचाई सब्सिडी की शुरूआत ने किसानों की लागत कम की, लेकिन पर्यावरण को नुकसान पहुंचाया और मिट्टी को खराब किया। पंजाब में ट्यूबवेल के लिए मुफ्त बिजली देने से भूजल स्तर में खतरनाक गिरावट आई है। प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण और डिजिटल लाभार्थी रिकॉर्ड हाल के सुधारों के दो उदाहरण हैं जो दक्षता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण पर जोर देते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि बिचौलियों को खत्म करती है और किसानों को प्रत्यक्ष आय सहायता देकर लक्षित लाभ वितरण सुनिश्चित करती है। मिट्टी के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और भूजल की कमी को कम करने के लिए, किसानों को गेहूं और चावल जैसी पानी की अधिक खपत वाली फसलों से दलहन, तिलहन और बाजरा उगाने के लिए प्रोत्साहित करें। ओडिशा बाजरा मिशन बाजरा के उत्पादन को प्रोत्साहित करता है, जो पानी की अधिक खपत वाली धान की खेती के उपयोग को कम करते हुए मिट्टी की गुणवत्ता और आय में सुधार करता है। किसानों को उचित मूल्य मिले और विशेष फसलों के अधिक उत्पादन को हतोत्साहित करने के लिए एमएसपी के स्थान पर मूल्य कमी भुगतान योजनाओं का उपयोग किया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश में किसानों को भावांतर भुगतान योजना के माध्यम से बाजार मूल्य घाटे के लिए मुआवजा मिलता है, जो बाजार की गतिशीलता को बदले बिना आय स्थिरता बनाए रखता है। ड्रिप सिंचाई और जैविक खेती जैसी पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए उर्वरक और बिजली सब्सिडी को तर्कसंगत बनाना। पीएम-कुसुम कार्यक्रम सौर ऊर्जा से चलने वाले सिंचाई पंपों को प्रोत्साहित करता है, जो सरकारी सब्सिडी वाली बिजली और भूजल निष्कर्षण पर निर्भरता को कम करता है। किसानों को फसल चयन, मृदा स्वास्थ्य और जल उपयोग के बारे में नवीनतम जानकारी प्रदान करें ताकि संसाधनों को संधारणीय तरीके से अधिकतम किया जा सके। तमिलनाडु में कीटनाशकों को छिड़कने के लिए ड्रोन का उपयोग करने से प्रभावशीलता और पर्यावरण सुरक्षा की गारंटी के साथ-साथ बबार्दी कम होती है। कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम करने और जल्दी खराब होने वाले सामानों के लिए समान मूल्य निर्धारण की गारंटी के लिए प्रभावी कोल्ड स्टोरेज सुविधाएँ और मूल्य श्रृंखलाएं बनाएं। मजबूत आपूर्ति और भंडारण नेटवर्क स्थापित करके, ऑपरेशन ग्रीन्स आलू, टमाटर और प्याज की कीमतों को स्थिर करना चाहता है।

लोहे की प्राचीनता

भारत में लौह युग आकर्षण और चर्चा का विषय रहा है। बाकी दुनिया में लौह युग ने ताम्र-कांस्य युग का स्थान लिया या कांस्य युग और प्रारंभिक ऐतिहासिक काल के बीच की खाई को पाट दिया। लेकिन भारत में स्थिति अलग है। जब विंध्य के उत्तर के इलाके में लौह-पूर्व ताम्रपाषाण या ताम्र युग चल रहा था, तो दक्षिण का इलाका 3000 से ज्यादा स्थलों के साथ, लोहे से जुड़ा था। कई पुरातत्वविदों ने आम तौर पर और रूढ़िवादी तरीके से लौह युग को दूसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व का माना है। इस पृष्ठभूमि के मद्देनजर, राज्य में लोहे की उत्पत्ति का पता चौथी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के पूर्वार्द्ध में लगाया जा सकने संबंधी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन का हालिया बयान महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह लोहे की प्राचीनता को और आगे ले जाता है। लगभग 25 साल पहले उत्तर प्रदेश की मध्य-गंगा घाटी में खुदाई के बाद, लौह प्रौद्योगिकी के शुरूआती सबूत 1800 ईसा पूर्व के मिले थे। लेकिन,अब तमिलनाडु के शिवगलाई में हुई खुदाई, जो 2019 और 2022 के बीच की गई थी ने अधिकारियों को देश में लोहे की शुरूआत का श्रेय चौथी सहस्राब्दी ईसा पूर्व के शुरूआती भाग को देने को मजबूर किया है, भले ही 2500-3000 ईसा पूर्व की अवधि को मध्य-श्रेणी के मान के तौर पर लिया जाता है। यह राज्य पुरातत्व विभाग (टीएनएसडीए) के लोहे की प्राचीनताः तमिलनाडु की हालिया रेडियोमेट्रिक तिथियां शीर्षक अध्ययन का मुख्य आकर्षण है। टीएनएसडीए के इस अध्ययन के वैज्ञानिक डेटिंग के नतीजों को अमेरिका के बीटा विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला जैसे प्रसिद्ध संस्थानों द्वारा मान्य किया गया है। स्टालिन की राय इन्हीं निष्कर्षों को ध्यान में रखते हुए आई थी। इस महीने की शुरूआत में उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को समझने के लिए दस लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार योजना का एलान किया था। टीएनएसडीए के इस काम से भारत के लौह युग के बारे में शोध कर रहे पुरातत्वविदों द्वारा अपनाई जाने वाली रणनीतियों को लेकर नए नजरिए को बढ़ावा मिलना चाहिए।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

In memory of our Amrita, the legend

Hungary and India have two common icons. First, someone who is noted in academic circles though somewhat little known outside: the scholar Korosi Csoma Sandor, better known as Csoma de Koros. His connection with the Himalaya was strong and intimate. He travelled and lived in Ladakh and was perhaps the first European to visit and write about Zanskar. In 1827, he moved to the secluded monastic village of Kanum, in today's district of Kinnaur, where he lived for more than three years. A tradition, though unverifiable, maintains that while going through the ancient manuscripts at Kanum, his hands would freeze in winter's bitter cold and often had to be prised open. Among his many accomplishments was the first Tibetan-English dictionary. The second person is someone many of us know about: Amrita Sher-Gil, whose Hungarian mother, Marie Antoinette Gottesmann, was an opera singer. The father was Umrao Singh Sher-Gil of Majitha — who apart from an aristocratic lineage, was one of the pioneers of photography in India, especially portraits.

We all like our little place in the sun. Even if this comes from an all-too distant and a rather wobbly hook to hang one's claim to fame. For the moment, it comes from the flimsy fact that the venerable Amrita Sher-Gil and I share the same date of birth, in late January. That priceless nugget was pointed out a couple of years back when the Liszt Institute of the Hungarian Embassy to India was holding a celebration of the artist's work. During the course of conversation with the institute's director, one learnt that they did not have access to an absolutely wonderful copy of the long-gone art magazine, The Usha. In undivided Punjab, this was published by the Panjab Literary League from Lahore. Brilliant, but short-lived, the magazine was edited by HL Prasher and DR Chaudhri.The issue of August 1942 was devoted to the remarkable Amrita Sher-Gil who, in her short life, was to impact the art of India and even overhaul some of it. As I have the treasure, one was only too happy to make a copy and send it to the institute, which I'm sure must have put it to better use than it loitering on my bookshelves.On December 5, 1942, Amrita passed away at the age of 28. Barely three days before this, she and one of the editors of The Usha, HL Prasher, had met. She was full of laughter and 'was talking merrily'. She discussed her forthcoming exhibition. Someone suggested that if she really wanted to enjoy the remarks made by visitors to her exhibitions, she should come in disguise and remain incognito. Amrita liked the idea, but the problem was: "What disguise should she choose?" Prasher, tongue in cheek, suggested that she should come dressed as a young Sikh, complete with a turban, moustache and a beard. A pair of spectacles could be thrown in for good measure. That did not happen.

Amrita's parents were in Shimla when a telegram arrived saying that their daughter was very ill. Umrao Singh and Antoinette rushed up to the Summer Hill post office, which was a bare couple of hundred yards from their house, and set up a trunk call to Lahore. At night, another telegram was delivered saying that Amrita had passed away. A heartbroken Umrao Singh Sher-Gil wrote on the death of his daughter: "During those 10 days (after Amrita's death), I often gazed on a watercolour miniature of the Kangra School which Amrita had left on the mantelpiece. It represented a young woman, walking gaily with head averted, oblivious of two deadly snakes lying right in the pathway in front of her. It seemed to me that it symbolised the last phase of her own life in coming to Lahore with buoyant hopes, not aware of death which lurked for her there."After completing the first draft of this piece, one put it aside and started looking for something more on The Usha. Instead, one ended up going down one of the Internet's wormholes to arrive at a crater on the planet Mercury. In 2016, the International Astronomical Union named it in honour of Amrita Sher-Gil. This piece of information led to a revision of what one had written and then, one could not but help continuing along a road that had found a bifurcation. Whenever I am in Delhi, among the few things one tries to do, is visit the National Museum of Modern Art.

Better to jaw-jaw than to war-war

THE GREAT GAME: The bigger message to everyone is that Naya America has no problems talking to anyone

IN the merry-go-round world of global politics, here's how the cookie is crumbling this week.US President Donald Trump has told Fox News that he spoke to Chinese President Xi Jinping last week, just before his inaugural, on "Tiktok, trade and Taiwan" and that the conversation was friendly. Now we know that Trump had invited Xi to his inaugural too, but Xi sent Vice-President Han Zheng instead. Moreover, Trump has since both called off his proposed ban on Tiktok as well as his campaign harrumph on imposing tariffs (as high as 60 per cent) on China.We also know that Indian officials in the embassy in Washington DC had requested the Trump transition team, on the eve of the inaugural, for an invite for Prime Minister Modi to attend. But Trump's men remonstrated, saying there was too much happening and not enough time — some such excuse.Instead, they gave External Affairs Minister S Jaishankar a front-row seat to all the goings-on that afternoon. (No one knows where Han Zheng sat.) The Americans, keenly aware that perception is half of any foreign policy success, also organised a Quad meeting the day after — it sent a message to the Chinese that you may be snapping at our heels, but hey, we have India, Australia and Japan in our pack.

The bigger message to everyone, especially India, is that Naya America has no problems talking to anyone — it's enough to look around you and notice how nations are changing friends faster than the flow of the Ganga at the Maha Kumbh. One month ago, Trump was threatening hell or high water with Xi — he is now purring like a Siamese cat. And earlier this week, a team from Pakistan's ISI establishment flew to Bangladesh, for the first time since 2009 — mere days after a Bangladeshi military delegation led by Lt Gen SM Kamrul Hassan, the Principal Staff Officer of the Armed Forces Division, flew to Islamabad.In the middle of this churning, the only bond that has remained steadfast is the one that both sides define as being "higher than the mountains, deeper than the seas and sweeter than honey" — the one between Pakistan and China.So dear Reader, as you watch the earth turn on its axis, watch also the shrivelling of old allegiances and the thrill that comes with building new ones. In Punjab, you cast off the old and the unwanted at Lohri, because at Makar Sankranti, when the month of Magh unveils itself, a new world awaits.See what Magh has heralded for the world so far : New friendships between the US and China, an underlining of old ties between China and Pakistan as well as an unusual intimacy between Pakistan and Bangladesh — they were part of one country, after all, once upon a time, until the world shifted in 1971 and a new nation was born.Now the world is shifting again. It's clear that the ISI is in charge of Bangladesh. Chief Adviser Muhammad Yunus has turned out to be a 'mukhauta' who has played his role as saviour to the hilt — it doesn't matter if and when he moves on, Pakistan has won the latest round in the great game unfolding once again in South Asia.India may be on the back foot in

Bangladesh — which is why it's a good thing it is standing by its old friend, Sheikh Hasina. And since the ISI is back in Dhaka, you can bet your last taka that the attempt to destabilise India's North-east will be the new game in town.Remember, dear Reader, that Manipur continues to burn, after almost two years, that Assam is sitting on a powder-keg, that Mizoram is so unsettled — that Bangladesh is next door.So as Foreign Secretary Vikram Misri flies to Beijing on Republic Day — and the symbolism on that one will wait to be explained another day — the fact remains that the recent Modi-Xi embrace in Kazan, Russia, no doubt brokered by Russian President Vladimir Putin, allowed both India and China to return a series of conversations on their long-standing territorial dispute.

That's a good thing. Much better to jaw-jaw than to war-war, especially if you consider the enormous military disparity between India and China. So while the agreement allows Indian troops to return to patrolling areas they could not since April 2020, it is still unclear where the buffer zones lie and whether both sides are returning to a pre-April 2020 position.

Meanwhile, it's a good thing too that PM Modi is seeking an early meeting with Trump — he will understand the extent of the US-China tango that is currently unfolding, with Elon Musk in attendance as Chief Liaison Officer. Clearly both Trump and Musk want to rebalance the highly unequal trade that is currently in China's favour, but they have no problem talking to the enemy.It's what Putin is also currently doing — circling, fencing, jousting with Trump. Let's talk, he's saying, what is it exactly that you want? Even as Putin rained destruction on his blood brothers in Ukraine these last two years, it is clear he has prepared for a conversation with Joe Biden's successor.The problem with New Delhi is that it allows emotion to come in the way of the games big nations play. Unlike Trump and Putin and Xi — who are always willing to negotiate with their enemies because the first rule of thumb in all politics is to keep your friends close and your enemies closer — PM Modi won't talk to Pakistan for a number of reasons. Cross-border terrorism, anyone?

But then again the news is that Delhi is unhappy with Nepal PM KP Oli because he dared to first travel to Beijing instead of coming to Delhi, and so an Oli visit to Delhi is being forever postponed. It's another matter that the prime benefactors of both Pakistan and Nepal are China – so the mystifying question, why is India punishing the peoples of these countries even if it doesn't agree with their governments?

Ever wondered what prevents this incredibly diverse, ancient nation that has always followed its own rhythms from achieving greatness? In this month of Magh, the answers beckon, you just have to know where to look for them.

Dog bite crisis

Punjab needs proactive steps, not band-aids

Punjab's stray dog crisis is spiralling out of control, with over two lakh dog bite cases reported in 2024. Ludhiana, Patiala and Mohali are leading the pack, with Mohali alone recording 16,047 cases. Yet, despite the alarming statistics and public outcry, Punjab is dragging its feet on providing financial compensation to victims, as mandated by the Punjab and Haryana High Court.

The tragic mauling of a nine-year-old boy in Nabha is a grim reminder of the growing menace. The problem is rooted in unregulated garbage dumps and sites like "hadda rodi", where animal remains are carelessly discarded, creating a haven for feral dogs. Urban eateries dumping bones and meat waste add fuel to the fire, making the problem even worse. The authorities appear more reactive than proactive. While the Nabha SDM has

ordered vaccinations and awaits reports, this piecemeal approach won't solve a crisis of this magnitude. Punjab needs a comprehensive action plan involving sterilisation drives, waste management reforms and education campaigns. Without this, incidents like Nabha will only multiply.

Adding insult to injury, the state has failed to honour the high court's directive to compensate victims adequately — Rs 10,000 per tooth mark and Rs 20,000 for severe wounds. For victims, this lapse is a double blow: suffering both physical trauma and bureaucratic indifference. The State Rabies Control Programme offers free vaccines, but lax enforcement of vaccination schedules could worsen health outcomes. As rising numbers of canine fury point to a silent emergency of epidemic proportions, Punjab must act decisively. It must collaborate with municipal bodies, health authorities and animal welfare groups to make cities safer for people and animals alike. Tackling dog bites needs proactive measures, not band-aids.

How our betis are faring, 10 years on

More attention needs to be paid to enforcing the legal age of marriage and incentivising births after 20 years.

As the Beti Bachao, Beti Padhao (BBBP) initiative becomes 10 years old, an evaluation of the programme leading to the ideal child sex ratio and promoting the empowerment and education of the girl child is fitting.According to the government press note issued on the 10th anniversary of the BBBP, the sex ratio at birth (SRB) has improved from 918 in 2014-15 to 930 in 2023-24. Also, the girls' enrolment in secondary education has improved from 75.5 per cent to 78 per cent during the same period. Additionally, women have been empowered through skilling, economic initiatives and widespread community engagement.While saluting these achievements, one must step beyond to understand how much women's lives have changed, for the better or worse. Comparisons need data and India relies on different surveys and data bases. They include the civil registration system, the sample registration system (annual) and the National Family Health Surveys (NFHS). The NFHS surveys (2015-16 and 2019-21) are the most reliable sources to compare and comment on wider issues as they provide a rich source of information. Because, after all the numbers are crunched and digested, ultimately, the true barometer of women's progress is their status in society.While measuring this, some things matter more than the others. One of the important determinants is her age at the time of marriage. This is because it is her health and her understanding of both childbearing and child-rearing that has an impact on generational health.The first questions that should stem from BBBP is whether the age of marriage of girls has gone up and whether teenage pregnancies have come down. This is because girls who marry young remain socially isolated and are denied the fruits of education.Despite the Prohibition of Child Marriage Act (2006), the practice of child marriage remains widespread. Though the NFHS data reveals a decline in child marriages, their number remains high. Child marriages have reduced from 47 per cent (in 2005-06) to (26 per cent) in 10 years and in the next five years, to around 23 per cent. Given the size of our country, 23 per cent is still unacceptably high.

While more girls may have been saved from being aborted, the benefits of poshan (nutrition) and padhai (education) would have eluded most girls who were married before 18. Because, among other factors, it is in the teenage years that anaemia is at its peak and has cascading effects on the patient's health.

The second important goal that BBBP has rightly focused on is curbing the practice of female foeticide. What is the status on that? The ideal child sex ratio, according to the WHO, is 950 girls to 1,000 boys. As per the latest NFHS-5 data, the ratio has gone up from 919 girls to 929 girls for every 1,000 boys born. This is good progress, but the data for many states remains far from satisfactory.According to figures released by the Government of Haryana, the sex ratio was recorded at 905 girls for 1,000 boys in the first 10 months of 2024. The districts of Gurugram (859), Rewari (868), Charkhi Dadri (873), Rohtak (880), Panipat (890) and Mahendragarh (896) were the worst performers, all recording a below-900 sex ratio. Despite economic progress, many Haryanvis still want sons. Exhortations alone will not change the overall picture of saving the girl child.A declining sex ratio means that female foetuses are being killed in the womb.Several other

states also have a child sex ratio less than 932, as per the NFHS-5. They include Rajasthan, Jharkhand, Punjab, Telangana, Maharashtra, Bihar, Goa, Himachal Pradesh, Odisha and Tamil Nadu. Delhi and Chandigarh, too, have adverse sex ratios.It shows that education and wealth, if anything, exacerbate the demand for sex determination, underscoring the craving for sons.At the same time, there has been a perceptible improvement in states like Andhra Pradesh, Uttar Pradesh, Gujarat, Madhya Pradesh and West Bengal. They are hovering nearer the WHO ideal. It indicates how much of the progress rests with the state leadership. A right-thinking chief minister can do wonders by giving primacy to BBBP and related health programmes.

It is a matter of comfort that the Health Ministry has extended the National Health Mission by five years. Started in 2005, the NHM has done more to improve the health indicators of women than any other programme.Among the achievements relevant in the context of women's status is the decline of India's fertility rate to below the replacement level. Though it is cause for fresh worry about what will happen to the states that are aging, the plus side is that except for the identified districts — mainly in Uttar Pradesh and Bihar — the days of unwanted and repeated child births are over. It is a great blessing for women.

Side by side, institutional births, that is births under medical supervision, have increased phenomenally. An institutional birth benefits women hugely as it ensures that they undergo antenatal check-ups and are sensitised and skilled in spacing out children, which also staves off unwanted pregnancies. As a result, maternal and infant mortality have reduced substantially.The increase in poorer households' access to clean drinking water, improved sanitation (toilets) and clean cooking fuel have also impacted women's lives for the better. Though they may not be directly related to BBBP, they give much reason for satisfaction.Taking the important indicators into account and without making BBBB a separate vertical silo, it is apparent that women's status has improved. The question is how much and in what respect.

How to use your Emergency Fund

New Delhi. Subra has Rs 1 lakh of emergency fund. Should Subra use that money to invest in ELSS to save some Income tax? – Reader's Question.

I asked her – how much is your monthly expenses? She said – Rs 50,000 but could go up to Rs 70,000. How much time did it take to build this Rs 1 lakh as emergency fund?This is what I told her: You need about Rs 4-6 lakh as emergency fund because you have young children and ageing parents to support. Right now, you have only Rs 1 lakh and you have struggled reaching here. Also, using Emergency fund for investing or even paying Income tax is not the best way to handle money! Paying taxes is better than investing in ELSS especially for you.

I would suggest you to start a SIP in an ELSS fund for R4,000 and a RD in a bank for Rs 5,000. At the end of the year, you would have invested Rs 48000 in ELSS and have a further Rs 60,000 in your emergency kitty. Your Emergency Fund should primarily be used for unexpected and urgent expenses for you or your parents that could impact you if not addressed promptly. Here are some specific scenarios where using your emergency fund would be appropriate:

Medical emergencies: Sudden health issues or accidents that require immediate medical attention, especially if your insurance does not cover all costs or if you need to pay upfront. If your medical insurance is not cashless, you should charge it on your credit card. On the due date, use your emergency fund.Job loss: If you're unexpectedly laid off or lose your job, the emergency fund can help cover living expenses while you search for new employment.Urgent home repairs: Emergencies like a refrigerator breakdown, or some major plumbing work, or electric work – has to be done, can be funded using EF. .Car repairs: Essential repairs if your vehicle breaks down unexpectedly, and you rely on it for work travel.Unforeseen travel: If you need to travel unexpectedly due to a family emergency or other critical situations. Of course, your credit card is what you will use, but on the due date you may have to use your emergency fund!

Govt invites applications for Sebi chief post as Buch's term ends on Feb 28

New Delhi. With less than a month left for the tenure of Madhabi Puri Buch to end as the chairperson of Securities and Exchange Board of India (Sebi), the Ministry of Finance has invited fresh applications for the post.

The last day for submission of applications is February 17. The current chairperson's tenure ends on February 28. Buch took charge of the board on March 1, 2022 and was the first person from the private sector and the youngest to hold the position. She is also the first woman to chair the market regulator. She had earlier served as the whole-time member of Sebi from April 2017 to October 2021. An extension in the term can't be ruled out if a proper candidate isn't found before Buch's term ends. Market watchers say several bureaucrats could be in the fray. The advertisement for the post was published in several newspapers on Monday. According to the advertisement, the new appointment will be for five years instead of the usual three-year tenure. The detailed application format will be made available on the Department of Economic Affairs' website.

Buch's last year in the office has remained turbulent with allegations from US-based short seller Hindenburg on the market regulator's probe in the Adani matter. The short seller, which has now decided to wind up its operations, had questioned the objectivity of Buch in the probe and alleged conflict of interest. Congress on the other hand had made accusations of corruption and benefiting from other corporates. However, Buch and her husband have refuted the allegations at different stages.

Further, Buch also faced criticism from Sebi employees, who went on protest on several matters, including allegations of "toxic work culture". The protests had forced Sebi to withdraw a press release on the HR-related issues.

Despite being at the centre of the storm, Buch's tenure also saw fast-paced changes in the regulatory ecosystem with faster settlements, more disclosures from foreign portfolio investments (FPIs), more ease of business steps for mutual funds, AIFs, and steps to curb float with the stock brokers.

Analysts maintain 'Buy' calls on ICICI Bank after Q3; see up to 32% upside

New Delhi. ICICI Bank share price was outperforming the stock markets on Monday, January 27, 2025, after showcasing a 'resilient' quarterly performance for the October-to-December quarter (Q3) of the current financial year (FY25).

On Saturday, private lender ICICI Bank's standalone Q3FY25 net profit jumped 14.8 per cent year–on–year (Y-o-Y) to Rs 11,792 crore.

The lender posted a healthy rise in net interest income (NII) to Rs 20,371 crore in Q3, up 9.1 per cent Y-o-Y. Its net interest margin stayed largely flat, cooling off 2 basis points (bps) to 4.25 per cent, compared to 4.27 per cent in the previous quarter.The growth in NII came on the back of a 15.1-per cent Y-o-Y and 3.2-per cent sequential growth in net advances to Rs 12.82 trillion. Total deposits, meanwhile, increased better-than-industry average at 14.1 per cent Y-o-Y and 1.5 per cent sequentially to Rs 15.20 trillion.

ICICI Bank's asset quality remained resilient during a tough macro environment with gross non-performing assets (GNPAs) ratio coming at 1.96 per cent as of December 31, 2024, compared to 1.97 per cent as of September 30, 2024. The net NPA ratio was 0.42 per cent at the end of December quarter.

New bid for TikTok from Perplexity AI could give US government 50% stake

WASHINGTON. Perplexity AI has presented a new proposal to TikTok's parent company that would allow the US government to own up to 50% of a new entity that merges Perplexity with TikTok's US business, according to a person familiar with the matter.The proposal, submitted last week, is a revision of a prior plan the artificial intelligence startup had presented to TikTok's parent ByteDance on Jan. 18, a day before the law that bans TikTok went into effect.The first proposal, which ByteDance hasn't responded to, sought to create a new structure that would merge San Francisco-based Perplexity with TikTok's US business and include investments from other investors.The new proposal ould allow the US government to own up to half of that new structure once it makes an initial public offering of at least $300 billion, said the person, who was not authorized to speak about the proposal. The person said Perplexity's proposal was revised based off of feedback from the Trump administration.If the plan is successful, the shares owned by the government would not have voting power, the person said. The government also would not get a seat on the new company's board.ByteDance and TikTok did not immediately responded to a request for comment.Under the plan, ByteDance would not have to completely cut ties with TikTok, a favorable outcome for its investors. But it would have to allow a "full US board control," the person said.Under the proposal, the China-based tech company would contribute TikTok's US business without the proprietary algorithm that fuels what users see on the app, according to a document seen by the Associated Press. In exchange, ByteDance's existing investors will get equity in the new structure that emerges.The proposal seems to mirror a strategy Steven Mnuchin, treasury secretary during Trump's first term, discussed Sunday on Fox News' Sunday

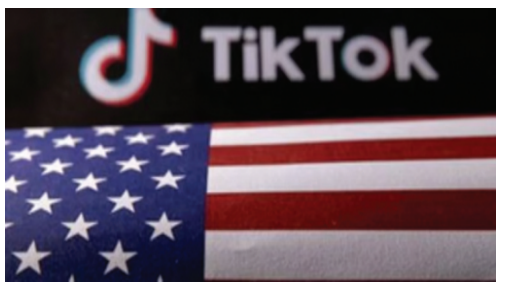

Morning Futures — that a new investor in TikTok could simply "dilute down" the Chinese ownership and satisfy the law. Mnuchin has previously expressed interest in investing in the company."But the technology needs to be disconnected from China," he added. "It needs to be disconnected from ByteDance. There's absolutely no way that China would ever let us have something like that in China."The Perplexity proposal comes as several investors are expressing interest in TikTok. President Donald Trump said late Saturday that he expects a deal will be made in as soon as 30 days.

On a flight from Las Vegas to Miami on Air Force One, Trump also said he hadn't discussed a deal with Larry Ellison, CEO of software maker Oracle, despite a report that Oracle, along with outside investors, was considering taking over TikTok's global operation."Numerous people are talking to me. Very substantial people," Trump said. "We have a lot of interest in it, and the United States will be a big beneficiary. ... I'd only do it if the United States benefits."Under a bipartisan law passed last year, TikTok was to be banned in the United States by Jan. 19 if it did not cut ties with ByteDance. The Supreme Court upheld the law, but Trump then issued an executive order to halt enforcement of the law for 75 days.Trump, on Air Force One, noted that Ellison lives "right down the road" from his Mar-a-Lago estate, but added, "I never spoke to Larry about TikTok.

Sensex, Nifty extend losses; IT and metal stocks drag markets down

NEW DELHI. Benchmark stock market indices opened lower, extending their losses this month led by a decline in IT and metal sector stocks.The S&P BSE Sensex tanked 378.29 points to 75,812.17, while the NSE Nifty50 was down by 92.40 points to 22,999.80 as of 9:45 AM.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services said that the market sentiment has turned weak.Sustained FPI selling (Rs 69000 crores in January, so far) is impacting the market. Despite DII buying of Rs 67,000 crore in January, so far, the market is under pressure. A major concern is that President Trump is coming up with new threats like the 25 % tariff on Columbia for its refusal to take back deported illegal immigrants. The threatened 25% tariff on Canada and Mexico might be implemented from February 1st onwards. Therefore, will Trump walk his talk on other threats including tariffs on China and other countries, is a question that is being asked in economic and market circles now. These concerns are weighing on the markets," he added.Several heavyweight stocks showed mixed performance. Britannia Industries led

the gainers with a 2.01% jump, followed by ICICI Bank which rose by 1.15%. Hindustan Unilever continued its positive momentum with a 1.08% increase, while Larsen & Toubro added 0.77% to its value. State Bank of India rounded off the gainers with a modest uptick of 0.62%.JSW Steel took the biggest hit, dropping 2.57%. Power Grid Corporation wasn't far behind with a decline of 1.98%, while HCL Technologies slipped by 1.84%. BEL (Bharat Electronics Limited) fell by 1.54%, and Wipro shares retreated by 1.34%.In a broad-based decline across sectors today, all Nifty sectoral indices were in the red, with no gainers in sight. The Nifty Midsmall Healthcare index emerged as the biggest laggard, tumbling 3.37%, while the Nifty Midsmall IT & Telecom sector wasn't far behind with a 3.19% drop.

The Nifty Media sector took a significant hit, falling 3.92%. Consumer-focused sectors also faced selling pressure, with Nifty Consumer Durables declining 2.34%. The metals space witnessed weakness as the Nifty Metal index fell 2.16%, while the technology sector represented by Nifty IT shed 1.95%.

Banking and financial indices showed relatively lower losses but remained negative - Nifty Bank dropped 0.84%, and both Nifty Financial Services indices declined by 0.64% and 0.84% respectively. Other sectors that felt the heat included Nifty Healthcare (down 1.85%), Nifty Oil & Gas (down 1.78%), and Nifty Auto (down 1.27%). The real estate sector showed some resilience, with Nifty Realty posting the smallest decline of 0.40%, though still ending in negative territory."This 6-day week is likely to be highly volatile with other major events like the Fed decision and the Budget in India. The market is looking forward to fiscal stimulus through income tax cuts in the Budget. If the expectations are met, there can be a relief rally in the market. But if a rally is to sustain, we need data indicating growth and.

EV market share will double in 2025: Vivek Srivatsa

NEW DELHI. Tata Motors, India's largest electric carmaker, remains unfazed by potential market share pressures despite major competitors - Maruti Suzuki, Mahindra & Mahindra and Hyundai - launching/unveiling their much anticipated electric vehicles (EVs) in recent times."The EV market is set to expand, and consumers will begin comparing products more closely. This is a positive development for us because we are confident in the strength of our offerings. We are the only company in India with 2 lakh EV customers who have collectively covered over 5 billion kilometers. This gives us a significant advantage," Vivek Srivatsa, Chief Commercial Officer of Tata Passenger Electric Mobility told TNIE.He added, "The trust we have built, the diverse customer base we serve, and the wide product range we offer - from Rs 8 lakh to Rs 22 lakh - are key factors in our leadership. With more EVs in the pipeline, this range will only grow. We are confident in our position and not concerned about market share." Tata Motors was the top EV seller with 61,496 units sold in 2024, compared to 60,100 in 2023.However, its market share decreased from 73% to 62%. Going forward in 2025, Tata Motors will be launching the Harrier EV in the first half of the year and the much anticipated Sierra EV in the second half. These two models will help Tata Motors to take on the new EVs launched by Mahindra & Mahindra, Hyundai's Creta Electric and Maruti Suzuki's e Vitara. Srivatsa said that with more players joining the EV space, the category as a whole will grow significantly."Currently, EVs make up a little over 2% of the total passenger vehicle market. We need to surpass the 5-6% mark, and once that happens, the growth will accelerate rapidly. It is possible for the EV market to double its penetration this year."However, for the overall passenger (PV) vehicle market, he expects the growth rate to slow. "2025 is likely to be a challenging year for the PV industry. Over the past 3-4 years, the industry witnessed spectacular growth, but this year, that growth is expected to moderate, especially given the high stock levels across the network," said Srivatsa. PVs grew by 4.2% in 2024 as compared to last year, with sales of around 4.3 million units.For Tata Motors, Srivatsa said that sales growth this year will be led by EVs and CNG-powered vehicles. He added that their recently launched coupe SUV Curvv is performing "very well". "It has a unique, differentiated design, and Indian consumers often take some time to fully appreciate innovative designs. I am confident that as the car becomes more visible on the roads, its sales will grow significantly," he said.

Why generate an investment rulebook

New Delhi. India completed 75 years of being a Republic on Sunday. It was no mean achievement for a country that pundits predicted would fail in the 40s and 50s. All stakeholders must follow the Constitution as a guidebook regardless of political ideology. Despite multiple differences, there is a relative public consensus that we have to function as a democracy and follow the laws in the written Constitution.Imagine your life as a chaotic place like India in 1947. There are problems galore. Unlike the situation then, the risks to your life are low. However, you know that you need to take control of it. You need to establish an order that allows you to lead an everyday life. The role of money in your life cannot be understated.The root cause of disruption in life is related to your finances. They may not aligned with your life goals. But you know your future depends on how you handle your income and expenditure. You also know that your savings and investments require a rule book you agree to without grumbling.

The reason to flag that concern as we celebrate 75 years of being a Republic is due to the churn you do with your mutual fund systematic investment plans. Almost 90% of the SIPs that power the Indian domestic investment into the stock market are withdrawn within three years. There could be several reasons for that.

First, it could be a loss of income. There is a possibility that you do not have the money to continue making that commitment any more. That could lead to the snapping of fixed commitments like SIPs every month that are meant for the future. Your state of work may look uncertain now, but it is unlikely to remain like that forever. You will find work sooner than later.The lesson to learn here is that you cannot stop investing no matter what. You can scale it down, but continue to invest. You can always step up as you regain your income. You must ensure that your commitments are manageable even if you suffer an income loss in the short term. That requires astute financial management.

Why H-1B visa matters to students, workers

BENGALURU. Ever since the announcement of the H-1B visa reform programme, foreign talent, especially Indians studying or working in the US have been concerned about uncertainties, and with US President Donald Trump's executive order on birthright citizenship, concerns are now growing among visa holders.

Who can apply for H-1B visa?

Through this programme, US employers can hire foreign workers in specialty occupations. According to US Citizenship and Immigration Services (USCIS), the specific duties of the offered position are so specialised, complex or unique that the knowledge required to perform them is associated with the attainment of a US bachelor's or higher degree.

"One thing is certain, the recent H-1B visa reforms will make a significant impact on how foreign talent, particularly from India, will navigate the US job market. The new rules are designed to streamline the application process and enhance flexibility for employers. This means that companies can now more easily retain skilled workers who are crucial for their growth and innovation," says Somdutta Singh, Founder and CEO Assiduus and Investor with Karma Holdings.

Fullscreen

Interestingly, Indians are the biggest beneficiaries of this visa programme, and top Indian IT firms heavily rely on H-1B visas. According to USCIS, Amazon is the top beneficiary with 9,265 visas, followed by Infosys with 8,140 visas for the fiscal year ended September 30, 2024. Out of the total 1.3 lakh visas issued, close to 24,766 visas were issued to Indian-origin firms. With a new registration process that has been put in place, experts believe it will improve the transition process for F-1 visa holders (US student visa) moving to H-1B status.

About 85,000 (65,000+ 20,000 additional visas) H-1B visas are issued each year. Apart from a base filing fee of $460 for H-1B petitions, employers also pay anti-fraud fees and premium processing fees, among others. Usually, H-1B status is valid up to 3 years and also extendable up to another 3 years. A H-1B visa holder can work till six years.After six years, the employer can submit again a petition with a request to extend one's status. Also, the proposed changes in the new programme can raise the minimum salary requirement of visa holders from $60,000 to over $1,20,000."With automatic cap-gap extensions, students will no longer face the anxiety of losing their lawful status while waiting for their applications to be processed. This is a game-changer for many international students who aspire to build their careers in the US. Moreover, the revisions to what constitutes a "specialty occupation" are noteworthy.

The updated criteria ensure that there's a clear connection between job duties and required degrees, making it easier for both employers and applicants to understand eligibility. This clarity is essential in preventing confusion and ensuring that qualified candidates can secure positions that match their skills," adds Singh.

For entrepreneurs, those who own a majority stake in their companies can now self-petition for H-1B visas under stricter conditions, allowing them to pursue their business ventures more freely. "With the Trump administration's policies, particularly regarding H-1B visa regulations, the global talent landscape has shifted notably," says Dhriti Prasanna Mahanta, VP, TeamLease Degree Apprenticeship.

Northwest Delhi starts voter information slips distribution ahead of election

The slips aim to inform the eligible voters about their enrolment in the voter list.

NEW DELHI. The North-West Delhi District Election Office announced on Sunday that it has started distributing voter information slips for the Delhi Assembly elections to be held on February 5. The slips aim to inform the eligible voters about their enrolment in the voter list.

District Election Officer and Deputy Commissioner Ankita Anand said, "The voter information slips will be distributed throughout the district... This initiative ensures that all eligible voters are informed about their enrolment and are ready to exercise their democratic right on February 5."

Election officials have begun reaching out to every household in the district to distribute the voter information slips which will include essential information such as the voter's name, polling station and other relevant details. This will make it easier for citizens to find their polling booths and vote

without difficulty, a statement said. Anand highlighted the importance of the initiative, saying, "Our teams are working hard to ensure no eligible voter is left uninformed. We encourage all citizens to check their VIS and confirm their details to avoid any issues on polling day."

She also said colour coding for polling booths would help citizens find their polling stations without hassles. With the elections approaching, the District Election Office is committed to ensuring a smooth and transparent voting process in North-West Delhi, the statement added. Elections to the 70-member Delhi Assembly will be held on February 5 and the votes counted on February 8.

Colour coding for polling booths

District Election Officer and Deputy Commissioner Ankita Anand said colour coding for polling booths would help citizens find their polling stations without hassles. Anand highlighted the importance of the initiative, saying, "Our teams are working hard to ensure no eligible voter is left uninformed. We encourage all citizens to check their VIS and confirm their details to avoid any issues on polling day."

Development talk drowned in deluge of freebies in Delhi

AAP alleges that if Bharatiya Janata Party (BJP) came to power the freebies already in the market would be withdrawn.

Delhi. As the campaign for the Delhi assembly election peaks, in this season of sesame-jaggery-sugar (revdi) sweets, competing political parties are announcing freebies after freebies.

Aam Aadmi Party (AAP)'s poster boy Arvind Kejriwal is taking this fight to another level claiming that if Bharatiya Janata Party (BJP) came to power the freebies already in the market would be withdrawn.

His claim has been countered by no less a person than the Prime Minister Narendra Modi himself. On behalf of the BJP, he has given a guarantee that not only would the existing jaggery-sugary schemes continue but if his party was voted to power he would value add to these schemes making them more creamy with the icing. The Congress discourse, too, is similar to that of the leading parties. Let this writer be not declared anti-poor, let me explain how the freebies are different from the public welfare schemes.In a Reserve Bank of India report in 2022, freebies have been defined as "a public welfare measure that is provided free of charge". The report further stated that the freebies were different from public/merit goods such as health and education, expenditure on which has wider and for long-term benefits.

The difference between freebies and welfare schemes is not always clear, but a general way to distinguish them is by their long-term impact on beneficiaries and society. Welfare schemes have a positive impact, while freebies can create dependency or distortions.

Delhi traffic advisory issued for beating retreat rehearsals

NEW DELHI. The Delhi Police has announced detailed traffic arrangements ahead of the Beating Retreat rehearsals scheduled for Monday and Tuesday at Vijay Chowk. The rehearsals, a precursor to the formal conclusion of Republic Day celebrations on January 29, will necessitate significant traffic restrictions.

According to the advisory, Vijay Chowk will remain closed for general traffic from 2pm to 9:30pm on both days. Restrictions will also be in place on key routes, including Rafi Marg (between Sunehri Masjid and Krishi Bhawan roundabouts), Raisina Road (from Krishi Bhawan towards Vijay Chowk), Dara Shikoh Road, Krishna Menon Marg, Sunehri Masjid, and Kartavya Path (between Vijay Chowk and 'C'-Hexagon). Motorists are advised to avoid the restricted areas and opt for alternate routes such as Ring Road, Ridge Road, Aurobindo Marg, Madarsa T-Point, Safdarjung Road, Kamal Ataturk Marg, Rani Jhansi Road, and Minto Road to minimise inconvenience, it said. The advisory highlights temporary diversions for DTC and other city buses. Central Secretariat-bound buses will terminate at Udyan Marg and return via Kali Bari Marg, Mandir Marg, and Shankar Road.

Hottest Republic Day in 8 years: Why Delhi is unusually warm this January

New Delhi. Delhi has been witnessing an unprecedented rise in temperatures during the daytime recently, with the mercury reaching up to 26 degrees Celsius this month. In fact, it was the warmest Republic Day recorded in the national capital in eight years. The maximum temperature in Delhi shot up to 23.7 degrees Celsius on January 26, two notches above normal.The warmest Republic Day recorded in Delhi was back in 2017 when the city saw the maximum temperature rise to 26.1 degrees Celsius.

This is a rare occurrence for Delhi, where maximum temperatures typically remain below 25 degrees Celsius in January. While the minimum temperatures have dipped recently, the temperatures recorded in mornings have often crossed 10 degrees Celsius. This unusual pattern poses difficult questions — is it a natural phenomenon or the result of a mix of specific conditions?

Dry Westerly Winds Driving Daytime Temperature Increase

In recent times, Delhi and its surrounding areas have experienced strong southwesterly winds from the Arabian Sea, blowing at speeds of around 15 kilometres per hour. These winds are dry, unlike western disturbances, which typically carry moisture. Moisture in the air absorbs the solar radiation. Due to the absence of this moisture, more radiation ends up reaching the ground, resulting in a rise in temperatures.

Adiabatic Warming System Contributing to the Rise

Another factor that has been seen as a major cause behind the rise in temperatures is what is known as the adiabatic system. This adiabatic process develops when the air flows across two layers — the windward side (north of the Himalayas) and the leeward side (south of the Himalayas).On the windward side, there is rain or snow after the air rises to higher altitudes and cools down.

NASA Astronaut Shares Stunning Photos Of Maha Kumbh Mela From Space

The ISS, orbiting at 28,000 km per hour and 400 km above Earth, captured the grand religious event using its high-powered cameras.

New Delhi. The ongoing Maha Kumbh in Uttar Pradesh's Prayagraj has caught the attention of millions, not just on Earth but also from space. NASA astronaut Don Pettit, aboard the International Space Station (ISS), has shared images of the event, showing its grandeur from the sky.Mr Pettit, known for his exceptional astrophotography, posted the images on X, writing, "2025 Maha Kumbh Mela Ganges River pilgrimage from the ISS at night. The largest human gathering in the world is well lit." The tent city of Prayagraj near the Sangam - the confluence of the Ganga, Yamuna, and the mythical Saraswati rivers - dazzles in pictures. The Maha Kumbh Mela, held once every 144 years, is renowned for its massive gathering of pilgrims and its deep spiritual significance. The ISS, orbiting at 28,000 km per hour above Earth,

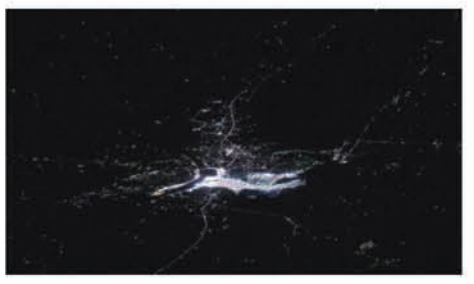

captured the event's glow using its high-powered cameras. The internet has since exploded with reactions to the stunning photos. A user commented, "That reminds me of being a star in space and having other stars gather with me until we create a supernova and result in a new universe being formed."Another wrote, "The 2025 Maha Kumbh Mela at the Ganges River, seen from the International Space Station at night, showcases the immense scale of this religious pilgrimage. The gathering, known as the world's largest human assembly, appears strikingly illuminated from space."The UP government invested Rs 400 crore to ensure 24/7 electricity during the 45-day festival that started January 13. Key upgrades include 182 km of high-tension lines, 40,000 rechargeable bulbs, and AI-enabled security measures like 2,700 CCTV cameras and underwater drones at the Triveni Sangam.

Don Pettit is accompanied on the ISS by fellow astronaut Sunita Williams and others. Ms Williams and her colleague Barry Willmore have spent 10 months on the ISS after their mission aboard Boeing's Starliner spacecraft was extended. Their return to Earth in February was further postponed due to delays in the SpaceX Crew 10 launch, now scheduled for late March 2025.

Parties outline agenda for Delhi election

NEW DELHI. The Prevention of Money Laundering Act has brought much misery to AAP in the past couple of years with its top leadership on central agency radar in various cases of alleged financial irregularities. The former chief minister, his deputy, and cabinet members have been occupied by prison visits, bail hearings and appeals.

Continuing inquiries into the alleged corruption, kickbacks and misuse of public office may become a raging issue in the Assembly polls, with implications for integrity of governance and AAP's political future.

BJP questioned why the AAP government did not table the CAG report in the Assembly, saying the report held revelations on AAP financial misappropriations which would prevent their re-election. The BJP flagged 'numerous scams under the Kejriwal regime,' accusing the latter of preventing discussion on these issues.

AAP, however, left no quarters to hit back at the BJP, saying the party had no moral ground of 'lecturing AAP on corruption.' Party leaders did not mince their words in attacking PM Modi for "harbouring the country's most corrupt" while diverting attention to pre-election narratives.

Congress also sought to corner AAP over corruption saying those who promised transparent governance and clean politics is being exposed in public view with each passing.

The CAG report, "withheld by AAP-da govt will be published in the first session of the Assembly with BJP in power." A white paper on AAP 'misgovernance' will also 'see light'.

'Zero tolerance' policy towards widespread corruption under AAP regime; "will constitute Special Investigation Team to probe 'irregularities' related to Delhi Transport Corporation, Mohalla clinics, Excise Policy, Jal Board, etc."

"Will set up a probe panel under the chairmanship of a retired judge of the Delhi High Court to conduct a time-bound investigation into the Sheeshmahal scam orchestrated by Arvind Kejriwal," BJP asserts. AAP says BJP has no moral bearing to lecture on corruption, accusing BJP of harbouring 'most corrupt' while diverting attention from issues with false narratives

US officials hunt for illegal immigrants in New York, New Jersey gurdwaras: Report

US Department of Homeland Security officials have started visiting Gurdwaras in New York and New Jersey to target undocumented immigrants, sparking backlash from Sikh groups.

New Delhi.US Department of Homeland Security (DHS) officials have begun visiting Gurudwaras in New York and New Jersey to hunt illegal immigrants amid President Donald Trump's crackdown on undocumented aliens in the country. This move has drawn criticism from several Sikh organisations, which view the action as a threat to the sanctity of their religious spaces.

Reports suggest that some gurdwaras in these areas may be used as gathering places by Sikh separatists and undocumented immigrants.

The shift in policy came shortly after Donald Trump was sworn in as President. Acting DHS Secretary

Benjamine Huffman issued a directive reversing the Biden administration's guidelines on Immigration and Customs Enforcement (ICE) and Customs and Border Protection (CBP) enforcement. The previous guidelines had restricted enforcement actions in or near "sensitive" areas, including places of worship such as gurdwaras.

"This action empowers the brave men and women in CBP and ICE to enforce our immigration laws and catch criminal aliens — including murders and rapists—who have illegally come into our country," a DHS spokesperson was quoted as saying by news agency PTI in its report. The spokesperson added, "Criminals will no longer be able to hide in America's schools and churches to avoid arrest. The Trump administration will not tie the hands of our brave law enforcement, and instead trusts them to use common sense."

"Death Great Leveller": Supreme Court's Split Verdict In Bastar Burial Case

Subhash Baghel's son Ramesh had approached the top court after some neighbours stopped them from burying Subhash's body in the village because they had converted to Christianity.

New Delhi. The Supreme Court today delivered a split verdict in the case relating to the burial of a Christian pastor in Chhattisgarh's Bastar, but did not refer the matter to a larger bench because the body has been in the morgue for nearly three weeks now. The court directed that the body of Subhash Baghel be buried at a Christian graveyard 20 km away and asked the state administration to provide all support.

Subhash Baghel's son Ramesh had approached the top court after some neighbours stopped them from burying Subhash's body in the village burial ground because they had converted to Christianity. The High Court had earlier said the Baghels' insistence on burial at the village graveyard may lead to a law and order situation. The bench of Justice BV Nagarathna and Justice Satish Chandra Sharma had earlier said it was "pained" that a person had to come to the Supreme Court for his father's burial.

Ramesh Baghel's lawyer Colin Gonsalves had argued that the family members were buried in the village burial ground even though they had converted. "I don't want to go outside the village... I don't want to be treated like an untouchable just because I converted." Solicitor General Tushar Mehta opposed this and said this was the beginning of a "movement" that may lead to a disturbance between tribal Hindus and tribal Christians. "Just 20 km away there is a Christian burial ground. This ground is a Hindu tribal burial ground," he said.

Justice Nagarathna today said there were two judgments and went on to deliver hers. "It is said that death is a great leveller and we need to remind ourselves of this. This death has led to divisiveness among villagers on the right to burial. The appellant says there is discrimination and prejudice," she said. Justice

Nagarathna noted that the High Court accepted a suggestion that displaced the practices being followed in the village. "The death of the person has given (way) to disahrmony since it was not solved by the village panchayat. Panchayat has been taking sides which led to the case in high court and Supreme Court."

She pointed to the police affidavit that says a Christian convert cannot be allowed burial on the village grounds. "This is unfortunate and violates Articles 21 and 14 and furthers discrimination on the grounds of religion. The State cannot deny equality before the law. How could ASP Bastar give such an affidavit and what was the authority? it betrays the sublime principle of secularism."

Pulling up the village panchayat, she said its attitude gave rise to hostile discrimination. "The gram panchayat failed in its duty to provide burial which led to social ostracisation of appellant and his family." Justice Nagarathna directed that the burial be done on Baghels' private agricultural land. She also said the State must earmark a graveyard for Christians across all states within two months. But, Justice Sharma disagreed with this. Justice Sharma said he was "unable to persuade myself to the directions issued". "The fulcrum seems to boil down to whether fundamental rights to conduct religious burial ceremonies be extended to other places earmarked for other faiths in a blanket manner," he said.

NEWS BOX

World marks 80th anniversary of Auschwitz liberation

OSWIECIM. The world marks the 80th anniversary of the liberation of Auschwitz on Monday, with some of the few remaining survivors set to attend ceremonies at the site of the notorious Nazi death camp.Auschwitz was the largest of the extermination camps and has become a symbol of Nazi Germany's genocide of six million European Jews, one million of whom died at the site between 1940 and 1945, along with more than 100,000 non-Jews.On Monday former inmates, along with Polish President Andrzej Duda, are expected to lay flowers at the sprawling camp's Wall of Death in the morning.Around 50 survivors are then expected at a commemoration from 1500 GMT outside the gates of Auschwitz II-Birkenau alongside dozens of leaders, including Britain's King Charles III and French President Emmanuel Macron.German President Frank-Walter Steinmeier and Chancellor Olaf Scholz are both expected, as well as Israeli Education Minister Yoav Kisch."This year we will focus on the survivors and their message," Auschwitz Museum spokesman Pawel Sawicki told AFP. "There will not be any speeches by politicians."

Speaking to AFP ahead of the anniversary, survivors around the world spoke about the need to preserve the memory of what happened when there will no longer be living witnesses.They also warned about rising hatred and anti-Semitism around the world and spoke of their fears about history repeating itself.

Organisers said it could be the last major anniversary with such a large group of survivors."We all know that in 10 years it will not be possible to have a large group for the 90th anniversary," Sawicki said.

Organisers said it could be the last major anniversary with such a large group of survivors."We all know that in 10 years it will not be possible to have a large group for the 90th anniversary," Sawicki said.

700 survivors

Auschwitz was created in 1940 using barracks in Oswiecim, southern Poland. Its name was Germanised into Auschwitz by the Nazis.

The first 728 Polish political prisoners arrived on June 14 of that year.On January 17, 1945, as Soviet troops advanced, the SS forced 60,000 emaciated prisoners to walk west in what became known as the "Death March".

US officials conduct raids in gurdwaras in New York, New Jersey to check for illegal immigrants

World. mmigration enforcement officials from the US Department of Homeland Security (DHS) visited gurdwaras in New York and New Jersey on Sunday to check for the presence of "illegal" immigrants, drawing a sharp reaction from some Sikh organisations which see such actions as a threat to the sanctity of their faith."This action empowers the brave men and women in CBP and ICE to enforce our immigration laws and catch criminal aliens—including murders and rapists—who have illegally come into our country," a DHS spokesperson said."Criminals will no longer be able to hide in America's schools and churches to avoid arrest. The Trump administration will not tie the hands of our brave law enforcement, and instead trusts them to use common sense," the spokesperson added.US President Donald Trump's administration has begun targeted action against immigrants seen as "illegal" by the administration.

The Republican administration had retracted the Biden administration guidelines that prevented enforcement actions near areas deemed "sensitive". These included places of worship like gurdwara and churches.Earlier, Vice-president JD Vance refused to rule out the possibility of immigration raids targeting religious buildings and said such measures are "not unique" to immigration."If you have a person who is convicted of a violent crime, whether they are an illegal immigrant or not, you have to go and get that person to protect the public safety," Vance said.

Bird feathers and bloodstains found in Jeju jet engines: Report

SEOUL. Bird feathers and bloodstains were found in both engines of the Jeju Air plane that crashed in December, killing 179 people, according to a preliminary investigation released Monday.

The Boeing 737-800 was flying from Thailand to Muan in southwest South Korea on December 29, carrying 181 passengers and crew, when it belly-landed and exploded into a fireball after slamming into a concrete barrier.It was the worst aviation disaster on South Korean soil.South Korean and American investigators are still probing the cause of the crash, with a bird strike, faulty landing gear and the runway barrier being examined as possible issues.

Both engines recovered from the crash site were inspected, and bird bloodstains and feathers were "found on each", the report said."The pilots identified a group of birds while approaching runway 01, and a security camera filmed HL8088 coming close to a group of birds during a go-around," the report added, referring to the jet's registration number.It did not specify whether the engines had stopped working in the moments leading up to the crash.

DNA analysis identified the feathers and blood as coming from Baikal teals, migratory birds which fly to Korea in winter from their breeding grounds in Siberia.The report also confirmed that both the cockpit voice recorder and flight data recorder had stopped working four minutes before the disaster, leaving a gap in the data.It did not suggest a cause for the malfunction.The captain had over 6,800 flight hours, while the first officer had 1,650 hours, the report said. Both were killed in the crash, which was survived only by two flight attendants.

Trump's celebration of American greatness puts a spotlight on a little-known panel of experts

World Within hours of taking office, President Donald Trump outlined in one of his many executive orders a mission to celebrate American greatness and to recognize those who have made contributions throughout history.He jumpstarted the effort by ordering the name of North America's tallest peak to be changed from Denali back to Mount McKinley in honor of the nation's 25th president, William McKinley. He also called on the US Interior Department to work with Alaska Natives and others to adopt names for other landmarks that would honor their history and culture.

The US Board on Geographic Names will play a role. The little known panel made up of officials from several federal agencies has been in existence since 1890.

How did the board get its start?

As more settlers and prospectors headed west following the American Civil War, it became apparent the federal government needed some kind of consistency for referencing landmarks on maps and in official documents.In comes President Benjamin Harrison. He issued an executive order establishing the board in hopes of resolving some of the confusion.President Theodore Roosevelt took it further in 1906, making the board responsible for standardizing geographic names for use across the federal government. That included changing names for some spots and identifying unnamed features.It was President Franklin Roosevelt who dissolved the board in 1934, opting instead to transfer duties to the Interior Department. After World War II, Congress changed course and reestablished the panel.The board under the Trump administration will have new members, but the makeup will be the same with representatives from several agencies ranging from the Interior and Commerce departments to the Post Office and the Library of Congress. Even the CIA plays a role when the board considers place names beyond US borders.The members are appointed for two-year terms by the

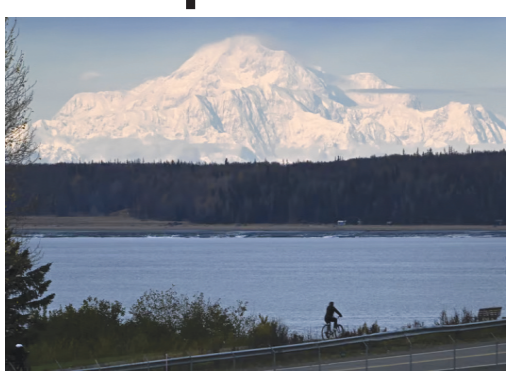

respective heads of the agencies they represent. The committee that deals with names on US soil meets monthly.

What's in a name?

The board is quite aware of the importance of a name, noting in its guiding principles, policies and procedures that the names of geographic features throughout the US reflect the nation's history and its changing face.The board points out that names of Native American origin are found sprinkled throughout the land and there are traces of the languages spoken by early explorers."It is in these ways and many others that geographic naming gives us a clear, exciting profile of the United States that is unmatched in any other medium," the board states.In the case of Mount McKinley, original inhabitants had unique names for the mountain long before prospectors showed up. For the Koyukon Athabaskans, it's always been "deenaalee," roughly translated as "the high one."

Despite never having visited Alaska, McKinley's name became attached to the mountain in 1896, labeled by a gold prospector after the Republican was nominated as a presidential candidate. McKinley, who signed legislation in 1900 making gold the sole standard for US currency, was assassinated just six months into his second term and the name Mount McKinley stuck.

LPG tanker explodes in Pakistan, killing six people

LAHORE. A tanker filled with liquified petroleum gas exploded in an industrial area in Pakistan's Punjab province, killing at least six persons, including a minor girl, and injuring 31, authorities said on Monday.The incident took place at the Industrial Estate in Multan's Hamid Pur Kanora area, according to rescue authorities.

The explosion in the LPG tanker that occurred on Monday triggered a massive fire, with debris from the shattered vehicle landing on nearby residential areas, causing significant destruction, Geo News reported.

Rescue officials said that the fire was extinguished after hours of effort, involving over ten firefighting vehicles and foam-based fire suppression.A total of five people were initially reported to have lost their lives in the deadly blast.However, the death toll rose to six after rescue officials recovered another body from a house damaged by the explosion.The deceased include a minor girl and two women, the report added.The police reported that at least 20 houses surrounding the explosion site were completely reduced to rubble, while 70 were partially damaged.

Multan's City Police Officer (CPO) Sadiq Ali told Geo News that several houses were destroyed, and livestock perished in the blaze.He said that gas had been leaking from one of the valves

of the tanker truck parked in the Industrial Estate. Some of the people present in the area had already evacuated after smelling the gas before the tanker exploded, he added.Ali further stated that gas leakage from the tanker persists, prompting authorities to evacuate the area. Among the injured, 13 are reported to be in critical condition.The District Emergency Officer confirmed that an emergency has been declared at Nishtar Hospital, where the injured are receiving treatment.Search operations are ongoing in the adjacent localities to ensure safety.Electricity and gas supply in the area has been suspended as a precautionary measure, though Multan-Muzaffargarh Road has now been reopened for traffic.

Meanwhile, locals have been advised to stay away from the site of the blast as the gas from the exploded tanker is in the air.Later, the police revealed that the location of the incident was identified as an illegal LPG refilling warehouse and the explosion occurred during refilling operations.They said the LPG was being transferred from a large gas bowser to smaller bowsers and commercial cylinders at the site.The police further stated that the large gas bowser allegedly carried smuggled LPG.Five small and large gas bowsers present in the warehouse were destroyed in the explosion, they added.

White House says Colombia agrees to take deported migrants after Trump tariff showdown

BOGOTÁ, Colombia. The White House declared victory in a standoff with Colombia over accepting deported migrants from the United States on Sunday, following President Donald Trump's threats of steep tariffs on Colombian imports and other sanctions against the longtime U.S. ally.White House Press Secretary Karoline Leavitt announced late Sunday that Colombia had agreed to accept all deported migrants from the U.S., including those flown on U.S. military aircraft, without restrictions or delays.

Leavitt stated that the tariffs, which would have imposed an initial 25% on Colombian goods and increased to 50% within a week, would be held in reserve and not signed. However, she emphasized that visa restrictions on Colombian officials and enhanced customs inspections of Colombian imports would remain in place until the first deportation flight was successfully completed.The Colombian government has not issued an immediate response.

Earlier on Sunday, tensions escalated as the U.S. and Colombia clashed over deportation policies.

President Gustavo Petro refused to allow U.S. military aircraft carrying deported Colombian migrants to land, citing concerns over the dignity and treatment of migrants.In response, Trump announced a series of retaliatory measures, including visa restrictions on Colombian officials, 25% tariffs on Colombian imports (with plans to raise them to 50%), and enhanced customs inspections for Colombian goods.

Trump argued that these measures were necessary to protect U.S. national security, stating that Petro's decision jeopardized the deportation process. "These measures are just the beginning," Trump wrote on his social media platform, Truth Social. "We will not allow the Colombian Government to violate its legal obligations regarding the return of the criminals they forced into the United States."Petro defended his position in a series of posts on X (formerly Twitter), criticizing the U.S. for treating migrants like criminals. He shared footage of deportees in Brazil being restrained with handcuffs and shackles, calling for deportation protocols that ensure dignity. "A migrant is not a criminal and must be treated with the dignity that a human being deserves," Petro stated. He also announced a 25% tariff increase on U.S. goods in retaliation for Trump's measures.The U.S. and Colombia have been close allies, especially in anti-narcotics efforts, but relations have strained since Petro, Colombia's first leftist president, took office in 2022.The current conflict highlights these tensions, particularly as Colombia ranks among the top countries receiving U.S. deportation flights. Between 2020 and 2024, Colombia accepted 475 deportation flights, according to advocacy group Witness at the Border.The retaliatory measures risk disrupting a trade relationship built on a two-decade-old free trade agreement. Colombia is a key U.S. trading partner, importing $733 million worth of U.S. commodities last year and serving as the second-largest buyer of U.S. corn.

Displaced Palestinians start returning to north Gaza for the first time in over a year as truce holds

GAZA. Israel on Monday began allowing Palestinians to return to the heavily destroyed north of the Gaza Strip for the first time since the early weeks of the 15-month war, in accordance with a fragile ceasefire.Thousands of Palestinians headed north after waiting for days to cross.Journalists saw people crossing the so-called Netzarim corridor shortly after 7 a.m. when the checkpoints were scheduled to open.The passage of displaced Palestinians has begun along the Al-Rashid Road via the western part of the Netzarim checkpoint towards Gaza City and the northern part of the Gaza Strip, an official at the territory's Hamas-run Interior Ministry confirmed.The opening was delayed for two days over a dispute between Hamas and Israel, which said the militant group had changed the order of the hostages it released in exchange for hundreds of Palestinian prisoners. Mediators resolved the dispute overnight.Israel ordered the wholescale evacuation of the north in the opening days of the war and sealed it off shortly after ground troops moved in.Around a million people fled to the south in October 2023 and have not been allowed to return. Hundreds of thousands remained in the north, which had some of the heaviest fighting and the worst destruction of the war.Israel had delayed the opening of the crossing,

which was supposed to happen over the weekend, saying it would not allow Palestinians north until a female civilian hostage, Arbel Yehoud, was released.It also accused Hamas of failing to provide information on whether the remaining hostages set to be freed in the first phase are alive or dead. Hamas in turn accused Israel of violating the agreement by not opening the crossing.The Gulf nation of Qatar, a key mediator with Hamas, announced early Monday that an agreement had been reached to release Yehoud along with two other hostages before Friday.

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu said in a statement that the hostage release — which will include female soldier Agam Berger — will take place on Thursday. That release will be in addition to the one already set for next Saturday, when three hostages should be released.Hamas also handed ove a list of required information about the hostages to be released in the ceasefire's six-week first phase.A second and more difficult phase awaitsUnder the first phase of the ceasefire, which runs until early March, Hamas is to free a total of 33 hostages in exchange for the release of nearly 2,000 Palestinians imprisoned by Israel.The militants have released seven hostages, including four female soldiers, in the current ceasefire, in exchange for more than 300 prisoners, including many serving life sentences for deadly attacks on Israelis.

Rwanda-backed M23 rebels claim Goma, Congo calls it a 'declaration of war'

GOMA. Rwanda-backed rebels claimed they captured eastern Congo's largest city, Goma, early Monday, as the United Nations described a "mass panic" among its 2 million people and Congo's government said the rebel advance was a "declaration of war."The M23 rebels announced the city's capture in a statement minutes before a 48-hour deadline expired that had been imposed by the group for the Congolese army to surrender their weapons. Early Monday morning, gunfire was heard throughout the city, according to two aid workers sheltering there who were not authorized to speak to the media.

In a statement, the rebels urged residents of Goma to remain calm and for members of the Congolese military to assemble at the central stadium.The M23 rebels' offensive in the heart of the mineral-rich region threatens to dramatically worsen one of Africa's longest wars and further displace civilians. According to a United Nations report, over a third of the population of North Kivu province where Goma is located are currently displaced and the capture of Goma will likely exacerbate the situation.Late Sunday night, UN peacekeepers began to process members of the military who had begun to surrender on the outskirts of the city.Congolese government spokesman Patrick Muyaya made a statement in a video posted on X calling for the protection of civilians and saying that the country is "in a war situation where the news is changing."Late Sunday, the U.N.'s special representative for Congo told an emergency meeting of the U.N. Security Council that with the airport shut down and roads blocked in the vast region's humanitarian and security hub, "we are trapped."Congo late Saturday broke off relations with Rwanda, which has denied backing the M23 despite evidence collected by U.N. experts and others. The surge of violence has killed at least 13 peacekeepers over the past week. And Congolese were again on the run.The M23 has made significant territorial gains along Congo's border with Rwanda in recent weeks, after months of regional attempts to make peace failed. On Sunday night, the

rebels called on Congo's army to surrender their arms and present themselves at a local stadium by 3 a.m. or they would take the city.The Uruguayan army, who are in Goma serving with the U.N. peacekeeping mission, said in a statement on X late Sunday that some Congolese soldiers have laid down their weapons."More than a hundred FARDC soldiers are sheltered in the facilities of the "Siempre Presente" base awaiting the (Disarmament, Demobilization and Reintegration) process," the statement said.In photos shared with the statement, armed men are seen registering with the peacekeepers in a mix of military uniforms and civilian clothing.The U.N. special representative, Bintou Keita, told the Security Council that despite U.N. peacekeepers' support for the Congolese armed forces, M23 and Rwandan forces entered the Munigi neighborhood on Goma's outskirts, "causing mass panic." Munigi is 9 kilometers (5 miles) from the city.Keita said M23 fighters were advancing and using residents "as human shields" as others fled for their lives."M23 has declared the airspace over Goma closed," she added. "In other words, we are trapped." She said the U.N. was temporarily relocating nonessential personnel from the city.Congo's foreign minister, Thérèse Kayikwamba Wagner, told the Security Council that Rwanda was committing "a frontal aggression, a declaration of war which no longer hides itself behind diplomatic maneuvers."

Rwanda's ambassador to the U.N., Ernest Rwamucyo, did not confirm or deny Congo's claims.

NEWS BOX

After Test success, Jamie Smith aims to be England's finisher in T20Is

New Delhi. England wicketkeeper batter Jamie Smith has set his sights on being an all-format regular for his team as he aims to seal his spot as a finisher in the T20I side. Smith recently made his T20I debut against India in the second game of the five-match series at MA Chidambaram Stadium in Chennai. The 24-year-old showed tremendous potential by scoring a quick-fire 22 off 12, smashing one four and two sixes.Following his debut, Smith has opened up on his desire to play all three formats for his country. He also mentioned how having a fixed role in the T20I side would give him more clarity while training and preparing ahead of a game.

"I want to play all formats for England. That's the main goal. I'm seeing these games (as) an opportunity I get to experiment and showcase my skills, I want to do that. It would be nice to fix down a role so that everyone knows that you are going to be that number six batter in T20, it gives you a little bit more clarity to train and prepare with," Smith was quoted as saying by Yahoo Sports.Furthermore, the youngster reasoned that having a clear role in the Test side has allowed him to perform to the best of his abilities."I've got a very clear role in the Test side, keeping wicket and batting seven. That makes it much easier to prepare for. I feel confident I can go out and perform in any role that is thrown at me," he

added.

Smith's impressive Test debut in 2024

Smith made his Test debut against West Indies in July 2024 at Lord's, the game famously known for being the last Test of the legendary England bowler James Anderson. He scored a brilliant 70 in his first outing and followed up with a 95 in the third Test of the series.Smith further went on to score his maiden Test hundred in the following Test series against Sri Lanka and recently scored a gritty 89 in the third Test against Pakistan in Rawalpindi on a turning track. In the nine Tests played in his career so far, the Surrey cricketer has scored 637 runs at an average of 42.46 with one hundred and four fifties.Apart from that, Smith has also played seven ODIs but failed to impress with just 133 runs at an average of 22.16. Hence, the wicketkeeper batter will be eager to play some memorable knocks in the remaining matches of the ongoing T20I series vs India to prove his mettle in white-ball cricket as well.

Olympian Nishant Dev secures ruthless win on pro-boxing debut in Las Vegas

NEW DELHI. India's Nishant Dev made a terrific pro-boxing debut in Las Vegas on Saturday, January 25. The Olympian knocked-down his opponent thrice in the first round of his maiden fight. Nishant was ruthless with his punching against Alton Wiggins, who was so dazed at the end of the first round that the referee had to call a stoppage and hand Nishant his first win.The 24-year-old, who represented India in the Paris Olympics turned to the world of professional boxing earlier this year. Nishant had narrowly missed a medal at the Paris Olympics after losing in the quarter-final of the competition against Mexico's Marco Verde Alvarez.Nishant's bout was part of the undercard for the Diego Pacheco vs Steve Nelson fight. After his victory, Dev, who has been dreaming of this moment for 15 years, dedicated his win

to his father and India, on Republic Day. He is now eyeing the title of India's first world boxing champion.Nishant turned to pro-boxing after partnering with Matchroom Boxing. The two-time national champion is being trained by former professional boxer Ronald Simms."I'm working hard every day with my trainer Ronald Simms. I know I have the right team behind me and the biggest promoter in the world to ensure that I reach the very top in the sport," he had said while announcing his career switch.

"I enjoyed my time as an amateur boxer and competed at the very highest level in the Olympics and winning a World Championship medal. But now, I'm ready for this new chapter in my career," he had further added.

Kylian Mbappe fires first Real Madrid hat-trick as leaders thrash Valladolid

Kylian Mbappe scored his first hat-trick for Real Madrid in a LaLiga match vs Valladolid on Sunday, January 26. Mbappe's 3 goals helped Madrid rout the opponent and continue their run at the top of the league.

New Delhi Real Madrid's Kylian Mbappé celebrated his first hat-trick for the club in their La Liga match against Valladolid on Sunday, 26th January. Mbappé tucked the ball under his shirt and raised both hands after scoring his third goal of the evening as he soaked in the applause from travelling fans at the José Zorrilla Stadium in Spain.Mbappé's hat-trick on Sunday helped Real Madrid secure a 3-0 win against last-placed Valladolid, who have just 15 points to their name in 21 matches. In stark contrast, Madrid extended their lead at the top of the table, reaching 49 points, four points clear of second-placed Atlético Madrid.There was no shortage of confidence from Mbappé, which had been lacking earlier this season as he dominated the play against the last-placed side to fire his team to a 2-0 lead by the 57th minute. Mbappé completed his hat-trick with a penalty in injury time."I'm very happy for the hat-trick but even happier for the win," Mbappé told the broadcaster on Sunday.

"It was very important to win after Atlético's result because that gave us a bit more pressure to take advantage of it."

Madrid's fourth straight triumph in the league, combined with Atlético Madrid's 1-1 draw with Villarreal, allowed Carlo Ancelotti's side to open a four-point gap over their city rivals. Barcelona are in third place, 10 points behind, before hosting Valencia on Sunday.Real Madrid's turnaround in La Liga came after being thrashed 4-0 by Barcelona in the El Clásico back in October 2024. Madrid found their stride after that, not only overtaking Barcelona but also building a distance between the bitter rivals."My adaptation to the team is over. I feel comfortable on the field, and you can see that from the way I am playing with my teammates," Mbappé said. "This gives us confidence, but you know that until the 38th round, this is not over. We have to keep winning because there is a long way to go."

The game between the front-runner and the bottom side fit its billing as a mismatch.

Valladolid could only draw one save from Thibaut Courtois in the opening moments. It was all Madrid the rest of the way, even though Vin-cius J°nior didn't play, having completed a two-game suspension.

Mbappé swept in Madrid's first goal on the half-hour mark after a flowing team attack of quick passes to weave the ball through a packed Valladolid area that culminated in Jude Bellingham's assist for the France star.He made it a double in the 57th minute by finishing off a three-against-two counterattack after Federico Valverde intercepted a Valladolid pass. Mbappé took a pass from Rodrygo and rifled in a low strike from the left side of the box.

Valladolid finished with 10 men after Mario Mart-n received a second booking in the 90th minute for a foul on Bellingham, sending Mbappé to the spot for his third.That made it four games in a row with a goal across all competitions for Mbappé. In La Liga, Mbappé has 15 goals, second only to Robert Lewandowski's 16 for Barcelona. He also scored twice last weekend against Las Palmas in a 4-1 win.

"Mbappé is giving us a lot. He has found his rhythm over the last couple of months, and that is obviously a boost for us," Ancelotti said.

Shashank Singh reveals MS Dhoni's golden advice which made him a 'confident' finisher

New Delhi. Punjab Kings batter Shashank Singh recently revealed legendary India cricketer MS Dhoni's advice which helped him gain confidence as a finisher. Shashank had a phenomenal season for Punjab in IPL 2024 after he was mistakenly bought by the franchise at the auction. The 33-year-old left everyone in awe of his marvellous strokeplay, scoring 354 runs from 14 matches at an average of 44.25 with two half-centuries to his name.Recently, Shashank shared advice given to him by MS Dhoni which helped him get a reality check about finishing matches for one's team. The right-handed batter mentioned how his words filled him with confidence and helped him to play without any burden.

"Once, I had a conversation with Mahi Bhai (MS Dhoni) about this finisher's thing. So he told me that if you're winning three games for your team out of 10, you are in the world's five or 10 best players," Shashank told PTI."That gave me real confidence that it's important to accept that every match is

not possible practically for me to win. So, I just try to collect those good points, which I did. Just try to minus those stupid point or points which were not sensible," he added.Shashank rose to the limelight after his unbeaten match-winning innings of 61* off 29 deliveries against Gujarat Titans during Match 17 of the Indian Premier League 2024 (IPL 2024). Courtesy of his knock, Punjab managed to chase down the target of 200 in 19.5 overs as Shashank became an overnight sensation.

Punjab retains Shashank for Rs 5.5 Crore

Following his incredible performance in the previous season, he was retained by Punjab for Rs 5.5 Crore for IPL 2025. Meanwhile, at the auction, Punjab bought star India batter Shreyas Iyer for a whopping Rs 26.75 Crore and appointed him the captain for the upcoming season.The 2014 runner-ups have added a lot of firepower to their team during the auction, buying the likes of Josh Inglis, Marcus Stoinis and Glenn Maxwell. In the bowling department, they've onboarded Marco Jansen, Yuzvendra Chahal, Arshdeep Singh, Lockie Ferguson amongst others. Punjab also appointed Ricky Ponting as their new head coach for the upcoming season as the franchise aims to end their trophy drought in IPL 2025.

Sajid Khan imitates John Cena's famous gesture during 2nd Test vs WI

New Delhi. Pakistan off-spinner Sajid Khan brought out WWE Superstar John Cena's famous gesture during Day 2 of the ongoing second Test against the West Indies being played at Multan Cricket Stadium, Multan. Khan played a key role in bundling out West Indies for 244 in the second innings as he scalped 4/76 in 24.1 overs.During his spell, he bowled a vicious delivery to Jomel Warrican, which turned sharply from outside off stump and came back in as the West Indies tailender tried to play a slog sweep. However, he ended up missing the ball altogether, but surprisingly it went just over the stumps and crashed into wicketkeeper Mohammad Rizwan's gloves, missing the bails by a whisker.After bamboozling Warrican, Khan walked a few steps towards him and imitated the famous gesture of John Cena by quickly moving his hands in front of his eyes multiple times and even saying a few words. The entire incident had Warrican laughing as he smiled

at the Pakistan spinner.Meanwhile, West Indies managed to take a lead of 253 runs in the second innings as captain Kraig Brathwaite scored a crucial half-century for his side with his innings of 52 (74) as he smashed four fours and two sixes. Apart from him, no other batter could cross the 35-run mark with Tevin Imlach (35) and Amir Jangoo (30) being the next two highest scorers as Sajid Khan and Noman Ali ran through their batting.

Pakistan reeling at stumps on Day 2

Noman registered his maiden ten-wicket haul in Tests as he scalped 4/80 in the second innings after registering figures of 6/41 in the first, which included the record feat of being the first Pakistan spinner to take a hat-trick in Tests. Being set a target of 254 runs, Pakistan got off to a dismal start in the fourth innings as captain Shan Masood (2) and Muhammad Hurraira (2) got dismissed cheaply.

After two early blows, Babar Azam (31) and Kamran Ghulam (19) tried to stabilise the innings but were eventually dismissed late in the day, leaving Pakistan in misery.

40,000 kilometres around the globe: Runner Sufiya Sufi's goal to make India proud

NEW DELHI. These are the closing lines from Robert Frost's famous poem, The Road Not Taken. These lines often connect with people who decide to move away from the usual path in life and take one that not many will dare to take. And they perfectly fit Indian runner Sufiya Sufi's life and her journey so far.She had a secure job in the aviation industry with a steady income but was slowly feeling the effects of her lifestyle at that time. Sufiya wanted to break out of her monotonous life and decided to pick an escape route. She decided to take up running to improve her health and mental peace. Each step that she took went on to increase her love for the sport, and she decided to quit her job and follow her newfound passion.There was pushback from her family and Sufiya faced a lot of challenges along the way. But in 2025, the Indian runner holds 5 Guinness World Records to her name. She is also the fastest athlete (man or woman) to complete the Manali to Leh trail and also completed the The 4,000 km Kashmir to Kanyakumari Run in 2019.When Indiatoday.in spoke to Sufiya in 2022, she had made plans to travel around the globe. Now the Indian runner is planning

to do that in 2026, as she revealed the biggest challenge she will be tackling, how she was able to prove her naysayers wrong and how she plans to represent India on the grand stage.

Excerpts from exclusive interaction with Sufiya Sufi

India Today: Why did you choose running specifically over other sports?Sufiya: I was doing a night shift job, and I needed to break out of my daily routine because my health and mental health were declining. Running was the choice because it's a sport that doesn't require much equipment, and it's like meditation. I still remember in 2017 when I did my first run inside a park. It was more convenient to run there. And I started with a 3-kilometre run, my first-ever one, and that's how my journey began. I think I chose running because it didn't require much equipment, and you didn't have to go to a particular ground or court.India Today: Running has transformed into your passion, and you've started breaking world records as well. How did this transition happen?

Sufiya: Actually, when I started running for fitness, I didn't set any goals or think that I would break world records or aim for such feats. My purpose back then was simply to break out of the daily routine and relieve my frustration. But slowly, running became a hobby, and then it turned into a passion. When I did my first run, I had no sports background. But after that, I started developing an interest, and it felt good. When I started running in 2017, there was a boom in running. Marathons were becoming popular, and I started participating in them. Slowly, running became a passion for me. I realised that I had the strength and the ability to go far if I trained properly and focused on it. So, I think it was during marathons that I started feeling that I could go further.

Would rather play 63-year-old goalkeeping coach: Amorim's brutal take on Rashford

Ruben Amorim benched Marcus Rashford again, citing poor training intent, fuelling transfer rumours linking the Manchester United forward with Dortmund, AC Milan, and Barcelona.

New Delhi Manchester United manager Ruben Amorim has offered insight into his decision to exclude Marcus Rashford from recent matches, including the team's narrow 1-0 win over Fulham on January 27. Amorim emphasised that his selection criteria are based on commitment during training, even stating he would prefer to play the club's 63-year-old goalkeeping coach Jorge Vital over a player who lacks intent.Rashford's absence from the squad has drawn significant attention, with his omission further fuelling transfer speculation. Amorim's comments underline a no-nonsense approach, prioritising effort and discipline over reputation. The Fulham clash, decided by a crucial Lisandro Mart-nez goal, showcased United's ability to grind out results under Amorim, but Rashford's continued exclusion overshadowed the victory."It's always the same reason - the training, the way I see a footballer should do in life. It's every day, every detail," Amorim said."If things don't change, I will not change. It's the same situation for every player. If you do the maximum and right things, we can use every player. You can see on the bench we miss a bit of pace on the bench, but I would put [Manchester United goalkeeper coach Jorge] Vital before a player who doesn't give the maximum every day," he added.

The England forward has been increasingly linked with a move away from Old Trafford, with Borussia Dortmund, AC Milan, and FC

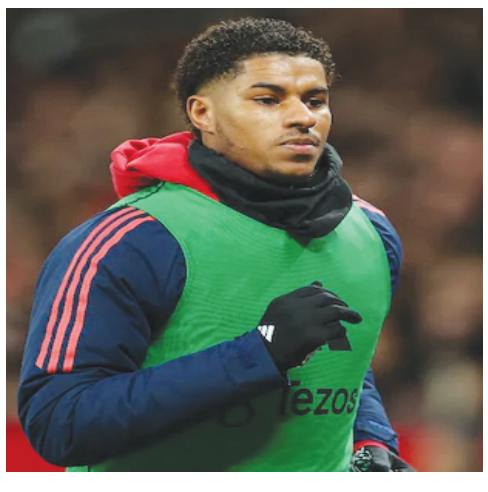

Barcelona emerging as potential suitors. While no official offers have been made, these clubs are reportedly keeping a close watch on Rashford's situation.

Rashford, who has been a cornerstone for United throughout his career, has faced a tough spell under Amorim's management. Despite his undeniable talent, the 26-year-old has fallen down the pecking order. Amorim's remarks about Jorge Vital underline his preference for players who show full commitment, leaving no room for those who fail to meet his expectations.

The lack of playing time has raised questions about Rashford's long-term future at the club. With just a few days remaining in the transfer window, his fate could soon be decided. For Rashford, this period is critical to either win back the trust of his manager or seek a fresh start elsewhere.For Manchester United, Amorim's firm stance reflects his vision for a disciplined and unified squad. The manager's approach appears to prioritise team ethos over individual status, even if it means benching one of the club's biggest stars.As the season progresses, the Rashford situation remains a central storyline at Old Trafford, with fans and pundits eagerly awaiting the next chapter in this unfolding drama.

Janhvi Kapoor

Sidharth Malhotra's Chemistry In This Param Sundari BTS Will Make You Scream Wow

Janhvi Kapoor and Sidharth Malhotra have started shooting for Param Sundari in Kerala. How do we know, you ask? There is a BTS video that is going viral on social media. The clip, shared by a Reddit user, shows Sidharth Malhotra (playing Param) and Janhvi Kapoor (playing Sundari) at the picturesque Athirappilly Waterfalls in Kerala. At one point, Janhvi gets up and walks away.

In December last year, Maddock Films announced Param Sundari. It love story of a man from North India and a woman from South India.Param Sundari was announced with much fanfare, and the film's first posters sparked interest among fans. The movie has been directed by Tushar Jalota, who is known for his previous work on Dasvi. It featured Abhishek Bachchan, Yami Gautam, and Nimrat Kaur.

Param Sundari is set to hit cinemas on July 25. This movie will mark Sidharth Malhotra and Janhvi Kapoor's first on-screen collaboration.With Tushar Jalota at the helm and a strong cast, Param Sundari has generated significant buzz, and it is poised to be one of the highly anticipated films of 2025. Fans are eagerly waiting to see how the chemistry between Sidharth and Janhvi unfolds on the big screen.

Twinkle Khanna

Slams 'Ridiculous' Rumours Involving Kareena Kapoor Khan After Saif Ali Khan Attack

Twinkle Khanna recently wrote an article for a newspaper, in which she wrote about 'missus blaming'. She cited several examples, and pointed out how the women (especially wives) are blamed in every situation or problem that men face. She highlighted how Anushka Sharma is blamed when Virat Koli gets out. She also shared a recent example wherein 'ridiculous' rumours surfaced about Kareena Kapoor Khan after her husband Saif Ali Khan was stabbed by an intruder in their residence.In her column for Times Of India, Twinkle Khanna wrote that she double-checks the window locks before going to bed, and that a sense of vulnerability has taken root in homes everywhere, in the wake of Saif Ali Khan's stabbing. Further slamming the rumours involving Kareena Kapoor Khan, Twinkle wrote, "While Saif was in hospital, ridiculous rumours swirled that his wife hadn't been at home or had been too intoxicated to help him during the assault. The absence of any sort of evidence did nothing to stop these dumb theories. People just enjoyed shifting the blame onto the wife — an all-too-familiar pattern."

Twinkle Khanna Points Out Anushka Sharma Gets Blamed Whenever Virat Kohli Gets Out

She further shared instances wherein the blame is unfairly shifted on wives. She pointed out that when the Beatles spilt, people blamed John Lennon's wife Yoko Ono. "When Virat Kohli gets out, then Anushka gets booed. When Beckham could not bend it on the football field, fingers were pointed at Victoria," she wrote. She said that the wife-blaming is not just restricted to couples in the public eye.In the same column, Twinkle Khanna wrote that during an interview, she was asked what it's like being a 'star wife'.

"While my first instinct is to bite the reporter's index finger, I reply, 'I am not sure that an entity like 'star wife' exists, unless, in the way that Manglik women marry trees, because of some Rahu Ketu ka dosh, you end up marrying Sirius or worse, Halley's Comet'," she wrote.She further added that she is also often asked about, and blamed for, the difference in political views between her and her husband Akshay Kumar. "It's almost like people believe he isn't my husband but a toddler who will listen to me when I say, 'Beta ji, please walk on the left side of the road, and I will give you a Frooti,'" she wrote.

Farah Khan On Choreographing Loveyapa Actors Junaid Khan, Khushi Kapoor: 'I Started My Career With Aamir…'

Aamir Khan's son Junaid Khan, and Sridevi-Boney Kapoor's younger daughter Khushi Kapoor, are all set to make their theatrical debut with their upcoming film 'Loveyapa'. Choreographer-turned-director Farah Khan recently reflected on her remarkable journey in Bollywood, from choreographing Aamir Khan and Sridevi to now, doing the same for the next generation of actors Junaid Khan and Khushi Kapoor.Farah, who has been in the industry for decades, revealed the emotional connection she shares with the children of some of the biggest stars she once worked with. Speaking about choreographing Junaid Khan, the son of Aamir Khan, and Khushi Kapoor, daughter of the late Sridevi, Farah said, "It was a surreal experience because literally, I think I was working with Aamir in Jo Jeeta Wohi Sikandar and after that Junaid was born. We all had gone to his house with Mansoor and everybody to congratulate him. Same with Sridevi also, I was quite close to her, Boney, and the whole Kapoor family. For me, it was very wonderful."

Farah then added that it feels weird that she has been in this industry for so long. "I don't feel it. It's just that when I shoot with these guys, I realize that, oh my god, I started my career with Aamir and now I'm choreographing his son," she said.

About Loveyapa

'Loveyapa' is a fresh take on Gen-Z relationships, blending romance with comedy. The plot revolves around a humorous challenge set by the lead characters' parents, where Gaurav and Baani must exchange their phones for a day to prove their trust before deciding to marry.Apart from Junaid Khan and Khushi Kapoor, the film also features a stellar cast including Grusha Kapoor, Ashutosh Rana, Tanvika Parlikar, Kiku Sharda, and Kunj Anand. Directed by Advait Chandan and backed by Phantom Studios and AGS Entertainment, Loveyapa is set for a worldwide release by Zee Studios on February 7, 2025.

Priyanka Chopra Thirsts Over Husband Nick Jonas' Smouldering Look From Photoshoot: 'Damn'

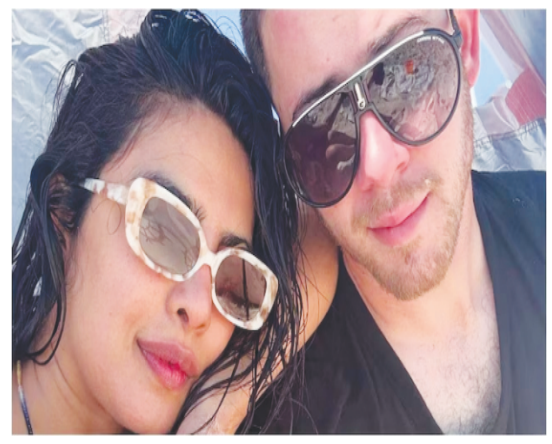

Priyanka Chopra and Nick Jonas are undeniably one of the most loved celebrity couples, and they never shy away from expressing their love and admiration for each other on social media. From posting swoon-worthy pictures together, to dropping lovely comments on one another's Instagram posts, the couple never fails to shell out major relationship goals. Looks like PeeCee can't get enough of her hubby, as she recently shared a captivating picture of Nick, and couldn't help but appreciate his good looks!On Saturday evening, Priyanka Chopra took to her Instagram stories and shared a picture of her hubby Nick Jonas from a magazine photoshoot. The picture shows him staring intently at the camera. He is seen with an intense look on his face, and can be seen flaunting his biceps while sporting a black tank top. The picture captured Nick's bold charisma and powerful presence, while his tousled hair further added to his allure. Sharing the picture from the photoshoot, Priyanka swooned over her hubby and wrote, "Damn," along with a hot face emoji. Check out her Instagram story below!

Priyanka Chopra and Nick Jonas often openly appreciate and hype each other up on social media. They also frequently share pictures on social media, giving fans a sneak-peek into their day-to-day life. A few weeks ago, post New Year celebration, Priyanka dropped a series of pictures with her hubby Nick Jonas and their 3-year-old daughter Malti Marie. She wrote, "Abundance. That is my goal for 2025. In joy ,in happiness and in peace. May we all find abundance this new year. So grateful for my family. Happy 2025."

Meanwhile, on the professional front, Priyanka Chopra has several exciting projects in the pipeline. She will star alongside Idris Elba and John Cena in 'Heads of State', an action-comedy directed by Ilya Naishuller. She will also play a 19th-century Caribbean pirate in 'The Bluff', a swashbuckling drama set in the Caribbean. The film, directed by Frank E. Flowers, also stars Karl Urban, Ismael Cruz Cordova, Safia Oakley-Green, and Vedanten Naidoo. Additionally, she will return for the second season of the spy thriller series 'Citadel'.